गुरुवार, 17 जुलाई 2025

मौसम

तापमान 26 – 33
आर्द्रता 81%
सूर्योदय: 5:01 सूर्यास्त: 18:24

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, श्रावण कृष्णपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

विदेश नीति पर राहुल के 'पाकिस्तान की भाषा' बोलने से देश को नुकसान: रीजीजू पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : जहां तर्क खत्म होता है वहां से ईश्वर का चमत्कार शुरू होता है।

बांग्ला भाषी लोगों को परेशान करना बंद नहीं किया तो भाजपा को गंभीर राजनीतिक परिणाम भुगतने होंगे : ममता

भाजपा शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी श्रमिकों पर कथित उत्पीड़न के खिलाफ सड़क पर उतरीं ममता

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश भर में बांग्ला भाषी लोगों को परेशान करने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए जोरदार निशाना साधा। ममता ने चेतावनी दी कि अगर उसने ऐसी कार्रवाइयों पर तुरंत रोक नहीं लगाई तो भाजपा को इसके गंभीर राजनीतिक परिणाम भुगतने होंगे। ममता ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्यों में अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए चुनाव आयोग को प्रभावित कर रही है। ममता भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ बारिश में भींगकर दोपहर में कोलकाता में एक विशाल पैदल विरोध मार्च (जुलूस) का नेतृत्व करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रही थीं। दो किलोमीटर लंबा यह पैदल मार्च कॉलेज स्क्वायर से शुरू होकर मध्य कोलकाता के धर्मतल्ला में डोरीना क्रासिंग पर समाप्त हुआ, जिसमें ममता के सांसद भतीजे व तृणमूल राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सहित अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता व कई मंत्री भी शामिल हुए। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि बांग्ला भाषी लोगों को परेशान करने और जरा से भी शक होने पर उन्हें हिरासत में लेने के लिए केंद्र सरकार द्वारा भाजपा शासित राज्यों को गुप्त रूप से नोटिस भेजे गए हैं। मैं केंद्र और भाजपा के बंगालियों के प्रति रवैये से शर्मिंदा और निराश हूं। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा ने महाराष्ट्र में मतदाता सूची से नाम हटाकर जीत हासिल की, अब वह बिहार में भी यही कर रही है। उन्होंने चुनाव आयोग को भी कठघड़े में खड़ा करते हुए आरोप लगाया कि वह अब निष्पक्ष संस्था नहीं रह गया है, बल्कि भाजपा का दलाल बन चुका है। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा दूसरे राज्यों में बैठकर बंगाल के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटवा रही है और यह काम चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रहा है। ममता ने कहा कि मैं केंद्र और भाजपा के बंगालियों के प्रति रवैये से शर्मिंदा और निराश हूं। भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी व विदेशी कहकर प्रताड़ित और जेल व डिटेंशन कैंप में भेजा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं बंगालियों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करूंगी।

क्या बंगाल भारत का हिस्सा नहीं है?

ममता ने पूछा कि भाजपा को बंगालियों को इस तरह परेशान करने, उन्हें गिरफ्तार करने और जबरन बांग्लादेश वापस भेजने का क्या अधिकार है? क्या बंगाल भारत का हिस्सा नहीं है? ममता ने पूछा कि सीमा की सुरक्षा किसके हाथ में है। अगर कोई बांग्लादेश से दूसरे राज्यों में जाता है तो गलती केंद्र की है, उन्हें शर्म आनी चाहिए। मालूम हो कि ओडिशा और दिल्ली के जय हिंद कालोनी से शुरू होकर कई राज्यों में घुसपैठियों पर कार्रवाई हो रही है, जिसके खिलाफ ममता व उनकी पार्टी तृणमूल मुखर है। ममता इसे बंगाली अस्मिता से जोड़कर बांग्लाभाषी को प्रताड़ित करने का आरोप लगा रही हैं। राज्य में अगले साल ही विधानसभा चुनाव होने हैं।

'अब से ज्यादा बांग्ला में बोलूंगी, मुझे भी हिरासत शिविरों में डाल दो'

ममता ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि मैंने अब से ज्यादा बांग्ला में बोलने का फैसला किया है, अगर हो सके तो मुझे भी हिरासत शिविरों में डाल दो। ममता ने यह भी कहा कि अगर मुझे डिस्टर्ब किया गया, तो मैं पूरे देश में घूमूंगी और हर जगह बांग्ला में भाषण दूंगी। उन्होंने भाजपा से इंच-दर-इंच लड़ाई का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि उसे 2026 के विधानसभा चुनाव के दौरान खेला होगा के एक नए दौर के लिए तैयार रहना चाहिए। बंगालियों को डिटेंशन कैंप में रखने वालों को चुनाव में जनता डिटेंशन में भेज देगी। ममता ने कहा कि दिल्ली के लोग, आप क्या सोचते हैं? क्या आप जिसे चाहें उसे जेल में डाल सकते हैं? अगर कोई बंगाली बोलता है, तो आप उन्हें बांग्लादेशी-रोहिंग्या कह देंगे? बांग्लादेशी बांग्लादेश में हैं और रोहिंग्या म्यांमार में रहते हैं। ममता ने कहा कि देश के अन्य हिस्सों में बंगाल से लगभग 22 लाख प्रवासी कामगार काम कर रहे हैं, जिनके पास आधार, वोटर और पैन कार्ड जैसे वैध पहचान पत्र हैं। मैं सभी भाषाओं और उन सभी का सम्मान करती हूं जो देश के नागरिक हैं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि बंगालियों को अत्याचारों का सामना करना पड़े। हम उनके साथ अनादर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

डीवीसी ने छोड़ा 27 हजार लाख क्यूसेक पानी, बंगाल में हालात बिगड़े : ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) पर निशाना साधते हुए राज्य सरकार को बिना सूचित किए उसपर एकतरफा पानी छोडऩे का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि बिना सूचना दिए डीवीसी द्वारा अपने जलाशयों से बार-बार पानी छोड़े जाने के कारण राज्य के कई जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर डीवीसी को जिम्मेदार ठहराया। ममता ने उल्लेख किया कि 18 जून से अब तक डीवीसी द्वारा कुल 27 हजार लाख क्यूसेक मीटर पानी छोड़ा जा चुका है। ममता ने कहा कि बिना राज्य सरकार को सूचित किए डीवीसी द्वारा छोड़े गए पानी ने नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ा दिया है। इसका असर गांवों और खेतों पर पड़ा है। लोगों के घरों में पानी घुस गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार और डीवीसी को राज्य के साथ समन्वय बनाकर चलना चाहिए, ताकि पहले से तैयारी की जा सके। उन्होंने चेताया कि इस तरह की कार्रवाई आम लोगों के जीवन और फसल दोनों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।

'पीएम धन-धान्य कृषि योजना' को मंत्रिमंडल की मंजूरी

सालाना 24,000 करोड़ रुपये का व्यय होगा

सरकार किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 100 जिलों में कृषि क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिए सालाना 24,000 करोड़ रुपये के आवंटन वाली 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' को बुधवार को मंजूरी दी। छह साल तक चलने वाली इस योजना से करीब 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। यह योजना 2025-26 के बजट में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए 100 जिलों के विकास की घोषणा के अनुरूप है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी दी। वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' 11 विभागों की 36 मौजूदा योजनाओं, अन्य राज्य योजनाओं और निजी क्षेत्र के साथ स्थानीय भागीदारी को समाहित कर कार्यान्वित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से लगभग 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। कृषि मंत्री

शिवराज सिंह चौहान ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, इस योजना के क्रियान्वयन की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ...प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान अगस्त में शुरू होगा। उन्होंने कहा, हम इस योजना को अक्टूबर से लागू करेंगे, जब रबी की बुवाई शुरू होगी। चौहान ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में खाद्यान्न, बागवानी और दूध के उत्पादन में तीव्र वृद्धि के बावजूद राज्यों और जिलों के बीच उपज का अंतर है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधीकरण और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर फसलों की कटाई के बाद अनाज भंडारण बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और किसानों के लिए दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है। योजना के लिए 100 जिलों की पहचान कम उत्पादकता, कम फसल सघनता और कम ऋण वितरण के तीन प्रमुख मानदंडों के आधार पर की जाएगी। प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में जिलों की संख्या शुद्ध फसल क्षेत्र और परिचालन जोत के हिस्से पर आधारित होगी। हालांकि, प्रत्येक राज्य से कम-से-कम एक जिला इस योजना के लिए चुना जाएगा। बयान के मुताबिक, योजना के प्रभावी नियोजन, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर समितियां गठित की जाएंगी। जिला धन-धान्य समिति द्वारा एक 'जिला कृषि एवं संबद्ध कार्यकलाप योजना' को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिसमें प्रगतिशील किसान भी शामिल होंगे। जिला योजनाओं को फसल विविधीकरण, जल एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और प्राकृतिक एवं जैविक खेती के विस्तार जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप बनाया जाएगा। प्रत्येक धन-धान्य जिले में योजना की प्रगति की निगरानी मासिक आधार पर एक डैशबोर्ड के माध्यम से 117 प्रमुख संकेतकों पर की जाएगी।

मुगल निर्दयी और क्रूर: एनसीईआरटी

नयी दिल्ली : एनसीईआरटी की 8वीं क्लास की नई सामाजिक विज्ञान की किताब में मुगल शासकों को लेकर कुछ सख्त बातें लिखी गई हैं। किताब में बाबर को 'बहुत ही निर्दयी और क्रूर विजेता' कहा गया है, जिसने कई शहरों की पूरी आबादी को मरवा दिया। वहीं, अकबर के बारे में लिखा गया है कि उसका शासन एक तरफ से सहनशील था, लेकिन उसमें जालिम फैसले भी थे। इसके अलावा औरंगज़ेब के बारे में कहा गया है कि उसने कई मंदिरों और गुरुद्वारों को तुड़वाया। इसके साथ ही किताब में एक जरूरी चेतावनी भी दी गई है कि इतिहास में जो गलतियां या घटनाएं हुई हैं, उसके लिए आज के समय में किसी को दोषी नहीं ठहराना चाहिए यानी आज की पीढ़ी को बीते वक्त के झगड़ों को दोहराना नहीं चाहिए। मुगलों और दिल्ली सल्तनत के समय को 'धार्मिक असहिष्णुता' और हिंसा से भरा समय बताया गया है, जिसमें कई बार गांवों और शहरों को लूटा गया, मंदिरों और ज्ञान के केंद्रों को तबाह किया गया।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बैठक की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी साझा की गई। पोस्ट में कहा गया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' मोदी के पांच देशों की यात्रा से भारत लौटने के कुछ दिनों बाद यह मुलाकात हुई। प्रधानमंत्री ने घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और नामीबिया की यात्रा की, जिसके बाद 10 जुलाई को वह स्वदेश लौट आए थे। यह बैठक संसद के मानसून सत्र से पहले हुई है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है।

'उदयपुर फाइल्स' मामला: सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 21 जुलाई तक टाली

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को 'उदयपुर फाइल्स : कन्हैया लाल टेलर मर्डर' से जुड़े मामले की सुनवाई 21 जुलाई तक टाल दी और निर्माताओं से कहा कि वे फिल्म के खिलाफ आपत्तियों पर विचार करने के लिए केंद्र की ओर से नियुक्त समिति के फैसले का इंतजार करें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्माताओं से कहा कि अगर फिल्म रिलीज होती है, तो कन्हैया लाल दर्जी हत्या मामले के आरोपियों को प्रतिष्ठा के नुकसान के लिए मुआवजा नहीं दिया जा सकता, लेकिन निर्माताओं को आर्थिक रूप से क्षतिपूर्ति की जा सकती है। पीठ दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 10 जुलाई को 'उदयपुर फाइल्स : कन्हैया लाल टेलर मर्डर' की रिलीज पर लगाई गई रोक के खिलाफ फिल्म निर्माताओं की अपील पर सुनवाई कर रही थी।

नाटो चीफ की भारत को खुलेआम चेतावनी: रूसी तेल खरीदा तो चुकानी पड़ेगी भारी कीमत

नयी दिल्ली : रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पश्चिमी देशों का दबाव अब खुलकर भारत, चीन और ब्राज़ील पर आ गया है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने सीधे चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ये देश अब भी रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो उन पर 100% सेकेंडरी सैंक्शंस (अमेरिकी टैरिफ) लगाए जाएंगे। उन्होंने बेहद सख्त शब्दों में कहा अगर आप चीन के राष्ट्रपति हैं, भारत के प्रधानमंत्री हैं या ब्राज़ील के राष्ट्रपति हैं तो तैयार रहिए। पुतिन पर दबाव डालिए कि वो शांति समझौता करें, नहीं तो भारी कीमत चुकानी होगी। मार्क रूट का यह बयान ऐसे

समय आया है जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस को पहले ही 50 दिन का अल्टीमेटम दे चुके हैं। ट्रंप ने साफ कहा है कि अगर रूस ने 50 दिन में युद्ध नहीं रोका तो रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100% टैरिफ लगाया जाएगा। हालांकि ट्रंप ने नाम नहीं लिए थे लेकिन नाटो चीफ ने ब्राज़ील, चीन और भारत को सीधे निशाना बना दिया है। मार्क रूट ने अमेरिकी सीनेटरों के साथ बैठक में कहा अगर आप दिल्ली, बीजिंग या ब्राज़ीलिया में हैं तो आप पर इसका असर साफ दिखेगा। पुतिन को फोन करिए और कहिए कि वो सीजफायर पर गंभीर हों, वरना इसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। इस बीच अमेरिकी सीनेटर रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500% तक का टैरिफ लगाने के बिल पर भी काम कर रहे हैं। यानी आने वाले दिनों में रूस से कारोबार करने वाले देशों पर आर्थिक दबाव और बढ़ने वाला है।

इंडिगो के विमान की मुंबई में आपात लैंडिंग, इंजन में आई खराबी

दिल्ली से गोवा जा रही थी फ्लाइट

नयी दिल्ली : दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो की एक उड़ान को तकनीकी खराबी के चलते बुधवार रात आपात स्थिति में मुंबई एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, उड़ान के दौरान एयरबस ए320नियो विमान के एक इंजन में खराबी आ गई थी, जिसके बाद विमान को तुरंत मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। उड़ान संख्या 6ई-6271 ने रात 9 बजकर 52 मिनट पर मुंबई में सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग की। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। हालांकि, विमान में सवार यात्रियों की संख्या का तुरंत पता नहीं चल सका है।

एअर इंडिया के बोइंग के सभी 787 विमानों की जांच पूरी, फ्यूल कंट्रोल स्विच में कोई खामी नहीं

नयी दिल्ली : एअर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमानों में ईंधन नियंत्रण स्विच को 'लॉक' करने के तंत्र का निरीक्षण बुधवार को पूरा कर लिया और इसमें कोई समस्या नहीं पाई गई। विमानन कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विमानन नियामक डीजीसीए ने सोमवार को विमानन कंपनियों से उनके बोइंग 787 और 737 विमानों में 'ईंधन स्विच लॉकिंग' प्रणाली की जांच करने को कहा था। यह निर्देश एअर इंडिया के बोइंग 787 विमान की दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आने के कुछ दिन बाद दिया गया। जांच रिपोर्ट में पाया गया था कि पिछले महीने हुई दुर्घटना से ठीक पहले स्विच बंद हो गए थे। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारी ने एअर इंडिया के पायलटों को भेजे गए एक आंतरिक संदेश का हवाला देते हुए कहा, ''सप्ताहांत में हमारी इंजीनियरिंग टीम ने हमारे सभी बोइंग 787 विमानों के 'ईंधन नियंत्रण स्विच' (एफसीएस) को 'लॉक' करने के तंत्र का एहतियाती निरीक्षण शुरू किया। निरीक्षण पूरा हो गया है और कोई समस्या नहीं पाई गई।'' अधिकारी ने यह भी बताया कि बोइंग रखरखाव कार्यक्रम के अनुसार सभी बोइंग 787-8 विमानों में 'थ्रॉटल कंट्रोल मॉड्यूल' अपनाया गया है। एफसीएस इसी मॉड्यूल का हिस्सा है। ईंधन नियंत्रण स्विच विमान के इंजन में ईंधन के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं।

इंडोनेशिया के साथ किए गए करार की तरह होगा भारत के साथ व्यापार समझौता: ट्रंप

नयी दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता इंडोनेशिया के साथ किए गए करार के अनुरूप होगा। अमेरिका-इंडोनेशिया व्यापार समझौते के तहत, दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अमेरिकी उत्पादों को अपने बाजार में पूरी पहुंच प्रदान करेगा, जबकि इंडोनेशिया की वस्तुओं पर अमेरिका में 19 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इसके अलावा, इंडोनेशिया ने अमेरिका से 15 अरब डॉलर की ऊर्जा खरीद, 4.5 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद और 50 बोइंग जेट खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। ट्रंप ने बाद में संवाददाताओं से कहा, ''भारत मूलतः उसी दिशा में काम कर रहा है। हमें भारत में प्रवेश मिलेगा। आपको समझना होगा कि इनमें से किसी भी देश में हमारी पहुंच नहीं थी। हमारे लोग वहां नहीं जा सकते थे और अब हमें वहां प्रवेश मिल रहा है। यही हम शुल्क के जरिये कर रहे हैं...।'' भारतीय दल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर पांचवें दौर की वार्ता के लिए वाशिंगटन में है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने ट्रंप के बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर भारत इस तरह के 'असंतुलित' समझौते को स्वीकार करता है, तो उसके घरेलू क्षेत्र, खासकर डेयरी और कृषि, शुल्क-मुक्त अमेरिकी वस्तुओं के संपर्क में आ सकते हैं, जबकि बदले में उसे बहुत कम लाभ होगा।

Suffering from hip or Knee pain?
Ask Dr. Santosh

ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी आपको सामान्य स्थिति में वापस ला सकती है, जब सटीकता के साथ की जाये -डॉ संतोष कुमार

प्रश्न: घुटने के लिगामेंट पुनर्निर्माण की आवश्यकता किसे है?
डॉ. कुमार: आम तौर पर घुटने के लिगामेंट पुनर्निर्माण जैसे कि एसीएल पुनर्निर्माण आर्थोस्कोपिक प्रक्रिया द्वारा किया जाता है जो युवा सक्रिय लोगों के लिए उपयोग किया जाता है। वृद्ध लोगों के लिए जिसे गठिया पहले से ही हो चुका होता है, तो उनके लिए आर्थोस्कोपिक प्रक्रिया की कोई भूमिका नहीं होती है।

प्रश्न: विस्कोसप्लिमेंटेशन कितना उपयोगी है?
डॉ. कुमार: विस्कोसप्लिमेंटेशन का अर्थ है अत्यधिक क्रॉस लिंक्ड उच्च आणविक भार हायलूरोनिक एसिड का इंजेक्शन जो घुटने का प्राकृतिक स्नेहक है। मेरी राय में, इसकी भूमिका बहुत अधिक नहीं है लेकिन निश्चित रूप से यह एवस्कुलर नेक्रोसिस आदि को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता किसे है?
डॉ. कुमार: जब कूल्हे या घुटने के प्रतिस्थापन गठिया अपने दर्द, प्रतिबंधित गतिविधियों, अस्थिरता या विकृति के माध्यम से दैनिक जीवन, सामाजिक गतिविधियों, पेशेवर या व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करना शुरू कर देता है, तो व्यक्ति को जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता होती है।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट की सही उम्र क्या है?
डॉ. कुमार: जब भी दैनिक जीवन की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न होती है, चाहे उम्र कुछ भी हो, तो जॉइंट रिप्लेसमेंट पर विचार करना चाहिए। जॉइंट रिप्लेसमेंट में देरी करने से सर्जरी अधिक मुश्किल हो जाती है और रिकवरी में देरी होती है, लेकिन इसे जरूरत से पहले भी नहीं किया जाना चाहिए।

Joint Replacement Surgeon Dr Santosh Kumar With world's latest Navigation System Orthopilot

प्रश्न: गठिया के प्रकार क्या हैं?
डॉ कुमार: अधिकांश गठिया उम्र से संबंधित होते हैं, घिसने के कारण होते हैं, लेकिन विभिन्न विशिष्ट गठिया पूर्ण घुटने को मोड़ने में अधिक समय लगता है, जो कम उम्र में प्रभावित कर सकते हैं जैसे किशोर गठिया, एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, युवा गठिया वाले लोग ज्यादातर हिप गठिया से पीड़ित होते हैं।

प्रश्न: प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण की उम्र क्या है?
डॉ. कुमार: बेशक, इसे फिर से किया जा सकता है। प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण ज्यादातर सीमेंटेड होते हैं और इनके औसतन 20 से 30 साल तक चलने की उम्मीद की जाती है।

प्रश्न: क्या जॉइंट प्रतिस्थापन सर्जरी दूसरी बार की जा सकती है?
डॉ. कुमार: बेशक हां, इसे फिर से किया जा सकता है और इसे रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट कहा जाता है जो पहले या प्राथमिक जॉइंट रिप्लेसमेंट जितना ही सफल होता है।

प्रश्न: सर्जरी के परिणाम को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक क्या है?
डॉ कुमार: सबसे महत्वपूर्ण सर्जिकल तकनीक, विशेषज्ञता सर्जन व टीम का अनुभव है।

प्रश्न: क्या घुटने के प्रतिस्थापन के बाद हम पालथी मार कर बैठ सकते हैं?
डॉ कुमार: हां, हमारे पास उच्च फ्लेक्सन घुटने के प्रत्यारोपण और बेहतर सर्जिकल तकनीक हैं जो व्यक्ति को बेड, सोफा आदि चीजों पर पालथी मार कर बैठने में सक्षम बनाती हैं लेकिन अगर सर्जरी से पहले घुटना काफी अकड़ा रहा होगा, तो घुटने के पूरे मोड़ को ठीक करने में अधिक समय लगेगा।

प्रश्न: घुटने के प्रतिस्थापन के बाद किन गतिविधियों को करने की अनुमति है?
डॉ कुमार: अधिकांश गतिविधियां जैसे अप्रतिबंधित पैदल चलना, सीढ़ियां चढ़ना, साइकिल चलाना, ड्राइविंग, तैराकी आदि की अनुमति होगी। वहीं रस्सी कूदना, स्कांटिंग जैसी उच्च प्रभाव वाली गतिविधियां प्रतिबंधित हैं।

प्रश्न: फ्रैक्चर नेक फीमर का उपचार क्या है?
डॉ. कुमार: फ्रैक्चर नेक फीमर दो प्रकार का होता है, इंट्राकैप्सुलर और एक्स्ट्रास्कैपुलर। इंट्राकैप्सुलर फ्रैक्चर एक आपात स्थिति है और इसे जल्द ही ठीक करने की जरूरत होती है लेकिन कई मामलों में जब उम्र अधिक हो या जब ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो, तो हमें जॉइंट को बदलने की जरूरत पड़ सकती है जो कि पूर्ण या आंशिक हो सकता है। एक्स्ट्रास्कैपुलर फ्रैक्चर को हमें कील या प्लेट से ठीक करने की जरूरत होती है।

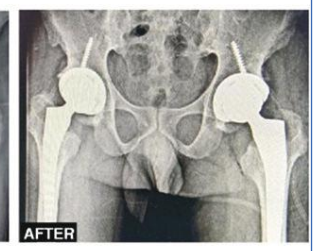

प्रश्न: हिप रिप्लेसमेंट के लिए सबसे अच्छा इम्प्लांट कौन सा है?
डॉ. कुमार: सबसे अच्छा इम्प्लांट नाम की कोई चीज नहीं होती है। परिणाम अच्छे होते हैं और सर्जिकल की सटीकता पर लॉन्जिविटी निर्भर करती है। बेहतर गतिशीलता और स्थिरता के लिए हमारे पास बड़े सिर वाले हिप इम्प्लांट हैं। हमारे पास हड्डी के विकास के लिए छिद्रयुक्त लेपित इम्प्लांट हैं जिन्हें अनसीमेंटेड फिक्सेशन के रूप में जाना जाता है। गतिविधियां मुख्य रूप से दो हैं।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट की सफलता दर क्या है
डॉ. कुमार: अच्छी तरह से जॉइंट रिप्लेसमेंट के बाद सर्जन और टीम के हाथों में निर्भर करती है जो इसे दैनिक रूप से करते हैं। चूंकि यह परिशुद्धता आधारित सर्जरी है, इसलिए अच्छी परिशुद्धता अच्छे परिणाम देती है।

Dr. Santosh Kumar Hip & Knee Foundation
Chamber : Plot No 332, Laketown, Block A, Kolkata-700 089
Belle Vue Clinic- Kolkata ● www.mykneemylife.org ● www.facebook.com / Dr.santoshkumar.orthousurgeon
● WhatsApp : 09831911584 ● Email : santdr@gmail.com
● FREE online Consultation Link : bit.ly/consultdrsantosh
Call for Appointment : 9831911584 / 9831266632 ● Experience of Treating 35000+Patients in 18+Years

संयमित न हुई अभिव्यक्ति तो अंकुश

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं।

वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सत्ताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल,आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है। कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति भावनात्मक दुर्बलताओं से मुक्त नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे शेयर की जा रही सामग्री की तार्किकता पर मंथन जरूर करना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया आज एक ऐसा अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके। निस्संदेह, संयमित, तार्किक व सतर्क प्रतिक्रिया से हम अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का आनन्द ले सकते हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 17 जुलाई, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, श्रावण कृष्णपक्ष सप्तमी, 19:07 तक, नक्षत्र : रेवती, 04:11 तक, योग : अतिगंदा, 09:25 तक, सूर्योदय: 5:01, सूर्यास्त: 18:24, चन्द्रोदय : 22:50, चन्द्रास्त: 10:57, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 13:21 से 15:01

राशिफल

मेष : आपके द्वादश भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। ऐसे में बिजनेस के मामले में शाम तक कोई खास डील आपको प्राप्त हो सकती है। इससे समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृष : आज के दिन व्यापार में आपका ज्यादा ध्यान नई योजनाएं बनाने में लग सकता है। किसी तीर्थ स्थल की यात्रा करने से आपके मन को सुकून प्राप्त होगा।

मिथुन : आपका दिन रचनात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी रचनात्मक और बड़े काम को पूरा करने में आपका ज्यादा समय बीत सकता है। व्यापार को लेकर आपके मन में नई योजनाएं आ सकती है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए काफी रचनात्मक रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में जो भी काम पूरी मेहनत से करेंगे उसका फल तुरंत प्राप्त होगा। साथी का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह : आप आज कामकाज में ज्यादा व्यस्त रहेंगे। लेकिन आपको धर्म से जुड़े कार्यों के लिए भी थोड़ा समय निकालना जरूरी होगा। ऐसा करने से मानसिक शांति मिलेगी।

कन्या : आपको अपने बातचीत करने के तरीके और व्यवहार पर आज ध्यान देना होगा। संयम और सावधानी बरतने से ही लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार के वाद-विवाद से दूर रहें।

तुला : आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। अगर कार्यक्षेत्र में कामकाज से जुड़े कोई विवाद चल रहे थे तो वे अब सुलझ सकते हैं। सोच-समझकर कोई भी फैसला लेना होगा।

वृश्चिक : आपका पूरा दिन आज शुभ रहने वाला है। आर्थिक मामले में भी समय बेहद मजबूत है और आपको दिनभर लाभ के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

धनु : आज आपको सावधान और सतर्क रहना होगा। अगर आप बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठा लेते हैं, तो इससे बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।

मकर : दिन सामान्य रहेगा और व्यापार के मामले में पार्टनरशिप में काम करने से लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यस्थल पर आपको काम पूरे करने के लिए नियमों और समय का ख्याल रखना होगा।

कुम्भ : आज के दिन व्यापार के मामले में आपका दिन सुखद व्यतीत होगा। लाभ कमाने के कई नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन आपको जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना होगा।

मीन : आपके लिए दिन लाभदायक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करने से सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं।

मुंबई में गैर-मराठी भाषी लोगों पर 'दादागिरी' करना गलत: रामदास आठवले

जयपुर : केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में गैर-मराठी भाषियों पर 'दादागिरी' करना गलत है और देवेंद्र फडणवीस सरकार ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगी। आठवले ने कहा, जो लोग इस तरह की दादागिरी करते हैं उन्हें सबक सिखाया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस मुद्दे पर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का रुख बालासाहेब ठाकरे के दृष्टिकोण के विपरीत है। महाराष्ट्र के नेता ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैंने

बोला कि यह गलत काम हो रहा है। मराठी आना चाहिए यहां तक ठीक है। मराठी सीखो यह उनका बताना ठीक है। लेकिन दादागिरी करना, उनको थप्पड़ लगाना ये ठीक नहीं है। मुंबई में रहने वाले लोगों के साथ दादागिरी करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, जिन्होंने दादागिरी की है उनके खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है और ये दादागिरी हमारी सरकार नहीं चलने देगी। आठवले ने कहा कि मराठी के नाम पर गलत राजनीति की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी है और राजस्थान, गुजरात और कई दक्षिण भारतीय राज्यों के लोग वहां रहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हिंदी का विरोध नहीं है। ये भावना थी कि पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाना ठीक नहीं है। पांच-छह साल के बच्चे के लिए अनिवार्य करना ठीक नहीं है। आठवले ने कहा, बालासाहेब ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना इसलिए की थी ताकि मराठी लोगों को न्याय मिले। बाद में, उद्धव और राज ठाकरे जो काम कर रहे हैं, वह बालासाहेब ठाकरे जी की भूमिका के खिलाफ है।'' उन्होंने कहा, हमें भी मराठी से प्रेम है। दादागिरी का जवाब दादागिरी से दिया जा सकता है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की सरकार है और दादागिरी करने वालों को सबक सिखाया जाएगा।

शुभांशु के पृथ्वी पर लौटने पर उनकी पत्नी उनके साथ समय बिताने के लिए उत्साहित

लखनऊ : इतिहास रचकर धरती पर लौटे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की पत्नी कामना अपने पति के साथ समय बिताने के लिए उत्साहित हैं और उनके साथ घर के बने खाने का लुत्फ उठाने एवं उनसे इस दुनिया से परे के जगत की कहानियां सुनने को आतुर हैं। मित्रों और सहकर्मियों के बीच 'शुक्स' के नाम से जाने जाने वाले शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन बिताने के बाद मंगलवार को धरती पर लौटे। वह आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं। शुभांशु इस वक्त ह्यूस्टन में पृथकवास में हैं। उनकी पत्नी कामना अपने छह साल के बेटे कियाश के साथ पहले से ही ह्यूस्टन में मौजूद हैं। कामना ने ह्यूस्टन से 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''जैसा कि शुभांशु सुरक्षित लौट आये हैं, हमारा पूरा ध्यान उनके पुनर्वास और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं कि वह धरती के माहौल में फिर से आसानी से ढल सकें। हमारे लिए शुभांशु की अविश्वसनीय अंतरिक्ष यात्रा के बाद उनसे फिर से मिलना अपने आप में एक उत्सव की तरह है।'' गत 25 जून को फ्लोरिडा से स्पेसएक्स के लिए शुभांशु की रवानगी की तैयारी के बाद से कामना अमेरिका में हैं और वह इसकी भरसक कोशिश कर रही हैं कि उनके पति को घर का बना खाना जरूर मिले। कामना ने कहा, ''मैं पहले से ही उनके कुछ पसंदीदा व्यंजन बना रही हूं। मुझे पता है कि अंतरिक्ष में अपने प्रवास के दौरान शुभांशु को घर पर बने खाने की कमी कितनी खली होगी।'' शुभांशु और कामना की शादी साल 2009 में हुई थी। वे एक-दूसरे को कक्षा तीन से जानते हैं।

उत्तर प्रदेश: कांवड़ मार्ग पर हुड़दंग मचाने वाला व्यक्ति गिरफ्तार, मोटरसाइकिल जब्त

मेरठ : उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में कांवड़ मार्ग पर हुड़दंग मचाने क आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मियों की एक टीम मंगलवार को ब्रह्मपुरी इलाके में कांवड़ मार्ग पर तैनात थी कि तभी सोनू मईनुद्दीन (31) नाम का व्यक्ति मोटरसाइकिल से आया और कथित तौर पर 'जय भोले' के नारे लगाते हुए शांति भंग करने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति को शांत रहने को कहा गया, जिसके बाद उसने चिल्लाना शुरू कर दिया और मौके पर हंगामा करने लगा। पुलिस ने बताया कि इसके बाद आरोपी को रात लगभग पौने 12 बजे हिरासत में ले लिया गया।

हरदोई में बच्चों के अस्पताल में लगी आग : कोई हताहत नहीं

हरदोई (उप्र) : हरदोई जिले के नघेटा मार्ग स्थित तीन मंजिला एक अस्पताल में संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गयी। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) अंकित मिश्रा ने बताया कि नघेटा मार्ग स्थित कीर्ति कृष्णा अस्पताल में संभवत: शार्ट सर्किट से आग लग गयी जिससे अस्पताल में धुंआ भर गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय अस्पताल में लगभग 18 से 20 बच्चे और उनके परिजन थे। उन्होंने बताया कि ऊपरी मंजिल पर भर्ती कुछ शिशुओं को कपड़ों की गठरियों में बांधकर रस्सी की मदद से नीचे लाया गया। मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंचे और उन्होंने आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

नीतीश कुमार ने शिक्षक भर्ती परीक्षा के चौथे चरण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों की पहचान करने और शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-4 के आयोजन की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिया है। टीआरई-1 और टीआरई-2 में 1.70 लाख तथा 70,000 शिक्षकों की नियुक्ति की गई, जबकि टीआरई-3 में 87,774 रिक्तियों के सापेक्ष 66,603 पद भरे जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी 18 जुलाई को बिहार का दौरा सात हजार करोड़ परियोजनाओं की करेंगे शुरुआत

पटना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को बिहार दौरे के दौरान 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के अनुसार, मोदी पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के गांधी मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री के एजेंडे में बिहार शीर्ष पर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सत्ता संभालने के बाद से वह 53वीं बार राज्य का दौरा करेंगे। राज्य में 7,196 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।'' जायसवाल ने कहा कि ये परियोजनाएं रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और सड़क, ग्रामीण विकास, पशुपालन और डेरी तथा सूचना प्रौद्योगिकी सहित विविध क्षेत्रों से संबंधित हैं। उन्होंने कहा, ''रेलवे से संबंधित परियोजनाओं की लागत 5,398 करोड़ रुपये है, जबकि राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़कों पर 1,173 करोड़ रुपये खर्च होंगे। डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से आईटी परियोजनाओं पर 63 करोड़ रुपये की लागत आएगी।'' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान मोदी 'प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना' के 40,000 लाभार्थियों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के माध्यम से 162 करोड़ रुपये की राशि वितरित करेंगे, जबकि अन्य 12,000 लोगों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपी जाएंगी।

झारखंड: मुठभेड़ में इनामी नक्सली मारा गया, सीआरपीएफ के जवान की भी मौत

बोकारो/रांची : झारखंड के बोकारो जिले में बुधवार सुबह हुई मुठभेड़ में पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली मारा गया और इस दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की भी जान चली गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुठभेड़ के दौरान एक आम नागरिक की भी मौत हो गई। पुलिस ने पहले उसकी पहचान एक अन्य नक्सली के रूप में की थी। पुलिस ने बताया कि गोमिया थाना क्षेत्र के बिरहोर डेरा जंगल में सुबह करीब साढ़े पांच बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने बताया कि गोपनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीआरपीएफ और

जिला पुलिस ने जंगल में छापेमारी की। उन्होंने कहा, ''नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली कुंवर मांझी मारा गया। उसके सिर पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था।'' गुप्ता ने बताया कि मुठभेड़ में जान गंवाने वाले सीआरपीएफ के जवान की पहचान असम के कोकराझार निवासी प्रानेश्वर कोच के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक एके-47 राइफल बरामद की गई है और तलाश अभियान अब भी जारी है।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण भाजपा की 'साजिश' : प्रशांत किशोर

किशनगंज : जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को बुधवार को सत्तारूढ़ ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश'' करार दिया। किशोर ने यह टिप्पणी राज्य के एकमात्र मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज में की। जन सुराज नेता ने वादा किया कि उनकी पार्टी उन लोगों की मदद करेगी, जिनके नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भाजपा की साजिश है। उच्चतम न्यायालय ने

स्पष्ट कर दिया है कि निर्वाचन आयोग लोगों की नागरिकता निर्धारित नहीं कर सकता। क्या निर्वाचन आयोग अब इस तरह की कवायद करके यह कहना चाहता है कि 2014 की मतदाता सूची, जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे, फर्जी थी?'' किशोर ने कहा, ''पिछले साल के लोकसभा चुनावों तक यही मतदाता सूची ठीक थी। हमें आगामी विधानसभा चुनाव इसी मतदाता सूची के आधार पर कराने में कोई समस्या नहीं नजर आती।'' पूर्व चुनावी रणनीतिकार ने कहा, ''जाहिर है कि बिहार में भाजपा घबराई हुई है क्योंकि उसे एहसास है कि यहां के लोगों के पास अब जन सुराज पार्टी के रूप में एक नया विकल्प है। इसलिए वे गलत तरीके से मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश: विलय के बाद खाली होने वाले स्कूल भवनों में बनेंगी बाल वाटिकाएं

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार की विद्यालयों के विलय की पहल को लेकर जारी बहस के बीच राज्य के बेसिक शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए विलय के बाद खाली होने वाले स्कूल भवनों को 'बाल वाटिका' के रूप में इस्तेमाल करने की योजना की घोषणा की। राज्य सरकार ने 50 से कम विद्यार्थियों वाले प्राथमिक विद्यालयों को निकट के दूसरे स्कूल में विलय करने का फैसला किया है। विपक्षी दल इस मामले को लेकर सरकार की आलोचना कर रहे हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार के इस कदम से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। राज्य सरकार विरोध के बावजूद विलय के बाद खाली होने वाले स्कूल भवनों को 'बाल वाटिका' के रूप में इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। सरकार की दलील है कि यह फैसला संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने और तीन से छह साल के बच्चों के लिए पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने के लिये लिया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बेसिक शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा के माध्यम से तीन से छह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए योजनाबद्ध तरीके से संसाधन सृजन और वातावरण निर्माण पर काम कर रहा है और उन्हें बुनियादी ढांचे और शैक्षिक सामग्री से लैस किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश: नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत 50 नदियों का हुआ पुनरुद्धार

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में नमामि गंगे कार्यक्रम और मनरेगा के तहत किए जा रहे प्रयासों से कुल 50 नदियों का पुनरुद्धार किया जा चुका है। एक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में बताया गया कि अब तक 3363 किलोमीटर लंबाई वाली 50 नदियों का पुनरुद्धार किया गया है। बयान के मुताबिक, प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण को लेकर विशेष पहल करते हुए 1011 गंगा ग्राम पंचायतों में छोटी नदियों और जल धाराओं का पुनरुद्धार कराया है। बयान में बताया गया कि मनरेगा के तहत 86 अन्य कार्यों को चिह्नित कर नदियों की साफ-सफाई, गहरीकरण, तटबंध निर्माण, पौधरोपण, जलधारा पुनर्स्थापन और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसे कार्य किए गए। जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण को संतुलित करने के लिए 894 स्थलों पर सघन पौधरोपण किया गया। बयान के मुताबिक, इन पौधों को नदियों के किनारों पर लगाया गया ताकि तटबंध मजबूत हों और मिट्टी का कटाव ना हो। बयान में बताया गया कि आने वाले वर्षों में इस पहल से हरियाली बढ़ने के साथ-साथ जैव विविधता को भी प्रोत्साहन मिलेगा। बयान के मुताबिक, प्रदेश में 3388 तालाबों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण कर ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण की क्षमता को बढ़ाया गया है। बयान में बताया गया कि ये तालाब खेती, पशुपालन और पेयजल के स्रोत बनकर गांवों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

मैराथन धावक फौजा सिंह को टक्कर मारने वाले वाहन का चालक गिरफ्तार

चंडीगढ़ : दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक 114 वर्षीय फौजा सिंह को वाहन से टक्कर मारने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जो तीन हफ्ते पहले ही कनाडा से पंजाब में अपने पैतृक गांव लौटा था। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जालंधर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरविंदर सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अमृतपाल सिंह ढिल्लों (26) को मंगलवार रात गिरफ्तार किया गया और उसकी गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले को एक चुनौती के रूप में लिया और 30 घंटे के भीतर इसे सुलझा लिया। अधिकारी ने बताया कि करतारपुर

निवासी ढिल्लों पर्यटक वीजा पर कनाडा गया था लेकिन वहां उसे वर्क परमिट मिल गया था जो 2027 तक वैध है। उन्होंने बताया कि आरोपी पिछले महीने के अंत में भारत लौटा था। ढिल्लों को करतारपुर स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। एक सवाल के जवाब में एसएसपी ने संवाददाताओं को बताया कि ढिल्लों को कोई काम था और इसीलिए वह जल्दबाजी में कार चला रहा था और कार ने फौजा सिंह को टक्कर मार दी सिंह ने कहा, '' उस समय उन्हें कार से टकराए व्यक्ति की पहचान के बारे में पता नहीं था। टक्कर मारने के बाद वह घबरा गया था और इसीलिए उसने अपनी कार नहीं रोकी।'' पुलिस अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि ढिल्लों जालंधर जा रहा था, लेकिन दुर्घटना के बाद वह गांवों के रास्ते घर लौट आया। आरोपी ने पुलिस को यह भी बताया कि घटना वाले दिन उसने कार का एक टायर बदलवाया था।

वर्ग पहेली नं. 3155

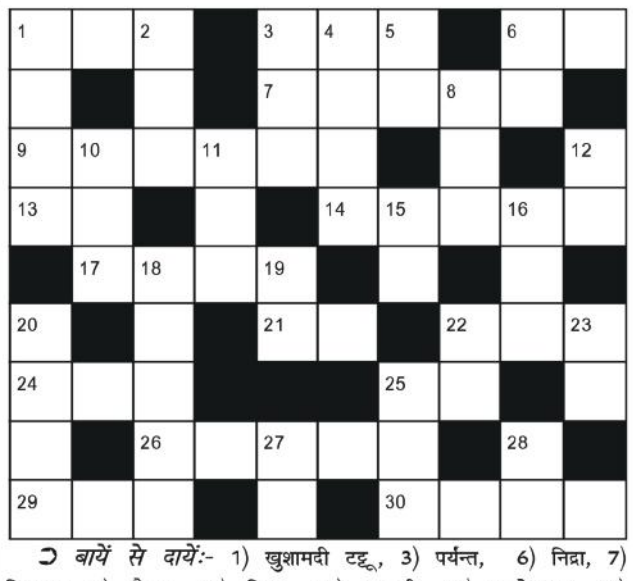

बायें से दायें:- 1) खुशामदी टट्टू, 3) पर्यन्त, 6) निद्रा, 7) हिफ़ाज़त, 9) रौनक, 13) विष्ठा, 14) तसल्ली, 17) डरपोकपन, 21) हाथी का मल, 22) आडंबररहित; सादापन, 24) ख़ीचतान; द्वेष की स्थिति, 25) दुःख, पीड़ा का सूचक उद्‌गार, 26) कार्यक्षम होने की अवस्था, 29) खोज, 30) परंपराओं का बिना तर्क के पालन करनेवाला.

ऊपर से नीचे:- 1) एक बंगाली मिठाई, 2) धान के बीजों के दाने, 3) भाँति, 4) कस्तूरी का एक सुगंधित द्रव्य, 5) किरण, 6) दीवार का आधारहिस्सा, 8) तराई, 10) कम भारवाला, 11) वेतन, 12) तंबू, 15) एक तिलहन, 16) वधिक, 18) छुट्टी के मुताबिक, 19) करतलध्वनी, 20) सम्मिलित, 22) बेदाग़; स्वच्छ, 23) एक धर्मग्रंथ, 25) आमादा, 27) माफ़ी, 28) अलावा. *(उत्तरः अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

म	■	त्त	ज	र	बा	■	प	क	ना
श	ह	र	■	स	र	फ़	रो	श	■
वि	वा	ह	■	■	ह	■	स	म	क्ष
रा	■	दा	वा	■	मा	■	ना	क	■
■	बे	र	■	ह	सी	न	■	श्व	ती
चे	ला	■	जा	म	■	व	ह	■	मा
ता	■	बे	ड़ा	■	बे	रो	ज़	गा	र
व	की	ल	■	म	ह	ज़	■	ड़	■
नी	र	■	आ	ज़ा	द	■	ब	ना	ना

सुडोकू-पहेली-3112

	6			8			3	
3			5					
	8	7		6	9			
2		3			7			9
9				2	5			6
	5						7	
		6	8		1		5	
				7		1		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3111 का उत्तर

5	3	2	1	7	6	9	8	4
4	1	6	5	8	9	3	2	7
8	7	9	4	2	3	6	1	5
1	6	4	3	5	8	2	7	9
9	8	5	2	4	7	1	6	3
3	2	7	9	6	1	4	5	8
6	9	3	7	1	5	8	4	2
7	4	8	6	9	2	5	3	1
2	5	1	8	3	4	7	9	6

चुनाव आयोग से शुभेंदु अधिकारी ने कहा

'मतदाता सूची से रोहिंग्या घुसपैठियों को हटाएं'

❑ भाजपा ने घर-घर सर्वे कराने की मांग की

❑ भाजपा विधायकों ने विधानसभा से सीईओ कार्यालय तक निकाला मार्च

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने चरम पर है। इसी बीच, भाजपा नेता व नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को चुनाव आयोग से राज्य की मतदाता सूची को रोहिंग्या घुसपैठियों से मुक्त करने की मांग की। उन्होंने अन्य भाजपा विधायकों के साथ विधानसभा से लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय तक मार्च निकाला और सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य के लगभग सभी हिस्सों में रोहिंग्या मुसलमानों की मौजूदगी है। उन्होंने मांग की कि बिहार की तरह बंगाल में भी रोहिंग्या को वोटर लिस्ट से हटाया जाए और इसके लिए तत्काल घर-घर जाकर सर्वे कराया जाए। शुभेंदु अधिकारी ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की बात कही। साथ ही, कहा कि सीईओ को राज्य और केंद्र सरकार के कम से कम 50% कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात करने चाहिए।

❑ सीमा सुरक्षा बल को जमीन क्यों नहीं?

शुभेंदु अधिकारी ने सवाल उठाया कि जब बांग्लादेश के साथ 540 किलोमीटर लंबी सीमा से रोहिंग्या घुसपैठ करते हैं, तो राज्य सरकार बीएसएफ को जमीन क्यों नहीं देती? इससे सीमा की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। अधिकारी ने आरोप लगाया कि बंगाल में फर्जी आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र और वोटर आईडी (ईपीआईसी) कार्ड बनाने का गढ़ बन गया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को जनसंख्या संतुलन की चिंता नहीं, उन्हें सिर्फ वोटर लिस्ट की चिंता है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार रोहिंग्या की पहचान के चल रहे काम में बाधा डाल रही है, ताकि अपने वोट बैंक को सुरक्षित रख सके।

❑ ममता बनर्जी के विरोध मार्च पर निशाना

इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषियों पर अत्याचार के खिलाफ निकाले गए विरोध मार्च पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि यह रैली रोहिंग्या को बचाने के लिए निकाली गई थी, इसमें आम लोगों की कोई भागीदारी नहीं थी।

दुर्गापूजा को लेकर फैलाई जा रही है फर्जी खबर, सतर्क रहें : कोलकाता पुलिस की चेतावनी

कोलकाता : दुर्गापूजा के आने में अब ज़्यादा समय नहीं बचा है, ऐसे में सोशल मीडिया पर फैल रहे फर्जी और भ्रामक खबरों को लेकर कोलकाता पुलिस ने एक आधिकारिक बयान जारी किया है।

बुधवार को कोलकाता पुलिस ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर आम जनता के लिए एक बयान जारी कर बताया कि दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण और निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने के लिए कोलकाता पुलिस पूरी तरह तत्पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूजा को लेकर कोई भी प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

हालांकि, पुलिस ने यह भी बताया कि भारी भीड़ को नियंत्रित करने और सड़कों को सुचारु रूप से चालू रखने के लिए कुछ आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

कोलकाता पुलिस ने अपने बयान में कहा, हम नागरिकों से अनुरोध करते हैं कि केवल आधिकारिक सूत्रों पर भरोसा करें। किसी भी फर्जी और निराधार खबर को साझा न करें। आपकी सतर्कता और सहयोग ही इस उत्सव को सुरक्षित और आनंददायक बना सकता है।

इस संदेश के माध्यम से कोलकाता पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अफवाहों से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचें।

NAME CHANGE

I, Kuljit Singh, son of Bablu Singh, residing at 4/3/H/11, Bhukailash Road, Khiddirpore, Ekbalpore, Kol-23, spelling of my mother's name has wrongly recorded in my passport as Pushpa Singh, instead of her actual name Puspa Singh. Puspa Singh shall henceforth be known as Puspa Singh as declared before the Notary Public, at Alipore, Kolkata-27, vide affidavit no. 123 dated 14.07.2025. Puspa Singh and Pushpa Singh, both are same and one identical person.

NAME AND D.O.B CHANGE

I, Chandaka Somulamma Mother of Army No.14665874P, Rank-Hav, Name- Chandaka Murali of 21 NSR C/O 99 APO, Kolkata & residing at Vill.- Thummada Palem, P.O- Kancharapalem, Dist.- Viskhapatnam, State- A.P, Pin- 530008. Do hereby declare that I have Changed my name from Somulamma to Chandaka Somulamma and my D.O.B from 01.07.1953 to 02.04.1960 in my son's service documents Vide affidavit Before The Notary Govt of W.B, Biplab Sardar at Kolkata dated 14.07.2025

NAME AND D.O.B CHANGE

I, Chandaka Appala Naidu Father of Army No. 14665874P, Rank- Hav, Name- Chandaka Murali of 21 NSR C/O 99 APO, Kolkata & residing at Vill- Thummada Palem, P.O- Kancharapalem, Dist.- Viskhapatnam, State- A.P, Pin- 530008, do Hereby Declare that I have Changed my name from Appala Naidu to Chandaka Appala Naidu and my D.O.B from 01.07.1943 to 06.12.1952 in my son's Service documents Vide affidavit Before the Notary Govt of W.B, Biplab Sardar at Kolkata dated 14.07.2025

अलीपुरद्वार मंडल में मानसून और ठंड के मौसम पर निगरानी

ई-निविदा सूचना संख्या: 60/W-2/APDJ, दिनांक: 11-07-2025; निम्नवर्णित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है। **निविदा संख्या: 26-AP-I-2025; कार्य का नाम**: एडीईएन/न्यू कोचबिहार/। के अधिकार क्षेत्र में 24 माह की अवधि हेतु मानसून एवं ठंड के मौसम पर निगरानी। **निविदा मूल्य** : ₹1,15,43,730.90/- ; **अग्रिम राशि**: ₹2,07,700/-; निविदा के **बंद** करने की तिथि और समय **04-08-2025** को **15:00** बजे और **खोलने** की **15:30** बजे। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होगी।

डीआरएम (डब्ल्यू), अलीपुरद्वार जंक्शन

पूर्वोत्तर सीमा रेल

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आईआईएम कोलकाता के निदेशक पद का कार्यभार संभालेंगे लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय

कोलकाता, समाज्ञा : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) कोलकाता का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में शुमार आईआईएम कोलकाता के निदेशक पद पर उनकी नियुक्ति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुमोदन प्रदान किया है, जो संस्थान की विजिटर भी हैं। प्रो. राय कार्यवाहक निदेशक सायबल चट्टोपाध्याय का स्थान लेंगे, जो जनवरी 2024 से यह जिम्मेदारी निभा रहे थे। शिक्षा मंत्रालय की ओर से 11 जुलाई को इस नियुक्ति की औपचारिक जानकारी आईआईएम कोलकाता के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण जी कुलकर्णी को दी गई।

प्रो. राय एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् हैं, जिन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय को एनएएसी से ए++ ग्रेड प्राप्त हुआ और यूजीसी की श्रेणी-1 की मान्यता मिली। साथ ही, लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्नातक और परास्नातक दोनों स्तरों पर लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बना। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय में प्रोफेसर रहे प्रो. राय को 25 वर्षों का शिक्षण और शोध अनुभव है। दिसंबर 2019 में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति पद का कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय (आगरा), ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय का कुलपति के रूप में अतिरिक्त प्रभार भी सफलतापूर्वक निभाया। वर्तमान में वे एनसीईआरटी की जनरल काउंसिल (2024-2027), यूजीसी नामांकित सदस्य, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (उत्तर क्षेत्र) (2025-2028) और जम्मू विश्वविद्यालय की यूनिवर्सिटी काउंसिल (2024-2027) में चांसलर के नामित सदस्य के रूप में कार्य कर रहे हैं। प्रो. राय की यह नियुक्ति न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय बल्कि समूचे प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

अभी नहीं देनी होगी हाजिरी: अभिजीत सरकार हत्याकांड में तृणमूल विधायक और दो पार्षदों को राहत

कोलकाता : बेलघरिया के भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार की हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस को कलकत्ता हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। इस बहुचर्चित चुनावोत्तर हिंसा केस में नाम आने के बाद तृणमूल विधायक परेश पाल, कोलकाता नगर निगम के मेयर परिषद सदस्य स्वप्न समाद्दर और 30 नंबर वार्ड की पार्षद पापिया घोष ने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की एकल पीठ ने सुनवाई करते हुए निर्देश दिया कि 1 अगस्त 2025 तक तीनों को निचली अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने की आवश्यकता नहीं है।

सीबीआई द्वारा दाखिल अतिरिक्त चार्जशीट में तृणमूल के विधायक, दो पार्षदों सहित कुल 18 लोगों को आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी का दावा है कि उनके पास नए सबूत और गवाह हैं, जिनके आधार पर यह चार्जशीट दाखिल की गई है।

हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इस पूरे मामले को एक राजनीतिक साजिश बताया है। वहीं, आरोपित नेताओं के वकीलों ने दलील दी कि उन्होंने जांच में सहयोग किया है, फिर भी उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है। उनका कहना है कि राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से यह मामला चलाया जा रहा है।

सीबीआई ने इन नेताओं को 18 जुलाई तक एजेंसी के समक्ष पेश होने का नोटिस भेजा था। अब हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद उन्हें अस्थायी राहत मिल गई है।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: बीएमएफ-03-30-फैब्रिकेशन-600, दिनांक: 14.07.2025, उप सीएमई/बीएमएफ/बीजीबी, बोगी मैन्यूफैक्चरिंग फैक्टरी, पूर्व रेलवे, 88/1, अधर दास रोड, बजबज, कोलकाता-700137 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं. **बीएमएफ-03-30-फैब्रिकेशन-600** के प्रतिपक्ष खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैन्यूअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं ऐसा कोई मैन्यूअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम**: बोगी मैन्यूफैक्चरिंग फैक्टरी, पूर्व रेलवे, बजबज में आउटसोर्सिंग के माध्यम से एलएचबी बोगी फ्रेमों का फैब्रिकेशन। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट प्रणाली। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 1,23,82,962/- **बयाना राशि:** रु. 2,11,900/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 6 माह। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 12.07.2025 को 14.49 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 14.07.2025, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 28.07.2025 को 15.00 बजे। विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में उपलब्ध है। MISC-132/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/(सामान्य)/पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, पूर्व रेलवे, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नवर्णित कार्यों के सिलसिले में निम्नलिखित ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1175-2024-25-आर, कार्य का विवरण**: सब-स्टेशन स्थानांतरण के लिए सामान्य विद्युत कार्य-''स्विचगियर और सब-स्टेशन बिल्डिंग की आयु अधिक होने के कारण मौजूदा सियालदह यार्ड (पावर हाउस) सब-स्टेशन के स्थानांतरण के लिए विद्युत कार्य।'' **निविदा मूल्य**: रु.6,30,84,546.82, **बयाना राशि**: रु. 4,65,400/-, **निविदा कागजात का मूल्य**: रु.0.00, **समापन अवधि**: 15 माह। **निविदा प्रकाशन की तिथि**: 12.07.2025, **निविदा बंद होने की तिथि और समय**: दिनांक 04.08.2025 को 14.00 बजे। **निविदा बोली के खुलने की तिथि और समय**: दिनांक 04.08.2025 को 14.00 बजे के बाद। **निविदा बोली के प्रारंभ होने की तिथि**: दिनांक 21.07.2025, निविदा सूचना एवं समय-समय पर जारी संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। SDAH-124/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हाई कोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठियों की राष्ट्रीय पहचान प्रक्रिया पर केंद्र से मांगा जवाब

❑ भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न पर कोर्ट ने व्यक्त की चिंता

कोलकाता, समाज्ञा

कलकत्ता हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने बुधवार को केंद्र सरकार से स्पष्ट करने को कहा है कि आखिर देशभर में एक साथ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान की प्रक्रिया क्यों शुरू की गई और इसके लिए जून का महीना ही क्यों चुना गया? न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति ऋतब्रत कुमार मित्रा की खंडपीठ ने केंद्र सरकार से यह भी पूछा कि क्या इस प्रक्रिया के तहत बंगालियों को निशाना बनाया जा रहा है? अदालत ने यह टिप्पणी दो समान याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करते हुए की। इन याचिकाओं में दावा किया गया है कि पश्चिम बंगाल से बाहर अन्य राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के नाम पर बांग्ला भाषी लोगों को मनमाने तरीके से टारगेट किया जा रहा है। इनमें से एक याचिका दिल्ली में हुए कथित उत्पीड़न से जुड़ी है, जबकि दूसरी याचिका ओडिशा से संबंधित है। इन मामलों में केंद्र की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल धीरज त्रिवेदी ने अदालत को बताया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उन लोगों की जांच शुरू की गई है, जिनकी गतिविधियां या आवाजाही संदिग्ध पाई गई हैं। उन्होंने बांग्ला भाषियों को टार्गेट किए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कुल 125 लोगों को पहचान सत्यापन के लिए हिरासत में लिया गया था, जिनमें से 5 लोगों ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक स्वीकार किया और उन्हें वापस भेज दिया गया। बाकी सभी को रिहा कर दिया गया। एक अन्य मामले में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अशोक कुमार चक्रवर्ती ने यह सवाल उठाया कि क्या कलकत्ता हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर सकता है, क्योंकि याचिकाकर्ता ने पहले यही मामला दिल्ली हाई कोर्ट में दायर किया था। उन्होंने कहा कि एक ही मामला दो अलग-अलग हाई कोर्ट में दायर कर अदालत को गुमराह करने की कोशिश की गई है। खंडपीठ ने इस पर नाराजगी जताते हुए केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह इस पूरी प्रक्रिया पर विस्तृत हलफनामा 28 जुलाई तक दाखिल करे। मामले की अगली सुनवाई चार अगस्त को होगी।

निक्को पार्क में युवक की मौत का रहस्य, राइड टूटने की आशंका, पुलिस की जांच जारी

कोलकाता, समाज्ञा : निक्को पार्क में बुधवार को एक युवक की रहस्यमयी मौत ने सनसनी मचा दी है। घटना के बाद पुलिस ने युवक के दोस्तों से मामले की जांच के लिए पूछताछ शुरू कर दी है। विधाननगर दक्षिण थाने की पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि राइड टूटने से युवक पानी में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हुई, जबकि निक्को पार्क प्रशासन का कहना है कि राइड टूटने की कोई घटना नहीं हुई और युवक नहाने के दौरान अचानक बीमार हो गया और उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान राहुल दास के रूप में हुई है, जो पहले उल्टाडांगा के मुरारीपुकुर इलाके में रहते थे और वर्तमान में बागुइआटी में निवासरत थे। बुधवार को राहुल अपने छह दोस्तों के साथ निक्को पार्क आए थे और वाटर पार्क के नायाग्रा फॉल्स के नीचे स्नान कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, पार्क कर्मचारियों ने देखा कि दोस्तों ने राहुल को पानी से बाहर निकाला और तुरंत उसकी प्राथमिक चिकित्सा की गई। परंतु उसकी हालत बिगड़ने पर उसे साल्टलेक के एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही विधाननगर दक्षिण थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस हादसे के कारण निक्को पार्क में मौजूद अन्य पर्यटकों में भय का माहौल बन गया है, जिस कारण फिलहाल वाटर पार्क को बंद कर दिया गया है। यह घटना उस पुरानी दुर्घटना की याद दिलाती है जब 2012 में निक्को पार्क के एक राइड टूटने से कम से कम 15 लोग घायल हुए थे। उस समय भी पार्क के रखरखाव पर सवाल उठे थे, और अब इस नए हादसे ने एक बार फिर निक्को पार्क प्रशासन की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

राज्य सरकार ने डीवीसी को जल छोड़ने की मात्रा कम करने को लेकर फिर पत्र भेजा

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य सरकार ने डीवीसी को पानी छोड़ने की मात्रा कम करने को लेकर एक बार फिर पत्र भेजा है। इस बार यह पत्र राज्य के सिंचाई विभाग की ओर से

बुधवार शाम भेजा गया है, जिसमें आगामी बाढ़ की संभावित भयावहता को लेकर आगाह किया गया है। पिछले कुछ दिनों में हुई भारी बारिश के कारण राज्य के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है, जिसके मद्देनजर राज्य सरकार ने डीवीसी से जल प्रवाह कम करने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही डिविसी की कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जता चुकी हैं। पत्र में बताया गया है कि नदीयों, खासकर रुपनारायण नदी का जलस्तर खतरे की सीमा से ऊपर बह रहा है। चक्रवात के उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर हटने और झारखंड में वर्षा कम होने के कारण इस समय डीवीसी से जल छोड़ने की मात्रा को नियंत्रित करने की जरूरत है। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो राज्य के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो सकती है। राज्य सरकार ने इस खतरे को ध्यान में रखते हुए डीवीसी को समय रहते उचित कदम उठाने की सख्त अपील की है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-11-25, दिनांक 11.07.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-11-25 के प्रतिपक्ष ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं इसका स्थान** : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में आइसोलेटर और ड्रॉप जंपर के लिए जंपर का प्रतिस्थापन। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** रु. 3,00,78,131.50, **बयाना राशि/प्रतिभूति राशि जमा की जाएगी:** रु. 3,00,400/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य। **कार्य की समापन अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 12 माह। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 11.07.2025 को 16.23 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 22.07.2025, **निविदा की अंतिम तिथि और समय**: दिनांक 05.08.2025 को 15.00 बजे। **निविदा का खोला जाना**: निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। HWH-195/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएलएस/एचडब्ल्यूएच/10/538/ईएमयू/आरटी-2 (खुली निविदा) एकल पैकेट प्रणाली के सेवा अनुबंध में ई-निविदा प्रणाली हेतु, दिनांक: 14.07.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (ईएमयू), पूर्व रेलवे, हावड़ा, पहली मंजिल, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के तहत निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम**: 02 वर्ष (730 दिन) के लिए जनशक्ति के आधार पर तारकेश्वर ईएमयू स्टैबलिंग यार्ड में ईएमयू रेक की सफाई। **निविदा मूल्य**: रु.31,04,614.81, **बयाना राशि (ईएमडी)**: रु.62,100/-, **निविदा कागजात का मूल्य**: रु.0.00, **समापन अवधि**: 730 दिन। **अंतिम तिथि**: दिनांक 04.08.2025 को 12.00 बजे। **बोली प्रणाली**: एकल पैकेट। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। HWH-196/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी तरफ से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/एम/को-ऑर्डिनेशन, मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** ईस्ट-वेस्ट मेट्रो रेलवे, कोलकाता के सेंट्रल पार्क डिपो में हैलोजन आधारित प्रकाश व्यवस्था को एलईडी प्रकाश व्यवस्था में परिवर्तित करना; **विज्ञापित मूल्य:** ₹ 1,48,80,337.92; **बंद होने की तिथि और समय:** 31.07.2025 को 15:00 बजे (भारतीय मानक समय); **नोटिस बोर्ड का पता:** प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर का कार्यालय, मेट्रो रेलवे, 33/1, जे. एल. नेहरू रोड, कोलकाता-700071; **वेबसाइट का विवरण: https://www.ireps.gov.in**

निविदा संख्या: पीएस_एम_जीएल_एलईडीसीओएनवी_2025-26

हमें अनुसरण करें: /metrorailwaykol /metorailkolkata

कोलकाता में दो करोड़ रुपये की कोकीन के साथ एक महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

एनसीबी ने अभियान चलाकर दोनों आरोपियों को दबोचा

कोलकाता, समाज्ञा

केन्या से कोलकाता में दो करोड़ रुपये की कोकीन की तस्करी के आरोप में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। केंद्रीय एजेंसी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने दोनों को गिरफ्तार किया है। जांचकर्ता दो और की तलाश कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि गिरफ्तार लोगों के नाम अनिर्बान मल्लिक और जोयिता साहा हैं। जांचकर्ताओं ने छापेमारी में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अंतरराष्ट्रीय कोकीन तस्कर गिरोह पार्सल के जरिए केन्या से कोलकाता कोकीन लाया था। मध्य कोलकाता स्थित विदेशी डाकघर में चार पार्सल पहुंचे। वे संदिग्ध लगे और इसकी सूचना एनसीबी को दी गई। बाहर से उनकी जांच करने के बाद एनसीबी को एहसास हुआ कि अंदर ड्रग है। पार्सल खोलने के बाद देखा गया कि कोकीन की तस्करी की गई है। चार पार्सल में चार पते थे। उस जानकारी के आधार पर, एनसीबी ने चार लोगों की तलाश की। उस जानकारी के आधार पर, एनसीबी ने अनिर्बान और जोइता को गिरफ्तार किया। पता चला है कि पार्सल में लगभग ढाई किलो विदेशी ड्रग कोकीन की तस्करी की गई थी, जिसका बाजार मूल्य दो करोड़ रुपये है। एनसीबी ने कहा कि पार्सल में शेष दो पतों में दी गई जानकारी के आधार पर शेष दो लोगों की तलाश जारी है।

रोज वैली के 11,883 पीड़ितों को मिले 10.5 करोड़

अब तक 72,760 पीड़ितों को दिए गए कुल 55 करोड़

कोलकाता, समाज्ञा : न्यायमूर्ति दिलीप कुमार सेठ (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाली और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों वाली संपत्ति निपटान समिति (एडीसी) ने रोज वैली पोंजी स्कीम के 11,883 पीड़ितों/जमाकर्ताओं को 10.5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि वितरित करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वर्तमान वितरण के साथ, अब तक 72,760 पीड़ितों को कुल 55,45,40,428 रुपये वितरित किए जा चुके हैं। ईडी के मुताबिक, एडीसी अध्यक्ष न्यायमूर्ति दिलीप कुमार सेठ (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाली समिति में, कोलकाता के कार्यकारी निदेशक ने रोज वैली समूह की संपत्तियों की कुर्की, कब्जा और वितरण को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे पश्चिम

बंगाल, ओडिशा, असम आदि राज्यों के हजारों पीड़ितों को संपत्तियों की वापसी में आसानी और तेजी आई है। कार्यकारी निदेशक, पुष्टिकृत कुर्क संपत्तियों का सर्वेक्षण और मूल्यांकन करने और रोज वैली समूह की कंपनियों के निवेशकों/पीड़ितों को धन वितरण के लिए संपत्तियों के शीघ्र मुद्रीकरण में सहायता करने में एडीसी की सक्रिय रूप से सहायता कर रहा है। आने वाले महीनों में और अधिक दावों की जांच और सत्यापन के साथ, एडीसी द्वारा आगे की वापसी प्रक्रिया जारी रहने की उम्मीद है। अभी तक, एडीसी ने 72,760 दावों का निपटान किया है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 55.45 करोड़ रुपये का धन वितरित किया गया है। इसके अलावा, व्यापक और श्रमसाध्य जांच के जरिए, ईडी ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और त्रिपुरा में फैली 494 करोड़ रुपये की चल और 1,069 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को सफलतापूर्वक जब्त किया है। अकेले पश्चिम बंगाल में ही 1,184 करोड़ रुपये की जब्त संपत्तियां हैं। इन सभी क्षेत्रों में अब पुनर्भुगतान प्रक्रिया पूरे ज़ोर-शोर से चल रही है और ईडी, पीड़ितों को अपराध से प्राप्त धन वापस दिलाने में एडीसी की सहायता करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

जेसोर रोड पर पेड़ की सूखी शाखा टूटकर महिला पर गिरी, मौत

कोलकाता, समाज्ञा

उत्तर 24 परगना जिले के गायघाटा थाना अंतर्गत जेसोर रोड पर स्थित एक पुराने पेड़ की सूखी शाखा टूटकर एक महिला गिरी और महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान अनिमा दास (55) के रूप में की गई है। स्थानीय निवासी इस घटना को लेकर फिर से गुस्से में हैं। उनका आरोप है कि कई शिकायतों के बावजूद, प्रशासन पेड़ को काटने या शाखाओं को छांटने के लिए कोई स्थायी उपाय नहीं कर रहा है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों ने कहा है कि लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने उसे हाबरा स्टेट जनरल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को हाई कोर्ट की हरी झंडी,

परीक्षा में नहीं बैठ सकेंगे 'अयोग्य' शिक्षक

❑ एसएससी की नई अधिसूचना पर सारी याचिकाएं खारिज

कोलकाता, समाज्ञा : स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की नई भर्ती प्रक्रिया को कानूनी वैधता देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट ने बुधवार को सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति स्मिता दास की डिवीजन बेंच ने फैसला सुनाते हुए साफ कहा कि एसएससी की 2025 की नई अधिसूचना और नियमों में कोई हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। इस फैसले के बाद लंबे समय से अटकी पड़ी 26 हजार पदों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर चल रहा कानूनी गतिरोध समाप्त हो गया है। उल्लेखनीय है कि एसएससी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एक नई अधिसूचना जारी की थी। नई अधिसूचना में भर्ती के नियमों में कई बदलाव किए गए थे, जिसके खिलाफ कई अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। उनका आरोप था कि नई प्रक्रिया 2016 के नियमों के अनुरूप नहीं है और यह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन करती है। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने अदालत में दलील दी कि 2016 के बाद 2019 में नया नियुक्ति नियम बनाया गया था, लेकिन उस समय किसी ने उसे चुनौती नहीं दी। अब जब 2025 की नई अधिसूचना उसी के आधार पर तैयार की गई है, तो उसे अवैध नहीं कहा जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी भर्ती प्रक्रिया में पात्रता और अर्हता तय करने का अधिकार संबंधित आयोग को होता है और शिक्षक पद के लिए अनुभव को प्राथमिकता देना एक स्वाभाविक फैसला है। एसएससी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट की पिछली बेंच ने सिर्फ नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था, यह नहीं कहा गया था कि प्रक्रिया 2016 के नियमों के अनुसार ही होनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उम्र की सीमा में छूट 2016 के नियमों के अनुसार नहीं दी जा सकती थी, इसलिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत नियमों में बदलाव किया गया। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ताओं अनिंद्य मित्र और बिकाशरंजन भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि एसएससी ने जानबूझकर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया है। उनका तर्क था कि सुप्रीम कोर्ट ने कहीं भी यह नहीं कहा कि एसएससी को नई पात्रता तय करने की छूट दी गई है। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अब नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर आयोग के सामने कानूनी बाधा नहीं रह गई है।

उच्च माध्यमिक परीक्षा में लागू हुए 5 नए नियम, इस वर्ष से होंगे प्रभावी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद ने इस वर्ष से उच्च माध्यमिक परीक्षा के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। परीक्षा को अब सेमेस्टर प्रणाली के तहत आयोजित किया जाएगा और तीसरा सेमेस्टर 8 सितंबर से 22 सितंबर तक आयोजित होगा। इस नई प्रणाली को लेकर परिषद ने 23 पन्नों की विस्तृत गाइडलाइन जारी की है, जिसमें निम्नलिखित 5 महत्वपूर्ण बदलाव शामिल हैं:

❑ एडमिट कार्ड की अनिवार्यता और वितरण का तरीका बदला गया है। अब छात्रों को स्कूल से एडमिट कार्ड लेने की आवश्यकता नहीं होगी। वे इसे ऑनलाइन डाउनलोड कर सकेंगे। पहले दिन यदि कोई छात्र एडमिट कार्ड लाना भूल जाए तो उसे परीक्षा में बैठने दिया जाएगा, लेकिन दूसरे दिन से यह अनिवार्य होगा।

❑ ओएमआर शीट पर परीक्षा देना अनिवार्य होगा। तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा ओएमआर आधारित होगी। यदि परीक्षा कक्ष में शिक्षकों की संख्या कम पड़ी, तो प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के स्थायी शिक्षक भी पर्यवेक्षक (इनविजिलेटर) की भूमिका निभा सकेंगे।

❑ अब मोबाइल फोन या इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के अलावा, अनुशासनहीन व्यवहार करने वाले छात्रों को भी परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। परीक्षा में अनुचित व्यवहार अब गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

❑ परीक्षा केंद्र और प्रश्न पत्र भंडारण स्थलों के चयन में विशेष सावधानी बरती जाएगी। इन्हें केवल ऐसे क्षेत्रों में स्थापित किया जाएगा जो बाढ़ प्रभावित न हों, जिससे किसी आपदा के दौरान परीक्षा प्रक्रिया पर असर न पड़े।

❑ परीक्षा के दौरान छात्रों को टॉयलेट जाने की अनुमति नहीं होगी। तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा केवल 1 घंटा 15 मिनट की होगी, इसलिए इस अवधि में टॉयलेट ब्रेक की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, किसी गंभीर परिस्थिति में छात्र टॉयलेट जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें प्रश्न पत्र और ओएमआर शीट जमा करनी होगी।

इन बदलावों का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, अनुशासित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है। परिषद ने यह भी स्पष्ट किया है कि ये सभी नियम इस वर्ष से ही प्रभावी होंगे।

मालदा छात्र मृत्यु मामला: शव का दूसरी बार होगा पोस्टमॉर्टम, कल्याणी एम्स में जांच के आदेश

मालदा : मालदा के कक्षा आठ के छात्र श्रीकांत मंडल की रहस्यमयी मौत के मामले में नया मोड़ आया है। कोलकाता हाईकोर्ट ने बुधवार को आदेश दिया कि लगभग 15 दिनों से बर्फ में सुरक्षित रखे गए श्रीकांत के शव का दूसरा पोस्टमॉर्टम कल्याणी एम्स में किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की पीठ ने दिया।

एम्स कल्याणी की ओर से अदालत को सूचित किया गया कि पोस्टमॉर्टम के लिए सभी बुनियादी ढांचे उपलब्ध हैं, लेकिन वे खुद से ऑटोप्सी सर्जन नहीं भेजेंगे। शव को कल्याणी लाने पर जांच में कोई बाधा नहीं होगी।

मृतक के परिजन पोस्टमॉर्टम का खर्च वहन करने को तैयार हैं, इसलिए कोर्ट ने निर्देश दिया कि

मानिकचक थाना के जांच अधिकारी उस खर्चे पर शव को कल्याणी ले जाएं। यह कार्य गुरुवार दोपहर तक पूरा करना होगा। साथ ही, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पोस्टमॉर्टम के दौरान न तो परिवार का कोई सदस्य और न ही जांच अधिकारी कमरे में उपस्थित रहेंगे। पूरे पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी।

न्यायालय ने यह भी कहा कि अगर दूसरी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पहले की रिपोर्ट से अलग होती है, तो जांच अधिकारी को इसे रिकॉर्ड में लेना होगा। परिवार जांच स्थानांतरण और अन्य मांगों को लेकर फिर से आवेदन कर सकता है।

गौरतलब है कि 2 जुलाई की रात मानिकचक के रोजमेरी मिशनरी स्कूल हॉस्टल से श्रीकांत का झूलता हुआ शव बरामद हुआ था। स्कूल प्रशासन ने इसे आत्महत्या बताया, लेकिन मृतक के पिता ने पहले पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर शक जताते हुए हत्या की आशंका जाहिर की थी।

अब सवाल उठ रहे हैं कि स्कूल में यह घटना कैसे हुई, कौन जिम्मेदार था, और क्या आत्महत्या के पीछे कोई दबाव था। यह देखा जाना बाकी है कि दूसरा पोस्टमॉर्टम इन सवालों के जवाब दे पाता है या नहीं।

चुंचुड़ा में 21 जुलाई रैली के समर्थन में लगाए गए बैनर रहस्यमयी ढंग से गायब!

हुगली : 21 जुलाई की रैली को समर्थन देने के लिए चुंचुड़ा के हुगली मोड़, खादिना मोड़ और तुला फाटक समेत कई जगहों पर लगाए गए तृणमूल कांग्रेस के बैनर रातोंरात फाड़े या हटा दिए गए, जिससे हड़कंप मच गया है। बैनर हुगली ज़िला परिषद के मत्स्य कर्माध्यक्ष निर्माल्य चक्रवर्ती ने लगाए थे। निर्माल्य ने चुंचुड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई है और आरोप लगाया कि सीसीटीवी रहित इलाकों से ही बैनर हटाए गए हैं। उन्होंने कहा, हम ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को देखकर पार्टी करते हैं, ऐसे काम सच्चा कार्यकर्ता नहीं करेगा। वहीं बीजेपी नेता सपन पाल ने इसे तृणमूल की गुटबाज़ी बताया और कहा कि वर्तमान विधायक को लेकर अंदरूनी संघर्ष का ही यह नतीजा है।

श्रावणी मेला 2025: यात्रियों की संख्या और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि

कोलकाता, समाज्ञा : श्रावणी मेला 2025 के दौरान पूर्व रेलवे श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। श्रावणी मेला के पांचवें दिन अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जसीडीह, देवघर, बैद्यनाथधाम और बसुकिनाथ स्टेशनों पर कुल यात्री संख्या 48,524 रही, जो पिछले वर्ष इसी दिन के 31,547 यात्रियों की तुलना में 16,977 अधिक है। यह वृद्धि 53.81% की उल्लेखनीय बढ़त को दर्शाती है। यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ स्टेशनों की आमदनी में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। मेला के पांचवें दिन इन चार स्टेशनों से कुल 34,90,660 की आय हुई, जो पिछले वर्ष इसी दिन की 26,05,480 की आमदनी की तुलना में 8,85,180 अधिक है। यह 33.97% की वृद्धि को दर्शाता है। श्रावणी मेला 2025 के पहले पांच दिनों में कुल 1,98,881 यात्रियों की उपस्थिति दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 1,65,877 था। इस प्रकार यात्रियों की संख्या में 19.89% की वृद्धि हुई है। इसी तरह, पहले पांच दिनों की कुल आय 1,47,34,958 रही, जो पिछले वर्ष की 1,23,06,600 की तुलना में 24,28,358 अधिक है। यह आय 19.73% की वृद्धि को दर्शाती है। ये आंकड़े पूर्व रेलवे द्वारा की गई अग्रिम तैयारियों, भीड़ प्रबंधन, यात्री सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और संचालन कुशलता की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

पुलिस को बंदूक का फर्जी लाइसेंस दिलाने वाले गिरोह का पता चला

सिक्योरिटी गार्डों को 30 हजार रुपये में फर्जी आर्म्स लाइसेंस कराता हैं मुहैया

कोलकाता, समाज्ञा

बंगाल पुलिस को राज्य में बंदूक का फर्जी लाइसेंस दिलाने वाले गिरोह के बारे में पता चला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह गिरोह मुख्य रूप से सिक्योरिटी गार्डों को 30 हजार रुपये में बंदूक का फर्जी लाइसेंस और 50 हजार रुपये में बंदूक और कारतूस समेत फर्जी लाइसेंस उपलब्ध कराता है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों की पहचान की है। पिछले दिनों पुलिस ने एक ज्वेलरी कंपनी की दुकान में बंदूक का फर्जी लाइसेंस लेकर ड्यूटी कर रहे तीन सुरक्षा

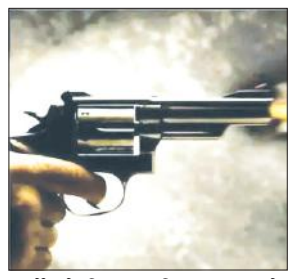

गार्डों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से बंदूक, फर्जी लाइसेंस व कारतूस जब्त किए गए थे। एक अन्य आरोपित सुरक्षा गार्ड उत्तम चक्रवर्ती को एसटीएफ ने उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम से गिरफ्तार किया है। अब तक एसटीएफ ने कई स्थानों की तलाशी लेकर अवैध रूप से एकत्र की गई 14 बंदूकें व फर्जी लाइसेंस और 66 कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में पता चला है कि कई अन्य सुरक्षा गार्ड बैंकों, महत्वपूर्ण व्यावसायिक प्रतिष्ठानों आदि में फर्जी हथियार लाइसेंस के साथ काम कर रहे हैं। अब पुलिस उनकी भी तलाश कर रही है। वहीं गिरफ्तार सुरक्षा गार्डों ने पुलिस के सामने दावा किया कि उन्हें नहीं पता था कि उनके हथियार लाइसेंस फर्जी हैं। पुलिस का आरोप है कि उन लाइसेंसों पर हस्ताक्षर और मुहर भी फर्जी हैं।

पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने सात मासूमों को बचाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने 15 जुलाई को ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए हावड़ा और मालदह मंडलों के विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों से सात नाबालिग बच्चों को सफलतापूर्वक बचाया। इन बच्चों को सुरक्षित रूप से बचाकर संबंधित बाल कल्याण संस्थाओं को सौंपा गया, ताकि उन्हें उचित देखभाल और पुनर्वास मिल सके। इनमें से दो बच्चों को हावड़ा स्टेशन से, तीन को ट्रेन संख्या 22504 से बर्दवान स्टेशन पर, एक को ट्रेन संख्या 13011 से पाकुड़ स्टेशन के निकट, और एक अन्य को साहिबगंज स्टेशन से रेस्क्यू किया गया। सभी बच्चों को तत्परता से संबंधित चाइल्ड हेल्पलाइन केंद्रों को सौंप दिया गया। आरपीएफ की इस संवेदनशील और शीघ्र कार्रवाई ने पूर्व रेलवे की बाल संरक्षण, सुरक्षा और कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को एक बार फिर मजबूत किया है।

नहीं मिले लॉटरी के दो करोड़ रुपये, हाई कोर्ट पहुंचा विजेता

कोर्ट ने कहा, गुवाहाटी उच्च न्यायालय की नगालैंड पीठ में दायर करना होगा मामला

कोलकाता, समाज्ञा : एक व्यक्ति ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और दावा किया है कि उसने दो बार लॉटरी में एक करोड़ रुपये जीते हैं। लेकिन नगालैंड स्थित लॉटरी कंपनी उसे इनाम की राशि का भुगतान नहीं कर रही है। उस राज्य की सरकार भी कुछ नहीं कर रही है। उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, इसका समाधान नहीं हुआ। न्यायमूर्ति ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय को इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है। लॉटरी कंपनी नगालैंड की है। इसलिए मामला गुवाहाटी उच्च न्यायालय की नगालैंड पीठ में दायर करना होगा। बांकुड़ा निवासी इस व्यक्ति का दावा है कि उसने मार्च 2023 में नगालैंड स्थित एक कंपनी से लॉटरी टिकट खरीदा था। 18 मार्च को उसने एक करोड़ रुपये जीते। 25 मार्च को उसने फिर एक करोड़ रुपये जीते। उसके वकील का आरोप है कि कोलकाता स्थित लॉटरी कंपनी के कार्यालय जाने के बाद भी पैसे नहीं मिले। उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय से पैसे के भुगतान का आदेश देने का अनुरोध किया है। हालांकि, नगालैंड सरकार के वकील ने उसी व्यक्ति के खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अदालत में दावा किया कि वादी के खिलाफ नगालैंड में नकली लॉटरी टिकटों के संबंध में एक आपराधिक मामला दर्ज है। जांच में पता चला है कि वादी ने किसी अन्य व्यक्ति से 65 लाख रुपये में लॉटरी टिकट खरीदे थे। नगालैंड के वकील ने यह भी दावा किया कि कलकत्ता उच्च न्यायालय को इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है।

राज्य के स्कूलों में सर्वाइकल कैंसर का निःशुल्क टीकाकरण 2027 में होगा शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : महिलाओं के लिए जानलेवा बीमारियों में से एक सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए राज्य ने बड़ा कदम उठाया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने स्कूल जाने वाली लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन मुफ्त में देने का फैसला किया है। यह टीकाकरण कार्यक्रम राज्य शिक्षा विभाग के माध्यम से 2027 से शुरू किया जाएगा। राज्य परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. असीम दास मालाकार ने बताया कि केंद्र सरकार ने पूरे देश में यह टीकाकरण कराने की योजना बनाई है और बंगाल में भी इसकी तैयारी चल रही है। बता दें कि सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर भारत में महिलाओं में दूसरा सबसे जानलेवा कैंसर है। 2023 में, देश में लगभग 1.24 लाख महिलाएं इससे प्रभावित होंगी, जिससे लगभग 80,000 लोगों की मौत होगी। इस बीमारी का मुख्य कारण ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण है, जिससे बचाव का एकमात्र प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण है। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि किस आयु वर्ग या किस वर्ग की लड़कियों को टीका लगाया जाएगा। आमतौर पर, 9 से 14 वर्ष की आयु वालों के लिए दो खुराक पर्याप्त होती हैं, और 14 वर्ष और उससे अधिक आयु वालों के लिए तीन खुराक की आवश्यकता होती है।

हावड़ा-आमता रोड की जर्जर हालत, आमजन के लिए बन गई जानलेवा समस्या

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा-आमता रोड की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है। यह सड़क अब बद से बदतर स्थिति में पहुंच चुकी है। इस रास्ते से हर दिन बड़ी संख्या में आम लोग सफर करते हैं और पास में स्कूल होने के कारण कई छात्र-छात्राएं भी इसी रास्ते से आना-जाना करते हैं। अब यह सफर आम लोगों के लिए बेहद कष्टदायक और जानलेवा बन गया है। तस्वीरें देखकर ही समझा जा सकता है कि लोग किस तरह अपनी जान हथेली पर लेकर इस रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। बरसात का मौसम शुरू हो गया है और सड़कें अब तालाब जैसी हो गई हैं। लेकिन सरकार की ओर से इस स्थिति को सुधारने के लिए कोई ठोस कदम उठता नहीं दिख रहा

है। स्थानीय लोग बता रहे हैं कि पहले यह सड़क पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत थी, लेकिन अब यह एनएच-6 के अधीन आ गई है। इसके बावजूद, हाईवे प्राधिकरण की ओर से इस पर कोई निगरानी नहीं की जा रही है। इस लापरवाही का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। हर दिन लोग डर और तनाव के साथ इस रास्ते से गुजरते हैं। अब उनका सरकार से बस एक ही आग्रह है - जल्द से जल्द इस सड़क की मरम्मत कर, इसे सुरक्षित और यातायात योग्य बनाया जाए। अब देखना यह है कि सरकार कब जागती है और कब इस सड़क की हालत सुधारी जाती है।

निफ्टी दिसंबर 2025 तक 26,889 तक पहुंचने की संभावना : पीएल कैपिटल

कोलकाता : पीएल कैपिटल ने अपनी नई भारत स्ट्रैटेजी रिपोर्ट में कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था कई वजहों से आगे बढ़ रही है। इसमें घरेलू मांग में सुधार, सहायक मौद्रिक नीतियों और केंद्रित वित्तीय पहलों को विकास के प्रमुख चालकों के रूप में उजागर किया है। इस सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाते हुए, ब्रोकरेज ने अपने 12 महीने के निफ्टी लक्ष्य को बढ़ाकर 26,889 कर दिया है, जो निफ्टी को 15 साल के औसत पीई 18.5एक्स पर 2.5% छूट के साथ मूल्यांकन करता है। पीएल कैपिटल का मानना है कि घरेलू फार्मा, चुनिंदा स्टेपल्स, बैंक, पूंजीगत सामान, रक्षा और बिजली जैसे घरेलू क्षेत्र जैनिकट अवधि में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। पीएल कैपिटल के डायरेक्टर-रिसर्च, इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज, अमनिश अग्रवाल ने कहा हालांकि अभी पूरी तरह से सुधार शुरू नहीं हुआ है, लेकिन कर में राहत, सामान्य मानसून, कम होती महंगाई और कम ब्याज दरें खपत बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल बना रही हैं।

श्रावणी मेला के लिए 17 जुलाई से चलेंगी 20 स्पेशल ट्रेनें

कोलकाता, समाज्ञा : देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम मंदिर में आयोजित होने वाला श्रावणी मेला भगवान शिव के श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। पूर्व रेलवे श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ को संभालने के उद्देश्य से 17 जुलाई से अपने विभिन्न स्टेशनों से 20 श्रावणी मेला विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू करने जा रहा है। इन विशेष ट्रेनों के माध्यम से मेला अवधि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त क्षमता और लचीलापन सुनिश्चित किया जाएगा। इन ट्रेनों में 03653 मधुपुर-गया मेमू पैसेंजर, 03267 मधुपुर-पटना मेमू पैसेंजर, 05027 देवघर-बरहनी मेल एक्सप्रेस, 03553 आसनसोल-दानापुर मेल एक्सप्रेस, 03146/03145 जसीडीह-दुमका-जसीडीह मेमू,

03148/03147 जसीडीह-दुमका-जसीडीह मेमू, 03150/03149 जसीडीह-गोड्डा-जसीडीह मेमू, 03507/03508 देवघर-जसीडीह-देवघर मेमू, 03480/03479 जमालपुर-सुलतानगंज-जमालपुर मेमू, 03501/03502 जसीडीह-बैद्यनाथधाम-जसीडीह मेमू, 03503/03504 जसीडीह-बैद्यनाथधाम-जसीडीह मेमू और 03505/03506 जसीडीह-बैद्यनाथधाम-जसीडीह मेमू पैसेंजर शामिल है।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के दोषी टोटो चालक को 25 साल सश्रम कारावास की सजा

अदालत ने पांच महीने के भीतर सुनवाई पूरी की

जलपाईगुड़ी : स्कूल से घर लौटते समय छात्रा को कथित तौर पर बेहोश कर दुष्कर्म करने के दोषी को अदालत ने 25 साल कैद की सजा सुनाई है। बुधवार को जलपाईगुड़ी की विशेष पॉक्सो अदालत ने यह सजा सुनाई। बता दें कि अदालत ने पांच महीने के भीतर सुनवाई पूरी की। यह सजा सुनकर पीड़िता के परिवार ने राहत की सांस ली है। यह घटना इसी साल 23 जनवरी को हुई थी। आरोपी टोटो चालक कक्षा 8 की एक छात्रा को स्कूल ले जाने का काम करता था। उस दिन, छात्रा स्कूल जाने के लिए चालक के टोटो में सवार हुई। रास्ते में, टोटो चालक ने छात्रा को नशीला पदार्थ मिला हुआ चॉकलेट दिया। इसे खाने के बाद, लड़की बेहोश हो गई। उस अवसर का लाभ उठाकर, वह व्यक्ति बेहोश लड़की को स्कूल

ले जाने के बजाय तीस्ता नदी के किनारे ले गया। फिर, लड़की से कथित तौर पर दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, यह आरोप है कि उसे घटना के बारे में किसी को बताने पर गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने की भी धमकी दी गई थी। लड़की ने डर के मारे अपना मुंह बंद रखा था। इस बीच, टोटो चालक ने लड़की के घर एक प्रेगनेंसी किट भेजी थी। यह परिवार के हाथ लग गई। लड़की के परिवार वालों ने उसे पकड़ लिया और सारी बात सामने आ गई। 8 फरवरी को परिवार ने जलपाईगुड़ी महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बिना देर किए आरोपी टोटो चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पॉक्सो की धारा के तहत मामला दर्ज किया। मामले की सुनवाई जलपाईगुड़ी विशेष पॉक्सो कोर्ट में हुई। पुलिस ने एक महीने के अंदर जांच पूरी कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। कोर्ट ने 10 लोगों की गवाही और सबूतों के आधार पर टोटो चालक को दोषी पाया। इस दिन, उसे 25 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही, एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माना न भरने पर दो महीने की अतिरिक्त कैद की सजा सुनाई गई। जज ने विधिक सेवा प्राधिकरण को नाबालिग के परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्देश दिया।

खेजुरी में भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत पर हाईकोर्ट सख्त, राज्य सरकार को सभी साक्ष्य पेश करने का आदेश

कोलकाता : कोलकाता हाईकोर्ट ने खेजुरी में दो भाजपा कार्यकर्ताओं की संदिग्ध मौत के मामले में राज्य सरकार को सख्त निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने बुधवार को सुनवाई के दौरान राज्य को आदेश दिया कि इस मामले से जुड़े सभी वीडियो फुटेज और साक्ष्य अदालत में प्रस्तुत किए जाएं। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को निर्धारित की है। गौरतलब है कि मेला देखने गए सुजीत दास और सुधीर पाइक की मौत हो गई थी। पुलिस ने दावा किया था कि यह घटना मेला मैदान में विद्युत तार टूटने से हुई और दोनों युवक बिजली के करंट की चपेट में आकर मारे गए। हालांकि मृतकों के परिवार वालों ने इस दावे को खारिज करते हुए अदालत का रुख किया। परिजनों का आरोप है कि युवकों के शरीर पर कई गहरे घाव के निशान थे जो केवल करंट लगने से नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस इस घटना को जानबूझकर दबाने की कोशिश कर रही है और स्थानीय राजनीतिक दबाव में सच्चाई को छिपाया जा रहा है। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने सवाल किया कि यदि युवकों की मौत करंट लगने से हुई, तो उनके शरीर पर जिस प्रकार के चोट के निशान हैं, वे कैसे आए? उन्होंने यह भी कहा कि आत्महत्या की स्थिति में भी इस तरह का घाव असंभव है। न्यायालय ने यह जानना चाहा कि कुल कितने लोग घायल हुए और घटना के पीछे क्या मकसद हो सकता है। इस बीच पुलिस का बयान है कि मेला मैदान में एक बिजली के खंभे के तार को छूने के कारण दोनों युवक जमीन पर गिर पड़े और विद्युत प्रवाह के चलते उनकी मौत हो गई। पुलिस ने इसे एक दुर्घटना बताया है, लेकिन अब अदालत ने राज्य सरकार को स्पष्ट रूप से सभी तथ्य अदालत में पेश करने का आदेश दिया है।

एमसीकेवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग ने अत्याधुनिक 'इंटेल उन्नति-एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का उद्घाटन किया

हावड़ा : एमसीकेवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग ने उभरती तकनीकों में डेटा-केंद्रित लैब 'इंटेल उन्नति - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब' का उद्घाटन कर एक प्रमुख सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य एआई में शिक्षण और नवाचार को एक नई दिशा देना है। यह भव्य समारोह एमसीकेवीआईई परिसर स्थित मलय मंच पर आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, कॉर्पोरेट अधिकारी, संकाय सदस्य, छात्र एवं पूर्व छात्र शामिल हुए।

मुख्य अतिथि श्री अमित बिस्वास, (हेड पार्टनर इंजीनियरिंग, इंटेल इंडिया एसएमजी) ने उद्घाटन करते हुए भारत के 500 शैक्षणिक संस्थानों में 1,00,000 छात्रों तक पहुंचने की इंटेल की प्रतिबद्धता को दोहराया और सुरक्षित, विकेन्द्रीकृत डेटा हैंडलिंग के महत्व पर बल

दिया। साथ ही छात्रों को समाज में प्रभावशाली तकनीकी समाधान विकसित करने की चुनौती दी।

विशिष्ट अतिथि श्री सृजित भट्टाचार्य, (ग्लोबल पार्टनर अकाउंट मैनेजर, इंटेल) और विशिष्ट अतिथि श्री सुहास डी (एआई इंजीनियर, एडगेट टेक्नोलॉजीज़) ने एआई, जेन-एआई और अगली पीढ़ी के एल्गोरिदमिक टूल्स पर व्यावहारिक अनुभव साझा किया । एमसीकेवीआईई के अध्यक्ष श्री किशन कुमार केजरीवाल ने इस अवसर पर कहा कि हम अपने छात्रों को नवीनतम तकनीकी अनुभव प्रदान करने को लेकर अत्यंत उत्साहित हैं। यह प्रयोगशाला हमारे संस्थान की विकास यात्रा में एक प्रमुख उपलब्धि है जबकि इंस्टीट्यूट के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अभिजीत लाहिरी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भविष्य की योजनाओं में एमसीकेवीआईई के स्टार्टअप इनक्यूबेशन सुविधाओं की शुरुआत और एआई-केन्द्रित हैकथॉन का आयोजन करेगा ताकि नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके। श्री केजरीवाल ने कॉग्निजेंट से पधारे उद्योग जगत के अग्रणी श्री जिबेंदु मजूमदार (डायरेक्टर, प्रोजेक्ट्स), श्री अमोघ चावला (जेनसी कैंपस एचआर), श्री धृतिमान सरकार (एचआर - कैंपस रिक्रूटमेंट) का स्वागत किया। इसके साथ ही श्री सास्वता धर, टीसीएस के असिस्टेंट कंसल्टेंट एवं एमसीकेवीआईई के पूर्व छात्र भी मंच पर उपस्थित रहे। समारोह के एक महत्वपूर्ण क्षण में एमसीकेवीआईई और इंटेल इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए जो एआई शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सहयोग का संकेत है। इस अत्याधुनिक प्रयोगशाला में सुसज्जित अत्यावश्यक बुनियादी ढाँचा उपलब्ध है, जिससे छात्र और संकाय सदस्य मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, डीप लर्निंग, बड़े भाषा मॉडल और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इंटेल उन्नति कम्युनिटी के सदस्य के रूप में एमसीकेवीआईई को उद्योग मानक पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं, वेबिनार, ग्रैंड और रैपिड चैलेंज, तथा केटालिस्ट प्रायोजित शोध अवसरों का विशेष लाभ मिलेगा। इस पहल के अंतर्गत एक विशिष्ट इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग प्रोग्राम भी शामिल है, जिसमें एक महीने के गाइडेड प्रोजेक्ट्स, प्रमाणपत्र, और इंटेल डेवक्लाउड प्लेटफ़ॉर्म्स तक निरंतर पहुंच प्रदान की जाती है।

विपक्षी खेमे में बड़ी सेंधमारी, सौ से अधिक कार्यकर्ताओं ने थामा तृणमूल का दामन

कोलकाता : 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपनी राजनीतिक तैयारियों को तेज कर दिया है। विपक्षी खेमों-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम)-में एक के बाद एक टूट की घटनाएं सामने आ रही हैं। शनिवार को गंगासागर के धसपाड़ा सुमती नगर 1 नंबर ग्राम पंचायत अंतर्गत महेंद्रगंज बाज़ार इलाके में आयोजित एक कार्यक्रम में सौ से अधिक भाजपा और सीपीएम कार्यकर्ताओं ने तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की।

यह जनसभा 21 जुलाई की महारैली की तैयारियों के समर्थन में आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में मथुरापुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बापी हलदार, पश्चिम बंगाल सरकार के सुंदरबन विकास मंत्री एवं सागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक

बंकिमचंद्र हाजरा सहित तृणमूल के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

सभा के अंत में भाजपा और सीपीएम के लगभग 100 से अधिक कार्यकर्ताओं ने तृणमूल का झंडा थामकर पार्टी में विधिवत रूप से शामिल हुए। इस मौके पर सांसद बापी हलदार ने कहा, विपक्षी कार्यकर्ता अब समझ रहे हैं कि वे गलत जगह पर थे। उन्होंने विकास की राजनीति को अपनाने और ममता बनर्जी की 'माँ, माटी, मानुष' की सरकार को मजबूती देने के लिए तृणमूल में वापसी की है।

वहीं, शामिल हुए एक पूर्व विपक्षी कार्यकर्ता ने कहा, हमने देखा कि राज्य सरकार की विकास की योजनाएं घर-घर तक पहुँच रही हैं। इसी कारण हमने सामूहिक रूप से तृणमूल कांग्रेस से जुड़ने का फैसला किया है।

यह घटनाक्रम तृणमूल की ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती पैठ और विपक्ष की चुनौतियों को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

‘सीबीआई विनीत गोयल को बचाने की कोशिश में’, पीड़िता के परिवार का कोर्ट में दावा

❑ कहा... 'विनीत गोयल और सीबीआई अधिकारी एक ही बैच के हैं'

❑ सीबीआई ने आरजी कर मामले की स्टेटस रिपोर्ट अदालत में पेश की

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर कांड में पीड़िता के परिवार ने दुष्कर्म-हत्या मामले में दायर याचिका में कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और सीबीआई अतिरिक्त निदेशक संपत मीणा के संबंधों पर सवाल उठाए हैं। इस संबंध में मामले की सुनवाई बुधवार को सियालदह कोर्ट में हुई। वहां, पीड़िता के परिवार के वकील ने दोनों आईपीएस अधिकारियों के बीच संपर्क का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विनीत और संपत एक ही बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। यानी, उन्होंने एक साथ प्रशिक्षण लिया और उनके बीच संपर्क है। इसीलिए सीबीआई विनीत के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी। जांच ठीक से नहीं हो पाएगी। पीड़िता के परिवार ने उक्त डर की बात को सामने रखा। हालांकि, पीड़िता के परिवार के दावे को सीबीआई ने खारिज कर दिया है। सीबीआई का कहना था कि बैचमेट होना कोई अपराध नहीं है। हमने सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। सभी गवाहों के बयान लिए गए हैं। विनीत के खिलाफ कुछ खास नहीं मिला। इसके अलावा, घटनास्थल से आरोपी का डीएनए सैंपल मिला था। क्या हमें किसी और दिशा से जांच करनी चाहिए? विनीत के अपराध में शामिल होने का कोई सबूत नहीं है। इसीलिए उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस दिन, सीबीआई ने आरजी कर मामले की स्टेटस रिपोर्ट अदालत में पेश की। पीड़िता के वकील फिरोज एडुल्जी ने इस मामले में जांच अधिकारी की क्षमता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के हाथरस कांड का हवाला दिया है। कथित तौर पर, आरजी कर मामले में सीबीआई जांच अधिकारी हाथरस में थे।

आरजी कर मामला : दोषी संजय रॉय ने की बरी करने की अपील, हाई कोर्ट ने स्वीकार की याचिका

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के दोषी संजय रॉय ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है और मामले में खुद को बरी करने की अपील की है। हाई कोर्ट ने उसकी याचिका स्वीकार कर ली है। संजय रॉय की याचिका पर सीबीआई द्वारा दायर उस मामले के साथ सुनवाई होगी जिसमें उसकी मौत की सजा की मांग की गई है। मामले की अगली सुनवाई सितंबर में होगी। जस्टिस देबांग्शु बसाक की खंडपीठ ने निर्देश दिया है कि पीड़िता का परिवार भी इस मामले में शामिल हो सकता है। संजय रॉय के वकील ने बुधवार को अदालत को बताया कि जांच अभी जारी है क्योंकि संजय पर लगे आरोप सबूतों के आधार पर साबित नहीं हुए हैं। उसे बरी करने के पर्याप्त कारण हैं। अदालत ने संजय रॉय की याचिका को फिलहाल स्वीकार कर लिया है। निचली अदालत ने संजय को उम्रकैद की सजा सुनाई है, क्योंकि संजय वह व्यक्ति नहीं है जिसने यह जघन्य अपराध किया है। पीड़िता के परिवार ने असली अपराधी का पता लगाने के लिए अर्जी दी है। इसलिए, संजय को बरी किया जाना चाहिए। इस बीच, सीबीआई के वकील राजदीप मजूमदार ने बुधवार को अदालत में कहा कि सीबीआई संजय रॉय के लिए मौत की सजा की मांग कर रही है। इसका कारण उनके द्वारा किया गया क्रूर कृत्य है और इस अपराध के लिए कठोर सजा होनी चाहिए, जो समाज के लिए एक मिसाल हो। गौरतलब है कि सियालदह कोर्ट ने 20 जनवरी को आरजी कर अस्पताल में लेडी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अब संजय ने इस आदेश के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में अपील दायर की है। उसकी अपील है कि कोर्ट उसे बरी करने का आदेश दे।

खाने का लालच देकर अनाथ बच्ची से दुष्कर्म, वृद्ध दुकानदार गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के जीवनतला अंतर्गत घुटियारी शरीफ पुलिस फाड़ी के गौड़दह इलाके में एक वृद्ध पर एक अनाथ बच्ची से बार-बार दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। आरोप है कि वृद्ध व्यक्ति उसे खाने का लालच देकर दिन-प्रतिदिन उसके साथ क्रूरतापूर्वक अत्याचार करता रहा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम कृष्णपद मंडल (72) है। पता चला है कि पीड़िता चौथी कक्षा की छात्रा है। एक साल पहले बच्ची के पिता की मृत्यु हो गई थी। उसकी मां भी उसे छोड़कर चली गई थी। वह जीवनतला थाना क्षेत्र में एक रिश्तेदार के घर में पल रही थी। कभी-कभी, वह इलाके के वृद्ध कृष्णपद मंडल की दुकान पर खाना खरीदने जाती थी। कथित तौर पर, कृष्णपद ने उसे खाने का लालच देकर दुकान के अंदर दिन-प्रतिदिन उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। यह लगभग एक साल से चल रहा था। बताया गया है कि अन्य दिनों की तरह बुधवार की सुबह भी नाबालिग वृद्ध के दुकान पर गई थी। आरोप है कि वृद्ध ने उसे अकेला पाकर दुकान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बीच, घर लौटने में देर होने पर नाबालिग का एक रिश्तेदार दुकान पर पहुंचा। उसने नाबालिग से पूछा कि क्या हुआ है। वह मुंह खोलने से डर रही थी। बाद में, उसने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई। उधर, तब तक वृद्ध दुकान बंद कर गौड़दह थाने की ओर भाग चुका था। खबर फैलते ही स्थानीय लोगों ने थाना परिसर में ही वृद्ध को पकड़ लिया। आरोप है कि उसकी पिटाई भी की गई। इसके बाद, ग्रामीणों ने उसे शरीफ फाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया। परिजनों ने वृद्ध के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। नाबालिग और आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। हालांकि, शुरुआती जांच में पुलिस को शक है कि यह दुष्कर्म नहीं बल्कि छेड़छाड़ है।

जीआरएसई के शिप निर्माण यूनिट में बड़ा हादसा: 2.5 टन लोहे का हिस्सा गिरने से एक मजदूर की मौत, दूसरा घायल

कोलकाता : बुधवार को लगभग 3:30 बजे राजाबागान थाना क्षेत्रांतर्गत गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) के 44 आरबीडी स्थित 01 बीएफसी (ब्लॉक फैब्रिकेशन) यूनिट में शिप निर्माण के दौरान एक दर्दनाक हादसा हुआ। इस हादसे में दो मजदूर – रजनीश शुक्ला (35 वर्ष), निवासी नारायणपुर, मुकरिमपुर, बेलघाट, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश और गोपाल मलिक (41 वर्ष), निवासी राधादासी, पचपाड़ा, हावड़ा – शिप के साइड सेल को ब्लॉक में फिट करने का कार्य कर रहे थे। कोलकाता पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि साइड सेल एक लोहे की बनी संरचना है जिसका वजन लगभग 2.5 टन होता है। इसे एक क्रेन की मदद से उठाकर ब्लॉक पर फिट किया जा रहा था। क्रेन से यह सेल दो नायलॉन की स्लिंग की सहायता से बंधा हुआ था। इसी दौरान अचानक एक स्लिंग टूट गई, जिससे संतुलन बिगड़ गया और साइड सेल मजदूर रजनीश शुक्ला पर आकर गिर गया। हादसे में दोनों मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सीएमआरआई अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रजनीश शुक्ला को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल गोपाल मलिक का इलाज चल रहा है। उसे हाथ और रीढ़ की हड्डी में चोटें आई हैं। प्राथमिक जांच में यह जानकारी सामने आई है कि दोनों मजदूर संविदा (कॉन्ट्रैक्चुअल) पर कार्यरत थे। पुलिस और श्रम विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जीआरएसई में कार्यरत अन्य श्रमिकों से पूछताछ जारी है। हादसे ने कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बंगालियों पर अत्याचार के विरोध में तृणमूल कांग्रेस की महारैली

❑ केंद्र सरकार पर जमकर निशाना

हुगली, समाज्ञा : देश के विभिन्न राज्यों में रह रहे बंगालियों पर हो रहे कथित अत्याचार और उन्हें बांग्लादेशी बताकर राज्य से निकाले जाने के विरोध में तृणमूल कांग्रेस ने श्रीरामपुर में एक विशाल महारैली का आयोजन किया। इस रैली का नेतृत्व तृणमूल सांगठनिक जिला अध्यक्ष एवं चांपदानी विधायक अरिंदम गुइन ने किया। रैली में राज्य के मंत्री बेचाराम मन्ना, विधायक असीमा पात्रा, विधायक आसित मजूमदार, रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा, वाइस चेयरमैन जाहिद हसन खान, श्रीरामपुर नगरपालिका चेयरमैन गिरधारी साहा, वैद्यबाटी नगरपालिका चेयरमैन पिंटू महतो, कोन्नगर नगरपालिका चेयरमैन सपन कुमार दास, सीआईसी संतोष सिंह, गौरमोहन दे, पार्षद सुखसागर मिश्रा, मास्टर नसीम, पार्षद मनोज साव सहित बड़ी संख्या में तृणमूल नेता और समर्थक मौजूद रहे।

रैली के दौरान तृणमूल नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। 'मोदी हटाओ, देश बचाओ', 'बंगालियों पर अत्याचार नहीं सहेंगे', जैसे नारों से सड़कें गूंज उठीं।

वक्ताओं ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तृणमूल नेताओं ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि अगर बंगालियों पर हो रहे उत्पीड़न पर रोक नहीं लगी, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

सास की पीट-पीटकर हत्या, बहू को आजीवन कारावास की सजा

मालदह : बहू पर सास की बटखरा से पीट-पीटकर हत्या का आरोप लगा था। तीन साल बाद बहू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। मालदह जिला न्यायालय में बहू को दोषी पाया गया। बुधवार को न्यायाधीश ने जेल की सजा के अलावा 10,000 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि 13 सितंबर, 2022 को कालियाचक के बाखरपुर निवासी गोलेनूर बीबी की मृत्यु हो गई। आरोप है कि उनकी बटखरा से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। अगले दिन गोलेनूर बीबी के बेटे ने कालियाचक थाने में अपनी मां की हत्या की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मरजीना खातून को गिरफ्तार कर लिया। घटना की जांच के बाद पुलिस ने 10 दिसंबर, 2022 को आरोप पत्र दाखिल किया। सरकारी वकील अमल कुमार दास ने बताया कि गवाहों की गवाही के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। जुर्माना अदा न करने पर न्यायाधीश मंदीप दासगुप्ता ने एक महीने की और जेल हिरासत का आदेश दिया।

बंडेल से बांग्लादेशी युवक लापता!

हुगली : कैंसर का इलाज कराने कोलकाता आए नीलय साहा (19) बंडेल से लापता हो गए। वह बांग्लादेश के शरीयतपुर ज़िले के निवासी हैं और 2 जुलाई से केउटा नवपल्ली स्थित दीदी के घर पर रह रहे थे। रविवार को गोपीनाथपुर ठाकुरबाड़ी में पूजा देने गए थे, वहीं से अचानक लापता हो गए। नीलय कैंसर मरीज हैं, बायां पैर कट चुका है और बैसाखी के सहारे चलते थे। परिवार को आशंका है कि वह रास्ता भटककर किसी ट्रेन में चढ़ गए होंगे। मामला बंडेल जीआरपी और चुंचुड़ा थाने में दर्ज कराई गई है।

एक किलो से ज्यादा सोने के गहनों के साथ तीन कुख्यात लुटेरे गिरफ्तार

❑ डायमंड हार्बर पुलिस को दो अलग-अलग लूट की घटनाओं में मिली बड़ी सफलता

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले की डायमंड हार्बर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में दो अलग-अलग लूट की घटनाओं से जुड़े तीन कुख्यात अपराधियों को ओडिशा के कोरापुट जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह गिरफ्तारी कई महीनों की सघन निगरानी और तकनीकी अनुसंधान के बाद संभव हो पाई है। उल्लेखनीय है कि पिछले फरवरी महीने में उस्ती थाना अंतर्गत शंकरपुर बस स्टैंड के पास एक राष्ट्रीयकृत बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र में लूट की घटना हुई थी। इस मामले की जांच उस्ती थाना पुलिस और डायमंड हार्बर पुलिस जिले की स्पेशल टीम कर रही थी। इस घटना के कुछ महीनों बाद ढोलाहाट थाना क्षेत्र में भी एक बैंक लूट की वारदात हुई और फिर सोनारपुर की एक ज्वेलरी दुकान में भी लूट हुई। पुलिस को संदेह था कि इन सभी घटनाओं के पीछे एक ही गिरोह का हाथ था। बताया गया है कि लुटेरे लगातार अपने ठिकाने और मोबाइल सिम बदलते रह रहे थे, जिससे पुलिस के लिए उन तक पहुंचना काफी मुश्किल हो रहा था। लेकिन, डायमंड हार्बर पुलिस की लगातार निगरानी और मोबाइल टावर ट्रैकिंग के जरिए ओडिशा के कोरापुट जिले से तीनों

आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के नाम मुजाहिद मोल्ला (मंदिर बाजार थाना क्षेत्र), मोहम्मद हबीब (बजबज थाना क्षेत्र) और रहान मंडल (बसंती थाना क्षेत्र) है। पूछताछ के बाद संग्रामपुर इलाके से लगभग 1 किलो से अधिक सोने के गहने बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत 40-50 लाख रुपये के बीच है। इसके अलावा, दो बैंक लूट की घटनाओं से संबंधित 60,000 नकद भी बरामद हुए हैं। फिलहाल तीनों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं और उनसे आगे की पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन घटनाओं में और कौन-कौन शामिल था।

श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम में चार दिवसीय सांवरिया राखी मेला 19 जुलाई से

हावड़ा : घर से काम करने वाली महिलाओं को उनके उत्पादों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से 11 वर्ष पूर्व श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम के विशेष सहयोग से ममता कलेक्शन की देखरेख में शुरू हुआ 'सांवरिया राखी मेला' इस बार श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम के वातानुकूलित सभागार में 19 जुलाई से आरम्भ होकर 22 जुलाई तक चलेगा । सावंरिया राखी मेला की संयोजिका श्रीमती ममता भुवालका ने बताया कि एक ही छत के नीचे सिंधारा व राखी के लिए आवश्यक सम्पूर्ण चीजों को उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से आयोजित इस 4 दिवसीय राखी मेला का शुभ उद्घाटन परम श्रद्धेय भागवत मर्मज्ञ पं. श्री मालीराम जी शास्त्री के पावन सान्निध्य, श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम के प्रबंध न्यासी श्री बिनोद टिबड़ेवाल, सुविख्यात भजन प्रवाहिका करिश्मा चावला, श्रेयश्री की प्रमुख श्रीमती पायल गोयनका, फ्रोस्टेड डिलाइट की प्रमुख ख्याति झाझरिया व अन्य गणमान्य लोंगो की उपस्थिति में होगा। इस मेला में लगभग 40 स्टॉल लग रहे हैं जिनमें रियल डायमंड ज्वैलरी, साड़ीज, रेडी सलवार सूट्स, कुर्तीज, वेस्टर्न वीयर, शर्ट, आर्टिफिसियल व बॉलीवुड कॉस्ट्यूम ज्वैलरी, राखी, गिफ्ट आइटम, होम डेकोर, भगवान की पौषाक इत्यादि अन्य सामानों का अतुलनीय संग्रह उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेगा। यह प्रदर्शनी सह बिक्री प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक चलेगी जिसमें आगन्तुकों का प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

वैद्यावटी में श्रावण मास के लिए श्री शांति जगेश्वर कांवरिया सेवा शिविर का उद्घाटन

हावड़ा : श्रावण मास की पवित्रता को देखते हुए रविवार को वैद्यावटी के चौमाथा रोड स्थित पद्मावती कॉलोनी के निकट श्री शांति जगेश्वर कांवरिया सेवा शिविर का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी राजेंद्र बाबू (जान बाजार ट्रस्ट) और सुमा साव (बासु इंटरनेशनल) ने संयुक्त रूप से सेवा शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। साहू बंधु द्वारा संचालित यह सेवा शिविर तारकेश्वर पथगामी कांवरियों की सुविधा के लिए स्थापित किया गया है, जो पूरे सावन माह के दौरान हर शनिवार और रविवार श्रद्धालुओं की सेवा करता है। इसके संस्थापक विजय साव, अजय साव, संजय साव और उदय साव (बासु इंटरनेशनल) निरंतर सेवा कार्यों में लगे हुए हैं। शिविर में अनेक सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं सहयोग कर रही हैं, जिनमें प्रमुख हैं: शेवड़ाफुली साहू समाज, साहू कल्याण सेवा समिति (टालीगंज), दुर्गापुर साहू समाज, शोभा बाजार साहू समाज, बहु बाजार साहू समाज, जान बाजार साहू समाज, कमरहट्टी बेलघरिया साहू समाज, आदर्श घोला साहू समाज, बेलियाहट्टा साहू समाज, श्री बाबा भूतनाथ सेवा संघ, साहू विकास ट्रस्ट, गोडिया साहू समाज, बैरकपुर साहू समाज, दक्षिण 24 परगना आदर्श साहू समाज, भारतीय जन कल्याण सेवा संघ, सेंट्रल हावड़ा सामाजिक उद्यान समिति (साहू संघ), साल्टलेक साहू समाज, हावड़ा भारतीय साहू समाज, तोप्सिया तिलजला साहू समाज, युवा मंच एवं महिला संगठन शामिल हैं। इन सभी सहयोगी संस्थाओं द्वारा कांवरियों को चाय, शरबत, जलपान, भोजन, विश्राम, शौचालय एवं चिकित्सा जैसी सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जा रही हैं।

हावड़ा नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के वेतन और अन्य समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के वेतन को लेकर लंबे समय से समस्या बनी हुई है। साथ ही, स्थायी सफाई कर्मचारियों में से यदि कोई निधन हो जाता है, तो उसके स्थान पर उसके परिवार के किसी सदस्य को नौकरी नहीं दी जा रही है, इस बात का भी आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, अस्थायी सफाई कर्मचारी विभिन्न सुविधाओं से वंचित रह रहे हैं, ऐसा भी आरोप है। ऐसी कई समस्याओं को लेकर बुधवार दोपहर को हावड़ा नगर निगम में अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के प्रतिनिधि नगर आयुक्त से मिले। संघ की अध्यक्ष हेमा मल्लिक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने नगर आयुक्त बंदना पोखरियाल से बातचीत की। दूसरी ओर, इसी दिन नगर निगम में प्रवेश करते समय कंट्रोलर ऑफ फाइनेंस के सामने सफाई कर्मचारी प्रदर्शन करते नजर आए। उन्होंने तत्काल वेतन संबंधी मांगें पूरी करने की जिद की। संगठन की अध्यक्ष हेमा मल्लिक ने बताया कि आज डिप्युटेशन दिया गया है। नगर निगम की ओर से हमें समय मांगा गया है, लेकिन यदि स्थिति का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो सफाई कर्मचारियों का संगठन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दे चुका है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने 2025 के लिए एआई-संचालित ओएलईडीइवो और क्यूएनईडीइवो टीवी किए लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भारत में अपनी नई 2025 ओएलईडीइवो और क्यूएनईडीइवो टीवी रेंज लॉन्च की है, जो अल्फा एआई प्रोसेसर जेन2 से लैस हैं। ये टीवी बेहतरीन पिक्चर क्वालिटी, इमर्सिव साउंड और उन्नत एआई पर्सनलाइजेशन के साथ स्मार्ट टीवी अनुभव को नई ऊंचाई पर ले जाते हैं। एलजी के मीडिया एंटरटेनमेंट सॉल्यूशन डायरेक्टर ब्रायन जंग के अनुसार, ये टीवी उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को समझते हुए व्यक्तिगत कंटेंट और सेटिंग्स प्रदान करते हैं। ओएलईडीइवो रेंज में ब्राइटनेस बूस्टर अल्टीमेट और एआई-साउंड प्रो टेक्नोलॉजी शामिल है, जबकि क्यूएनईडीइवो मॉडल मिनी एलईडी तकनीक और डायनामिक क्यूएनईडी कलर सॉल्यूशन के साथ आते हैं। दोनों रेंज 4के रिजॉल्यूशन, डॉल्बी विजन, डॉल्बी एटमॉस और वेबओएस रीः नए प्लेटफॉर्म को सपोर्ट करती हैं। ये टीवी गेमिंग के लिए 165एचजेड रिफ्रेश रेट और एनवीआईडीआईए जी सिंक, एएमडी फ्रीसिंक से लैस हैं। 2025 की ये नई टीवी रेंज जुलाई से ऑनलाइन और रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगी।

इंडियन रेसिंग फेस्टिवल ने मुंबई में ऐतिहासिक ड्राइवर ड्राफ्ट के साथ शुरूआत की

कोलकाता, समाज्ञा : इंडियन रेसिंग फेस्टिवल ने मुंबई में ऐतिहासिक ड्राइवर ड्राफ्ट के साथ 2025 सीजन की शानदार शुरुआत की है। इंडियन रेसिंग लीग ने अपने पहले ड्राफ्ट के जरिए छह फ्रैंचाइजी टीमों में 24 ड्राइवरों का चयन किया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय चैंपियन, भारतीय प्रतिभाएं और महिला रेसर्स शामिल हैं। मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में टीम मालिक, लीग अधिकारी और मीडिया मौजूद थे। हर टीम ने चार ड्राइवरों का संतुलित चयन किया है। जिसमें एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय ड्राइवर, एक उभरता हुआ प्रतिभाशाली ड्राइवर, एक घरेलू भारतीय और एक महिला ड्राइवर शामिल है। इस ड्राफ्ट के जरिए भारतीय मोटरस्पोर्ट्स में पारदर्शिता और संरचना को बढ़ावा मिला है। प्रमुख ड्राइवरों में नील जानी, जॉन लैनकास्टर, राउल हाइमन, रूहान एल्वा, सोहिल शाह, और महिला रेसर्स फैबिएन वोहलवेंड, गैब्रिएला जिलकोवा शामिल हैं। 2025 सीजन अगस्त में शुरू होगा और देशभर के स्थायी और शहरी ट्रैक्स पर रेस आयोजित होंगी।

समुद्र निगल गया सड़क और बिजली के खंभे, संकट में गंगासागर का कपिल मुनि मंदिर

सागर : गंगासागर से आई तस्वीरें चिंता और भय पैदा कर रही हैं। बंगाल की खाड़ी में उठती विशाल लहरों और लगातार तेज ज्वार के कारण कपिल मुनि मंदिर परिसर के सामने की सड़क और बिजली के खंभे समुद्र में समा गए हैं। बुधवार सुबह एक नंबर स्नान घाट से श्मशान तक लगभग आधा किलोमीटर लंबी ईंटों की सड़क समुद्र की लहरों में टूटकर समा गई। ज्वार के तेज बहाव के कारण बड़े-बड़े बिजली के खंभे भी गिर गए।

स्थानीय निवासियों में भारी दहशत है। लोगों ने अपने घर छोड़ सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन शुरू कर दिया है। गंगासागर के कपिल मुनि मंदिर के सामने समुद्र लगातार कटाव कर रहा है। राज्य सरकार द्वारा समुद्र

कटाव रोकने के लिए पूर्व में कई प्रयास किए गए थे, लेकिन वो सारे प्रयास अब नाकाफी साबित हो रहे हैं।

स्थानीय निवासी मर्जिना बीबी ने बताया, हर दिन समुद्र की बड़ी लहरें सबकुछ तोड़ रही हैं। सड़क और बिजली के खंभे टूटकर बह गए हैं। अब आगे क्या होगा, कुछ नहीं पता। थोड़े बहुत जो काम किए गए थे, वे भी समुद्र में समा गए हैं। केवल अस्थायी उपायों से कुछ नहीं होगा, हमें स्थायी समाधान चाहिए।

गंगासागर ग्राम पंचायत के उपप्रमुख हरीपद मंडल ने कहा, राज्य सरकार के सीमित संसाधनों में जितना हो पा रहा है, किया जा रहा है। मिट्टी के बांध बनाए जा रहे हैं, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। कपिल मुनि मंदिर और सनातन धर्म की रक्षा के लिए केंद्र सरकार को इस कार्य में सहयोग देना चाहिए। केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल से ही कंक्रीट का स्थायी बांध बनाया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो आने वाले समय में कपिल मुनि मंदिर का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा।

फिलहाल, बिजली विभाग द्वारा गिरे हुए बिजली के खंभों से बिजली सेवा बंद कर दी गई है ताकि किसी दुर्घटना से बचा जा सके। हालांकि प्रशासन और स्थानीय लोगों के मन में बड़ा सवाल यही है – क्या कपिल मुनि को समंदर से बचाया जा सकेगा?

कोलकाता में पहली बार मैथिली कवियत्री सम्मेलन का आयोजन

कोलकाता : लोगों में मैथिली के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए एवं महिला सशक्तिकरण के लिए बंगवासी मैथिल उन्नयन समिति, कोलकाता द्वारा मैथिली कवियित्री सम्मेलन एवं मैथिली गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को कोलकाता के मुकुंदपुर दसपारा इलाके में किया गया। जहां कोलकाता में रहने वाले मैथलानी कवियित्रियों ने हिस्सा लिया। जिनमें हिमाद्री मिश्र, नीलम झा, रंजना झा, तृप्तिचौधरी, सुनीता झा, रचना मिश्र, पूनम दास, अंतर मिश्र, किरण, श्रुति झा एवं सोनम कुमारी ने मैथिली कविताओं का पाठ किया। उक्त अवसर पर मैथिली गीत गायन प्रतियोगिता में डेजी झा, माधुरी झा, विभा झा, रिंकू झा, गायत्री झा, उषा झा, विणा झा, सोनम झा ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बंगवासी मैथिल उन्नयन समिति, कोलकाता के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने अहम भूमिका निभाई। समिति के मोहन झा ने बताया कि यह पहली बार है जब किसी संस्था ने कोलकाता में मैथिली कवियत्री सम्मेलन का आयोजन किया है।

ममता बनर्जी के नेतृत्व में बंगालियों के सम्मान की पदयात्रा

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आह्वान पर सोमवार को कॉलेज स्क्वायर से धर्मतल्ला तक एक विरोध पदयात्रा आयोजित की गई। यह पदयात्रा बंगाली समुदाय के साथ हो रहे कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ जनप्रतिवाद के रूप में निकाली गई। इस मार्च में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी, उत्तर कोलकाता के सांसद सुदीप बंदोपाध्याय तथा जोड़ासांको के विधायक विवेक गुप्ता, उत्तर कोलकाता जिला तृणमूल युवा कांग्रेस के सभापति शांति रंजन कुंडू के निर्देश पर वार्ड 42 तृणमूल युवा कांग्रेस के सभापति दीपक निगानियां, अनिल मिश्रा, लालू मिश्रा, अमृत पाण्डेय, प्रेम दुबे, विजय शर्मा, आबिद हुसैन, ओमप्रकाश शर्मा, कृष्णा श्रीवास्तव, दीपक सिंह, मनीष झांझरिया, नवल मंडल, ओम गुप्ता और आदित्य कुमार शामिल थे।

मदरसों में ग्रुप-डी कर्मियों की नियुक्ति का रास्ता साफ, कलकत्ता हाईकोर्ट से मिली मंजूरी

कोलकाता : लंबे इंतजार के बाद अंततः मदरसा सर्विस कमिशन में ग्रुप-डी कर्मियों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पार्थसारथि सेन ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी। अदालत ने निर्देश दिया है कि अगले 21 दिनों के भीतर इस भर्ती का परिणाम प्रकाशित किया जाए।

गौरतलब है कि 2010 में तत्कालीन वाम सरकार के शासनकाल में राज्य के मदरसों में ग्रुप-डी कर्मियों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी हुई थी। इसके बाद परीक्षा का आयोजन हुआ, लेकिन परीक्षा की प्रक्रिया को लेकर कई उम्मीदवारों ने सवाल खड़े किए और अदालत का रुख किया।

नतीजा यह हुआ कि एक के बाद एक कई मुकदमे दर्ज हुए, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह ठप हो गई। इसके बाद फिर से परीक्षा आयोजित की गई, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं लिया।

पिछले 15 वर्षों से यह नियुक्ति प्रक्रिया कानूनी पचड़ों में उलझी रही। अब हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद 292 रिक्त पदों पर नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है और उम्मीदवारों में उम्मीद की किरण जगी है।

जानकारों के अनुसार, इस फैसले के बाद अब नियुक्ति प्रक्रिया में कोई कानूनी बाधा नहीं रह गई है।

हाई कोर्ट ने माता-पिता व बहन की हत्या के जुर्म में शिक्षक की मौत की सजा को उम्रकैद में बदला

निचली अदालत ने दोषी को सुनाई थी मौत की सजा

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने माता-पिता व बहन की हत्या के जुर्म में एक शिक्षक की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। बता दें कि पिछले साल हुगली के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने शिक्षक प्रोमथेश घोषाल को मौत की सजा सुनाई थी। इस फैसले को चुनौती देते हुए प्रोमथेश ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने दोषी की मौत की सजा को बदल कर आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2021 में हुगली के धनियाखाली के दशघड़ा गांव में घर से प्रोमथेश के माता-पिता के रक्तरंजित शव बरामद हुए थे। प्रोमथेश दरवाजे के पास पड़ा था। उसकी बहन का शव बगल के कमरे से बरामद हुआ। उसने अपने माता-पिता और बहन के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार करके उनकी हत्या कर दी। बाद में, उसने उनकी नसें काट दीं। अंत में, प्रोमथेश ने खुद आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, वह बच गया। प्रोमथेश गणित का ट्यूटर था। इससे उसकी अच्छी कमाई भी थी। स्थानीय लोगों का दावा है कि शराब की लत के कारण प्रोमथेश के पिता असीम घोषाल को लीवर की गंभीर बीमारी हो गई थी। प्रोमथेश को दवाओं पर हर महीने लगभग 30 हजार रुपये खर्च करना पड़ता था। उसकी बहन पल्लवी घोषाल की शादी पूर्व बर्दवान में हुई थी। वह भी बीमार रहती थी। इसलिए प्रोमथेश को उसकी भी आर्थिक मदद करनी पड़ती थी। कोरोना काल में प्रोमथेश की आय कम हो गई थी। वह अपनी बहन को आर्थिक मदद और अपने पिता की दवा के पैसे जुटाने के लिए संघर्ष कर रहा था। इस वजह से परिवार में अशांति थी। प्रोमथेश ने खुद पुलिस को बताया कि वह अब अपने माता-पिता और बहन का बोझ नहीं उठा सकता। वह इस बात को लेकर चिंतित था कि अगर उसे कुछ हो गया तो उसके बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल कौन करेगा। इसलिए उसने सब कुछ खत्म करने का फैसला कर लिया। वकील सौमजीत दास महापात्र ने हाई कोर्ट में दोषी की पैरवी की।

जोड़ों का दर्द: एक समस्या

डा. गीतू नवानी

जोड़ों के दर्द की परेशानी से अधिकतर बुजुर्ग परेशान रहते हैं। बस अंतर इतना है कि पहले उम्र के साथ इस परेशानी को झेलना पड़ता था। अब हमारी जीवन शैली ऐसी है कि छोटी उम्र में भी यह परेशानी का सबब बन चुकी है। आधुनिक जीवन की देन जोड़ों का दर्द अब घर-घर में अपने पांव पसारता जा रहा है।

प्रश्न यह है कि जोड़ों का दर्द क्यों होता है। जब हमारे जोड़ों में सूजन और लाली आ जाती है तो उन जोड़ों का मुड़ना सीमित हो जाता है। अधिक मोड़ने पर तकलीफ ज्यादा होने लगती है। विशेषकर यह तकलीफ प्रातः उठने के समय ज्यादा होने लगती है। जोड़ों के दर्द का अर्थ ही उस स्थान पर आई सूजन है जिससे वहां रक्त संचार सुचारू रूप से नहीं हो पाता। घुटनों में दर्द कार्टिलेज के घिसने से भी होता है।

जोड़ों के दर्द के प्रकार:-

ऑस्टियो आर्थराइटिस:-

यह उम्र के साथ हड्डियों के घिसने से होता है। इसमें जोड़ों में दर्द व कार्यक्षमता में कमी आ जाती है। यह उचित समय पर उचित खानपान न लेने से होता है। यह अधिकतर महिलाओं में होता है। ऐसे में कभी कभी जोड़ों में दर्द बर्दाश्त से बाहर हो जाता है और उठने बैठने में मुश्किल होती है।

रयूमेटायड आर्थराइटिस:-

यह महिलाओं में अधिक होता है पर पुरूषों को भी हो सकता है। यह आनुवंशिक भी है और वायु प्रदूषण, बैक्टीरिया, वायरस और कीटनाशी रसायनों के संपर्क में आने से हो सकता है। इसमें रोगी की स्थिति बिगड़ती जाती है। यह दर्द उंगलियों, कलाइयों, पैरों, टखनों, कूल्हों, कंधों आदि में कहीं भी हो सकता है। शरीर में इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है।

स्पांडिलाइटिस:-

यह बीमारी हमारी आधुनिक जीवनशैली की देन है जो लंबे समय तक हमारा साथ नहीं छोड़ती। इसे स्पांडिलाइटिस के नाम से भी जाना जाता है। स्पांडिलाइटिस में रीढ़ की हड्डी में सूजन की शिकायत होती है। इससे रोगी को गर्दन को दाएं-बाएं, ऊपर नीचे करने में समस्या होती है। रीढ़ की हड्डियों की असामान्य बढ़ोत्तरी से वर्टेबरा के बीच के कुशन में कैल्शियम की कमी का होना या अपने स्थान से सरकने की वजह से होती है।

यह महिलाओं और पुरूषों दोनों में होती हे। आजकल युवा इसके अधिक शिकार हो रहे है। इससे अधिकतर आई टी इंडस्ट्री और बीपीओ के काम करने वाले प्रभावित होते हैं। गर्दन के क्षेत्रा में, कंधे के ब्लेड शोल्डर,बाजू आदि में जो दर्द होता है, उसे सर्वाइकल स्पांडिलाइटिस कहते हैं। लगातार गर्दन को झुका कर काम करना, अधिक बोझ उठाना, गलत तरीके ये सोने पर गर्दन का दर्द परेशान करता है।

कारण:-

◆ हार्मोन्स के बदलाव के कारण भी जोड़ों में दर्द हो सकता है जैसे थायरायड आदि।

◆ कैल्शियम, विटामिन सी,डी और आयरन की कमी के कारण भी जोड़ों में दर्द हो सकता है। कई बार मिनरल्स का शरीर में सही रूप से अवशोषित न होना भी इसका कारण होता है।

◆ लंबी बीमारी होने के कारण हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है जिससे जोड़ों के दर्द की परेशानी हो जाती है।

◆ मोटापा जोड़ों के दर्द का बहुत बड़ा कारण है।

◆ वंशानुगत कारणों से भी इस बीमारी का होना आम है। 50 प्रतिशत आर्थराइटिस वंशानुगत होता है।

◆ जोड़ों में सुचारू रूप से आक्सीजन की कमी का होना भी इसकी मुख्य वजह है।

जोड़ों के दर्द के लक्षण दिखाई देने पर हमें इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जब भी दो तीन दिन से अधिक दर्द बना रहे तो हमें डाक्टर से जांच करवा लेनी चाहिए। डाक्टर की सलाह के अनुसार रक्त की जांच, एक्सरे, एमआरआई करवा कर सही इलाज करवाना चाहिए। दर्द का कारण पता चलने पर हमें अपने लाइफस्टाइल खान-पान, सही पाश्चर को अपने जीवन का मुख्य अंग बना लेना चाहिए।

शुरूआत में हम थोड़े दर्द को कुछ क्रियाओं की सहायता से नियंत्रित कर सकते हैं -

◆ दर्द होने पर अपनी जीवनशैली को एकदम निष्क्रिय न बनाएं। आराम करें पर थोड़ा बहुत काम और व्यायाम करें ताकि दर्द टिक न जाए।

◆ योग के कुछ आसन आपके जोड़ों को सक्रिय बनाते हैं। ठीक होने पर उन्हें नियमित रूप से करें जैसे सूक्ष्म क्रियाएं, स्टेक्रचिंग, जोड़ों को सही रूप से घुमाना, प्राणायाम आदि किसी विशेषज्ञ की निगरानी में शुरू में करें। समझ आने के बाद स्वयं समय निकालकर करें।

◆ वजन घटाएं।

◆ खाने में कैल्शियम और प्रोटीन की मात्रा डाक्टर के कहे अनुसार बढ़ाएं।

◆ हरी सब्जियां, फल, सलाद का सेवन नियमित करें।

◆ खट्टी चीजों का सेवन, बासा और पहले से प्रिजर्व किया खाना न खाएं।

◆ धूम्रपान, अल्कोहल,ठंडे पेय पदार्थों का सेवन न करें।

◆ दर्द होने पर गुनगुने पानी से स्नान करें। एअर कंडीशनर, कूलर में न बैठें, न सोएं।

◆ सही समय पर पौष्टिक आहार लें।

◆ दर्द निवारक दवाओं का सेवन डाक्टर की सलाह पर ही करें। दर्द निवारक दवाएं हमारी किडनी और लिवर पर दुष्प्रभाव डाल सकती हैं। आराम करें। डाक्टर की सलाह अनुसार ठंडे और गर्म पानी की टकोर करें। (स्वा. द.)

महिलाओं में अनिद्रा की समस्या

सोनी मल्होत्रा

अनिद्रा की समस्या के पीछे कई कारण जुड़े हैं जैसे दिमागी तनाव, चिंता आदि। अक्सर नींद न आने पर लोग नींद की गोलियों का सेवन करते हैं पर यह अनिद्रा का स्थायी उपचार नहीं, सिर्फ तात्कालिक समाधान है। जब व्यक्ति लंबे समय तक नींद की गोलियां लेता रहता है तो एक समय पश्चात् नींद की गोलियां भी अपना असर खोने लगती हैं और इन गोलियों की अधिक खुराक लेनी पड़ती है। कभी-कभी तो यह भी प्रभावकारी सिद्ध नहीं होती इसलिए बेहतर है कि आप निद्रा का स्थायी उपचार खोजें।

अच्छी नींद के लिए सबसे उपयोगी है नियमित दिनचर्या। समय पर सोएं, समय पर उठें। अनिद्रा को जन्म देने वाली आदतों को दूर करें। देर रात तक टी. वी. देखना आजकल एक फैशन और आदत बन चुकी है। यह आदत जब रूटीन बन जाती है तो देर रात तक भी आपको नींद नहीं आती। बिस्तर पर लेट तो जाते हैं पर करवटें बदलते रहते हैं। फिर देर रात जब आपको नींद आती है तो आप सुबह देर से जागते हैं।

सुबह देर तक सोने की आदत तो बिलकुल नहीं डालनी चाहिए क्योंकि इससे अनिद्रा की समस्या को बढ़ावा मिलता है। अगर आप सुबह सही समय पर जाग जाते हैं तो अगली रात सही समय पर नींद आने की संभावना बढ़ जाती है।

अनिद्रा का एक प्रमुख कारण चिंता व तनाव भी है। थोड़ी-बहुत चिंता, तनाव हर किसी की जिंदगी में हैं पर अधिक चिंता, तनाव, शंकाएं व्यक्ति की नींद को उड़ा देती हैं। अक्सर देखा गया है कि महिलाएं अधिक चिंताओं व तनाव से घिरी रहती हैं और पुरूष कम, इसीलिए पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं को अनिद्रा का सामना अधिक करना पड़ता है। चिंता करते रहने से समस्याओं का समाधान नहीं होता, यह हम सभी जानते हैं इसलिए समस्याओं को निपटाने के लिए चिंता न करके उनका हल खोजें।

इसके अतिरिक्त एक अन्य काम करें। रात को सोने से पूर्व अपनी सभी परेशानियों व चिंताओं को लिख डालें। एक डायरी बनाएं और पहले अपनी चिंताओं को लिखें और फिर इनके समाधान के उपायों को और अपनी चिंताओं को कल पर छोड़कर अच्छी नींद लेने का प्रयत्न करें।

कई बार शोर-शराबा भी नींद न आने का कारण बन जाता है। पत्नी को जल्दी सोने की आदत है और पति देर रात तक टी. वी. देख रहे हैं। खुद तो अपनी नींद खराब कर रहे हैं, पत्नी की नींद में भी खलल डाल रहे हैं। इसलिए आपको अच्छी नींद के लिए थोड़े कड़े शब्दों का प्रयोग करना पड़ जाए तो करें और टी. वी. बंद करवा दें। वैसे तो बैडरूम में टी.वी. होना ही नहीं चाहिए। ड्राइंग रूम ही टी. वी की सही जगह है।

कई महिलाओं में यह भी आदत होती है कि घर-गृहस्थी के कामों को निपटाते-निपटाते ही आधी रात हो जाती है, भले ही इससे उन्हें कई स्वास्थ्यगत समस्याओं का सामना क्यों न करना पड़ जाए। अगर आप स्वस्थ हैं तो आपका घर परिवार खुशहाल है। अगर आप ही अस्वस्थ होंगी तो भला दूसरों के क्या काम आएंगी, इसलिए अच्छी नींद लें ताकि आपका स्वास्थ्य अच्छा रहे और आप अपने परिवार की देखभाल भी अच्छी तरह कर सकें।

सोने से पूर्व हाथ पैर अच्छी तरह से धोएं तो भी अच्छी नींद आती है। अच्छी नींद के लिए हर मौसम में सदैव सूती चादरों का ही प्रयोग करें। यदि आप को किसी रात अच्छी नींद नहीं आई है तो दिन में बहुत अधिक मत सोइए या झपकी मत लीजिए। यदि रात में आपकी आंख खुल जाए तो बिस्तर पर लेटे-लेटे शरीर को ढीला छोड़ दीजिए और फिर सोने की कोशिश कीजिए। पढ़िए, संगीत सुनिए। जब धीरे-धीरे नींद आने लगे तो सो जाइए।

सोने के समय से कुछ समय पहले ही गरिष्ठ भोजन मत कीजिए। रात को हल्का भोजन लें। वैसे यह समझा जाता है कि शराब से अच्छी नींद आती है पर इस निद्रा से जल्द ही जाग पड़ने की संभावना रहती है। नशीली दवाओं से भी अल्पकालिक निद्रा आती है। शरीर को जब इन नशीली दवाओं की आदत पड़ जाती है तो इन्हें न खाने पर व्यक्ति शरीर में बेचैनी अनुभव करता है इसलिए शराब व नशीले पदार्थों का सेवन न करें। रात को सोने से पूर्व चॉकलेट, पनीर, कॉफी, चाय आदि भी न लें। ये भी नींद आने में बाधा डालते हैं।

यदि सोने के समय आप तनाव अनुभव कर रहे हैं तो आप अपने शरीर की मांसपेशियों को धीरे-धीरे तानें, फिर शरीर को ढीला छोड़ दीजिए। सोते समय मन शांत करने वाले विषयों के बारे में सोचें। भगवान का नाम लें। इससे भी मन शांत होता है। (स्वा. द.)

पीलिया खतरनाक भी हो सकता है

सीतेश कुमार द्विवेदी

पीलिया बरसात एवं ग्रीष्म के मौसम में कभी भी किसी को भी हो सकता है। यह मुख्यतः लिवर के संक्रमित होने से होता है। इसको लेकर अंधविश्वास एवं भ्रांतियां अधिक हैं।

हर शहर व कस्बे में झाड़ फूंक एवं टोटके या नुस्खे देने वाले ऐसे अनेक मिल जाते हैं पर यह पीलिया खानपान में सावधानी बरतने पर अपनी अवधि के दौरान शरीर पर पीला रंग दिखाकर अपने आप ठीक हो जाता है। फिर भी पीलिया की स्थिति में डॉक्टर को दिखाना, दवा व सलाह लेना उचित होता है अन्यथा यह खतरनाक भी हो सकता है।

लक्षण:- किसी को पीलिया होने पर उसका सर्वांग पीला-पीला हो जाता है। सबसे पहले उसकी आंखें पीली-पीली सी दिखती हैं, फिर नाखून, दांत, त्वचा, जीभ सबमें पीलापन नजर आने लगता है। वह जिस बिस्तर में सोता है जो रूमाल व कपड़ा उपयोग करता है, वह भी पीलापन लिए नजर आता है। उसका पेशाब व मल भी पीला हो जाता हैं।

पीलिया के आरंभ होने पर उसके मल का शुरूआती रंग सफेद होता है जो बाद में पीला होने लगता है। पीड़ित को हाथ-पैर में दर्द होता है। ज्वर चढ़ जाता है। अधिक प्यास लगती है एवं इंद्रियां निर्बल हो जाती हैं। वह उठने-बैठने से भी लाचार हो जाता है। कोई सहारा लेकर वह ऐसा कर पाता है। पेट में दर्द, डकार व भूख न लगने की शिकायत करता है।

यह अधिकतर लिवर संक्रमण की स्थिति में होता है। यह बैक्टीरिया व वायरस के माध्यम से होता है जो खुले में रखे खाद्य या पेय पदार्थों के माध्यम से फैलता है। यह गंदे व संक्रमित पानी के माध्यम से भी होता है। मक्खियां

व कीड़े इसके संवाहक हैं। यह नवजात शिशु को भी होता है पर उसका कारण बाहरी, या संक्रमण न होकर दूसरा होता है।

यह पित्त नली में रूकावट से भी हो सकता है और शराब की अधिकता के कारण भी होता है। कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव के कारण भी यह होता है जबकि कुछ बच्चों को मिट्टी खाने के कारण लिवर के संक्रमित होने से होता है। इसका किसी को दूसरी बार प्रकट होना अत्यधिक खतरनाक होता है। यह तीव्र हो जाने पर पित्तवाहिनी, आमाशय, तिल्ली, पित्ताशय व पेट आदि शरीरांगों की कार्य विधि में रूकावट डालता है।

बचाव से परहेज जरूरी:- पीलिया हो जाने पर बचाव में परहेज अधिक महत्त्व रखता है। गरिष्ठ वस्तुएं जैसे मैदे व उड़द की दाल से बचें। पेट में जलन करने वाले पदार्थ न खाएं। तली-भुनी व तेल-घी वाली वस्तुएं न खाएं। तेज मिर्च-मसाला व लाल मिर्च से बचें। मांसाहार व धूम्रपान पूरा छोड़ दें। खोवा, मिठाई जैसी भारी वस्तुएं नहीं खाएं। शक्कर, चीनी, गुड़ का भी उपयोग न करें। अधिक श्रम न कर आराम करें।

क्या खाएं:- साफ उबला पानी पिएं या मिनरल वाटर लें। नारियल पानी, जामुन का रस, गन्ने का रस, जौ का पानी, शुद्ध शहद आदि जैसा पेय लें। मट्ठे में नमक, जीरा डालकर लें। हल्का, सादा, सुपाच्य, गर्म व कम भोजन करें। काली मिर्च, नमक, नींबू, भुने चने लाभदायी हैं।

अरहर की दाल, मूंग की दाल, खिचड़ी, दलिया, गेहूं, चावल जौ वस्तुएं खाद्य पदार्थ में हों। लौकी, करेला, मूली, गोभी, मीठा नींबू, संतरा, आम, मौसमी, अरबी, आलू , पालक, पपीता, शकरकंद, जिमिकंद, बादाम, चुकंदर, मिसरी, पिप्ल चूर्ण ले सकते हैं।

भ्रांतियां:- पीलिया को लेकर अंधविश्वास, नुस्खेबाजी, टोटके, झाड़-फूंक अधिक प्रचलित हैं पर इसमें दम नहीं है। भ्रांतियों में पीली दाल खाने, हल्दी का उपयोग करने, पीला कपड़ा पहनने से, घर में छौंक देने आदि से रोका जाता है। धारणा यह है कि ऐसा करने से पीलिया बढ़ता है जबकि ऐसा कुछ नहीं है। यह अपनी अवधि पूरी कर अपने आप ठीक हो सकता है।

खान-पान, परहेज पर ध्यान देना जरूरी है। दाल, प्रोटीन का श्रेष्ठ माध्यम है। उड़द दाल को छोड़ कोई भी दाल खाने से उसका प्रोटीन लिवर की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को ठीक करता है एवं उसकी कार्य-क्षमता बढ़ाता है, अतएव यह अवश्य खानी चाहिए। (स्वा. द.)

स्कूल में दाखिले से पहले बच्चों के लिए जरूरी है बूस्टर डोज : विशेषज्ञ

कोलकाता, समाज्ञा :

देश में बाल टीकाकरण को मजबूत करते हुए चिकित्सा विशेषज्ञों ने 4 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों को स्कूल में दाखिले से पहले डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टूसिस और पोलियो की बूस्टर खुराक दिलाने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि शैशवावस्था में मिले टीकों की प्रतिरक्षा समय के साथ कम हो जाती है, जिससे स्कूल शुरू करने वाले बच्चों में गंभीर संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अनुसार, डीटीपी और पोलियो टीके शिशु अवस्था में दिए जाते हैं, लेकिन 4-6 वर्ष की उम्र में बूस्टर डोज देना आवश्यक होता है। डॉ. लोकेश पांडे के अनुसार, यह डोज़ बच्चों की प्रतिरक्षा को फिर से सक्रिय करती है और लंबे समय तक सुरक्षा देती है। भारतीय बाल रोग अकादमी संयोजन टीकों की सिफारिश करती है जो कई बीमारियों से एक साथ बचाते हैं। स्कूल प्रवेश का समय बच्चों के टीकाकरण रिकॉर्ड की जांच और अद्यतन का उपयुक्त अवसर है। यह एक सार्वजनिक कल्याण पहल है, जिसे सनोफी और डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज लिमिटेड द्वारा समर्थित किया गया है।

दवा से भी हो सकता है अल्सर

सिद्धार्थ शंकर

ताजा अध्ययनों से पता चला है कि सीने की जलन दूर करने वाली दवाओं के सेवन से पेट के अल्सर का खतरा बढ़ जाता है। अमेरिका के हॉवर्ड ह्यूजेस मेडिकल इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने जांच के समय पाया कि कुछ दवाएं स्टमक एसिड को रोकने में तो बहुत अच्छी होती हैं लेकिन पेट के लिए खतरनाक होती हैं।

डॉक्टरों द्वारा सीने की जलन शांत करने के लिए जो दवाएं लिखी जाती हैं उन्हें मेडिकल की भाषा में 'प्रोटॉन पम्प इन्हीबिटर्स, कहते हैं। इनके सेवन से पेट में अलसर का खतरा बढ़ जाता है। इसका कारण यह

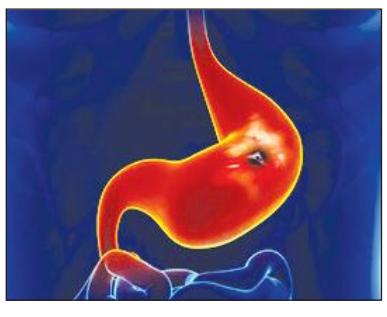

बताया गया है कि सीने में जलन, पेट में एसिड बढ़ने के कारण होती है और इसे खत्म करने के लिए जो दवा दी जाती है, वह पेट का एसिड तो खत्म कर देती है।

इसका परिणाम यह होता है कि हानि पहुंचाने वाले बैक्टीरिया एसिड के अभाव में पेट में तेजी से बढ़ते हैं। इन पर नियंत्राण करना शरीर के लिए मुश्किल हो जाता है। ये बैक्टीरिया पेट की सतह पर चिपक कर अल्सर का कारण बनते हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि इनसे बचने के लिए लगातार दस से बारह दिन दवा लेने के बाद दवा लेना बन्द कर देना चाहिए। ऐसा करने से पेट में एसिड बनने की क्रिया फिर शुरू हो जाती है जो इन बैक्टीरिया को नियंत्राण में रखती है।(स्वा. द.)

जूस या फ्रूट - सेहत के लिए क्या बेहतर

नीतू गुप्ता

बहुत सारे लोगों को दुविधा रहती है कि फ्रूट खाया जाए या ताजा फ्रूट जूस पिया जाए। क्या बेहतर है, समझ नहीं पाते। वैसे दोनों के अपने अपने गुण हैं। फल खाने से शरीर को रेशा बहुत मिलता है पर जूस सीधे शरीर में पहुंचकर ठंडक, ताजगी और ऊर्जा देता है। आइए जानिए कुछ फैक्ट्स कि क्या बेहतर है।

जूस भी सेहत के लिए हैल्दी होता है। उसमें भी उतने ही पोषक पदार्थ होते हैं, जितने फलों में। फलों के रस में फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं जो हमारी सेहत के लिए लाभप्रद होते हैं। वहीं फलों में मौजूद रेशा पेट के लिए अधिक लाभप्रद होता है। जूस पीने से बॉडी के यूरिक एसिड और दूसरे नुकसानदेह केमिकल्स बाहर निकलते हैं जिससे आप ताजगी महसूस करते हैं। फल खाने से पेट साफ रहता है, वजन नहीं बढ़ता।

फ्रूट जूस घर में ही ताजा निकाल कर पीना सेहत के लिए अधिक लाभप्रद होता है। बाहर के जूस में कई बार मीठा करने के लिए अतिरिक्त बूरे का प्रयोग किया जाता है और फ्लेवर देने के लिए एसेंस डाला जाता है जो सेहत को फायदा देने के बजाय नुकसान करता है। घर का जूस अधिक पौष्टिकता लिए होता है।

अगर आप विशेष रोग से ग्रस्त हैं तो डाक्टर की सलाह के बिना फ्रूट जूस न लें क्योंकि कुछ फलों के रस दवा के प्रभाव को कम करते हैं। मिक्स फ्रूट जूस भी डाक्टरी सलाह से लें, जैसे अंगूर,सेब और संतरे का मिक्स जूस हार्ट इंफेक्शन वाले रोगियों को नुकसान पहुंचाता है। अगर जूस डाक्टर बताए तो शुरू में 100 मि.ली जूस ही लें,

फिर धीरे धीरे बढ़ाकर 400 मि.ली से अधिक न पिएं।

पैक्ड जूस में कैलोरीज की मात्रा अधिक होने से वजन बढ़ता है पर एनर्जी लेवल अधिक होता है। पैक्ड जूस पीने से भूख भी बढ़ती है जिससे जो लोग वजन पर नियंत्राण करना चाहते हैं, उनकी मेहनत बेकार हो जाती है।

फलों का रस अधिक पीने से शरीर में शुगर कीं मात्रा बढ़ जाती है और कभी कभी पेट दर्द या दस्त की शिकायत भी हो सकती है क्योंकि शरीर में कैलोरीज की मात्रा अधिक चली जाएगी जो ठीक नहीं।

अगर आप दिन में सेहत के लिए दो बार जूस पीते हैं तो अलग अलग फ्रूट का जूस पिएं ताकि शरीर को कई तरह के पौष्टिक तत्व मिल सकें। एक ही फल का जूस मोटापा लाता है।

जूस का पल्पी होना स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभप्रद है क्योंकि फाइबर्स में कई पोषक तत्व होते हैं। बिना फाइबर वाला जूस नुकसान तो नहीं पहुंचाता पर उतना लाभ नहीं पहुंचाता जो पल्प वाला जूस लाभ देता है।

कई पैक्ड जूस में सार्बिटॉल जैसी शुगर होती है जो पेट संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकती है। विशेषकर चेरी,सेब,नाशपाती जैसे फलों में ऐसा शुगर पाया जाता है। इन फलों के पैक्ड जूस से गैस बन सकती है और डायरिया की संभावना बढ़ती है। पैक्ड जूस डायबिटीज के रोगियों के लिए हानिकारक होते हैं। पैक्ड जूस में फाइबर भी नहीं होता। शरीर जूस जल्दी एब्जार्ब करता है और फल और सब्जियां एब्जार्व होने में समय लगता है। कुछ फलों और सब्जियों के छिलके कैंसर रोकने में मदद करते हैं। दोनों के गुण और अवगुण सामने हैं। आप स्वयं अपनी सेहत के लिए सही चुनाव कर सकते हैं। (स्वा. द.)

सेहत की खबरें

अशोक गुप्ता

वजन कम करने से आती है अच्छी नींद

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि पेट की चर्बी कम करने से न केवल देहयष्टि आकर्षक बनती है बल्कि बेहतर नींद भी आती है। अमेरिका की जान हॉकिन्स यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने 77 ऐसे मोटे लोगों जिन्हें टाईप टू डायबिटीज या प्री डायबिटीज थी, एक शोध में शामिल किया। इन मोटे लोगों को 2 समूहों में बांट दिया गया।एक समूह को व्यायाम करवाने के साथ वजन कम करने वाला आहार दिया गया जबकि दूसरे समूह को केवल वजन कम करने वाला आहार दिया गया।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों की नींद संबंधी आदतों की जानकारी पहले ही विस्तारपूर्वक ले ली गई थी। 6 मास के पश्चात यह पाया गया कि दोनों समूहों के लोगों का वजन लगभग 6.8 किलो कम हुआ था और उनके पेट की चर्बी में 15 प्रतिशत की कमी आई थी। यह भी पाया गया कि दोनों समूहों के लोगों की नींद की स्थिति में काफी सुधार आया था और उनकी नींद के स्कोर में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

शोधकर्ताओं के अनुसार नींद की क्वालिटी में वृद्धि होना शरीर और विशेषतः पेट की चर्बी कम होने के कारण था। भले ही चर्बी आहार कम करने से या आहार और व्यायाम करने से कम हुई हो किंतु यह सिद्ध हो चुका है कि मोटे लोगों में चर्बी कम होने से नींद के स्तर में सुधार आता है।

पैनक्रियाज कैंसर से बचने हेतु धूम्रपान छोड़े

डॉक्टरों का कहना है कि पैनक्रियाज यानी अग्नाशय का कैंसर बहुत दुर्लभ होता है पर इसका पता काफी समय बाद चल पाता है और तब तक यह बेकाबू हो जाता है। इसलिए यह कैंसर हो ही नहीं, इसके लिए लोगों को धूम्रपान से तौबा करने के साथ ही खूब मात्रा में फल और सब्जियों को अपने खाने में शामिल करना चाहिए।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में डा बी. आर अंबेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल में प्रोफेसर और क्लीनिकल आनकोलोजिस्ट डा पी के जुल्का ने बताया कि पैनक्रियाज का कैंसर विभिन्न प्रकार के कैंसर में सर्वाधिक खतरनाक माना जाता है क्योंकि शरीर में जब तक इसका पता चल पाता है, तब तक यह अपनी पकड़ काफी मजबूत कर चुका होता है । उन्होंने बताया कि तंबाकू और धूम्रपान इस कैंसर को न्यौता देने के प्रमुख कारण हैं, इसलिए लोगों में धूम्रपान के खिलाफ जागरूकता पैदा किए जाने की जरूरत है।

चिकित्सकों का कहना है कि पैनक्रियाज कैंसर में पैनक्रियाज के मुहाने पर ट्यूमर होता है जिसे पैनक्रिटिक डक्ट में अवरोध पैदा होता है और पीलिया हो जाता है। ट्यूमर का आकार बढ़ने पर यह समीप की तंत्रिकाओं और अंतड़ियों पर दबाव डालता है। तंत्रिकाओं पर दबाव के कारण पेट के निचले हिस्से में दर्द होता है और अंतड़ियों पर दबाव से भूख न लगने की शिकायत पैदा होती है। इससे न केवल वजन कम होता है बल्कि उल्टी और दस्त जैसी शिकायतें भी सामने आती हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार पैनक्रियाज कैंसर के मरीजों के जिंदा रहने की संभावना नहीं के बराबर होती है। बीमारी का पता लगने के बाद मरीज छह महीने से लेकर पांच साल तक ही जीवित रह पाता है। अमेरिका में कैंसर से होने वाली मौतों में पैनक्रियाज कैंसर का चौथा नंबर है। गौरतलब है कि एप्पल कंपनी के सह संस्थापक स्टीव जाब्स की असमय मृत्यु पैनक्रियाज के कैंसर के चलते ही हुई थी। पश्चिमी देशों में पैनक्रियाज कैंसर के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है लेकिन भारत में भी अब यह बीमारी पैर पसारने लगी है और मिजोरम में इसके सर्वाधिक मामले सामने आ रहे हैं।

सर गंगाराम अस्पताल के मेडिकल आनकोलोजी विभाग के अध्यक्ष डा श्याम अग्रवाल कहते हैं कि पैनक्रियाज कैंसर काफी आक्रामक होता है और तेजी से बढ़ता है। इसका पता चलने के पांच साल के भीतर ही मरीज की मौत हो जाती है।

फलों से भी बढ़ सकता है मोटापा

आमतौर पर वजन कम करने वाले लोगों को फल और सब्जियों का सेवन करने के लिए कहा जाता है पर सभी फल वजन कम करने में सहायक नहीं होते। कई फल अधिक मात्रा में खाएं तो वजन बढ़ भी सकता है। यद्यपि फलों में विटामिन, फाइबर, और एंटी आक्सीडेंट काफी मात्रा में होते हैं किंतु उनमें मौजूद शुगर वजन कम करने के आड़े आती है।

शायद ऐसा कोई भी फल नहीं जिन्हें बहुत अधिक मात्रा में खाया जा सके पर आम, चीकू, पपीता सेब, केला, अंगूर आदि के साथ विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। यदि आप चाहें तो खीरा, ब्रोकली और मशरूम अधिक मात्रा में खा सकते है किंतु मटर, आलू, शकरकंदी और भुट्टे भी सीमित मात्रा में खाने चाहिए।

सेहत का वरदान है हल्दी

यूं तो लगभग सभी मसाले हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं किंतु हल्दी में इतने औषधीय गुण होते हैं जितने किसी मसाले में नहीं होते। हल्दी मूलतः एक पौधे की जड़ होती है जो हमें गांठों के रूप में प्राप्त होती है।

खांसी के लिए तो यह रामबाण दवा है। कच्ची हल्दी की छोटी सी गांठ को सेंक कर मुंह में रखा जाए तो जुकाम और खांसी दूर होते हैं किंतु सबसे आसान है गर्म दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पीना। इससे हर प्रकार की खांसी में आराम मिलता है और जुकाम भी ठीक होता है। इसी दूध में एक चम्मच शुद्ध घी मिलाया जा सकता है जिससे यह और प्रभावशाली हो सकता है।

यदि कहीं चोट लग जाए तो गर्म तेल में हल्दी जलाकर लगाने से वह शीघ्र ठीक होता है। भारत में तो पुरानी परंपरा रही है कि गुम चोट लगने पर पिसी हल्दी को गर्म दूध में मिला कर रोगी को पिलाया जाता है। सिरदर्द और कमरदर्द होने पर एक कप चाय में चुटकी भर हल्दी मिला कर पीने से राहत मिलती है। यह माना जाता है कि हल्दी में वात, पित्त और कफ तीनों प्रकार के विकार दूर करने की क्षमता होती है।

वजन कम करना है तो विटामिन बी-12 लें

आहार विशेषज्ञ रूजुता दिवेकर के अनुसार यदि हमें अपने वजन पर काबू रखना है तो बिटामिन बी-12 का नियमित सेवन आवश्यक है। विटामिन बी - 12 रेड ब्लड सेल्स बनाने में सहायता करता है जिससे हमारे शरीर के सब सेल्स को ऑक्सीजन मिलती है। इस विटामिन बी की कमी होने के कारण शरीर में सब जगह ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती जिससे हमारी चर्बी को जलाने की क्षमता प्रभावित होती है, स्वभाव में चिड़चिड़ापन होता है, मुंहासे पैदा होते हैं। और शरीर में कोलेस्ट्राल के स्तर में वृद्धि होती है।

शरीर में विटामिन बी-12 की मात्रा बढ़ाने के लिए रोज दही लेना चाहिए, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए और पर्याप्त नींद लेने का प्रयास करना चाहिए। यदि शराब पी रहे हों तो उसके साथ स्नैक्स के स्थान पर भोजन करना ही बेहतर है। सबसे अच्छा तो यही है कि शराब पीने से पहले डिनर ले लिया जाए। इससे आपको सरूर तो कम चढ़ेगा किंतु आपके शरीर में विटामिन बी-12 की उचित मात्रा और चर्बी जलाने की क्षमता बनी रहती है। (स्वा.द.)

न्यूज इन ब्रीफ

असम में छह करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त, दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि बुधवार को कछार जिले में छह करोड़ रुपये मूल्य की याबा गोलियां बरामद कर पुलिस ने इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मादक पदार्थ के खिलाफ अथक प्रयास। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने सिलचर में मादक पदार्थ रोधी अभियान के तहत पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन को रोका, जिसमें याबा की 20 हजार गोलियां बरामद हुई और इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। ये मादक पदार्थ छह करोड़ रुपये मूल्य के थे।''

ओडिशा में चार साल की बच्ची से दुष्कर्म के दोषी व्यक्ति को 20 साल सश्रम कारावास

फूलबनी (ओडिशा) : ओडिशा के फूलबनी में पॉक्सो अदालत ने चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने और उसकी मां की गरिमा को ठेस पहुंचाने के जुर्म में एक व्यक्ति को बुधवार को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। एक लोक अभियोजक ने यह जानकारी दी। बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी मां की गरिमा को ठेस पहुंचाने की घटना पिछले साल की है। लोक अभियोजक असीम कुमार प्रहराज ने बताया कि फूलबनी स्थित यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अदालत के न्यायाधीश मनोरंजन दास ने दोषी शंकर प्रधान पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया और उसके द्वारा अगर जुर्माना नहीं भरा गया तो उसे 13 महीने अतिरिक्त हिरासत में रहना होगा। प्रहराज ने बताया कि अदालत ने कंधमाल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीए-लएसए) को पीड़िता को सात लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने फरवरी 2024 में घर के बाहर खड़ी बच्ची को उसकी मां की गोद से छीन लिया था और उसके साथ दुष्कर्म किया था।

जम्मू-कश्मीर : बडगाम में तीन आतंकी आकाओं की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार को पाकिस्तान में बैठकर केंद्र शासित प्रदेश में आंतकी गतिविधियां संचालित कर रहे तीन सरगनाओं की तीन संपत्तियां कुर्क की गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि तीनों संपत्तियां मध्य कश्मीर जिले के खग, चेवा बीरवाह और हरवानी खानसाहिब इलाकों में स्थित हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई भारतीय शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले के संबंध में की गई। प्रवक्ता ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियां हरवानी खानसाहिब निवासी मंजूर अहमद चोपन उर्फ रईस (दो मंजिला मकान), चेवा बडगाम निवासी मोहम्मद यूसुफ मलिक उर्फ मोलवी (दो मंजिला मकान, 5 कनाल और 13 मरला जमीन) और नागबल खाग निवासी बिलाल अहमद वानी उर्फ उमर (19.5 मरला जमीन) की हैं।

उच्चतम न्यायालय ने परिवार की हत्या के मामले में मृत्युदंड पाने वाले दोषी को बरी किया

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने 2013 में अपने परिवार की हत्या के अपराध में मौत की सजा पाने वाले एक व्यक्ति को बरी करते हुए बुधवार को कहा कि जब ''मानव जीवन दांव पर हो और उसकी कीमत खून हो'' तो मामले से निपटने में ''अत्यंत ईमानदारी'' की आवश्यकता होती है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की तीन सदस्यीय पीठ ने दोषी की मौत की सजा की पुष्टि करने वाले पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने मामले में अभियोजन पक्ष के प्रमुख गवाहों की गवाही में ''बड़े विरोधाभासों'' को रेखांकित करते हुए कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि अभियोजन पक्ष ने अपने मामले को संदेह से परे साबित कर दिया है।

विदेश नीति पर राहुल के 'पाकिस्तान की भाषा' बोलने से देश को नुकसान: रीजीजू

नयी दिल्ली : संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह एकजुटता प्रदर्शित करने के बजाय विदेश नीति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना कर देश को गुमराह करने के लिए ''पाकिस्तान की भाषा'' बोल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''इससे देश को नुकसान होता है।'' वहीं, एक दिन पहले ही कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार की चीन नीति को लेकर जयशंकर पर निशाना साधा था। रीजीजू ने कहा कि वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को सलाह देंगे कि उन्हें विदेश नीति पर सहयोग के साथ काम करना चाहिए और देश के खिलाफ टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। भाजपा नेता ने कहा, ''आप (गांधी) एकजुटता प्रदर्शित करने के बजाय विदेश नीति पर प्रधानमंत्री की आलोचना करते हैं। इससे देश को क्या फायदा होगा...।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी विदेश नीति पर पाकिस्तान की भाषा बोलकर गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।'' गांधी ने मीडिया में आई एक खबर मंगलवार को टैग किया था, जिसमें एस. जयशंकर द्वारा चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात करने और उन्हें भारत-चीन संबंधों में हालिया घटनाक्रम से अवगत कराने की बात कही गई थी। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि विदेश मंत्री ''भारत की विदेश नीति को नष्ट करने के उद्देश्य से एक पूरा सर्कस चला रहे हैं''। गांधी ने कहा था, ''मुझे लगता है कि (अब) चीनी विदेश मंत्री आएंगे और (प्रधानमंत्री) मोदी को चीन-भारत संबंधों में हाल के घटनाक्रमों से अवगत कराएंगे। विदेश मंत्री अब भारत की विदेश नीति को नष्ट करने के उद्देश्य से एक पूरा सर्कस चला रहे हैं।''

दिल्ली के आठ विद्यालयों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, तीन दिन में 10 ऐसे मामले

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के कई विद्यालयों को बुधवार सुबह बम से उड़ाने की धमकियां मिलने से अफरा-तफरी मच गई और परिसरों को तुरंत खाली कराना पड़ा। हालांकि,व्यापक जांच के बाद ये धमकियां अफवाह साबित हुईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 15 जुलाई को द्वारका स्थित सेंट थॉमस स्कूल में बम की धमकी भेजने के आरोप में 12 वर्षीय एक छात्र को हिरासत में लिया गया था। स्कूल को बुधवार को 24 घंटे से भी कम समय में एक और बम की धमकी मिली। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया कि मंगलवार को बम की धमकी वाला ई-मेल भेजने वाले लड़के की पहचान कर ली गई है और उसे हिरासत में ले लिया गया है।

आपके पास हमारे पक्ष में आने की गुंजाइश है: फडणवीस ने उद्धव से कहा

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को अपने पूर्व सहयोगी उद्धव ठाकरे से कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)उनके साथ विपक्ष में शामिल होने की संभावना नहीं रखती, लेकिन वह सत्ता पक्ष में आ सकते हैं। फडणवीस विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे के विदाई समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उनके बगल में बैठे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उद्धव जी, 2029 तक (सरकार में बदलाव की) कोई गुंजाइश नहीं है। हमारे पास दूसरे (विपक्ष) पक्ष में आने की गुंजाइश नहीं है। आपके पास यहां आने की गुंजाइश है, और इस बारे में सोचा जा सकता है। हम इसके बारे में अलग तरीके से सोच सकते हैं।'' ठाकरे के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना ने 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद अपने लंबे समय के सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ लिया था। फडणवीस की यह टिप्पणी उनके और शिंदे के बीच जारी अनबन की खबरों के बीच आई है, जिन्होंने 2022 में शिवसेना को तोड़कर भाजपा से हाथ मिला लिया था। कहा जाता है कि शिंदे उस समय नाखुश थे जब उन्हें 2024 के चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले 'महायुति' गठबंधन द्वारा भारी जीत हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री पद फडणवीस को सौंपना पड़ा।

ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार ओटीपी सत्यापन अब अनिवार्य: रेलवे

जम्मू : रेलवे प्रशासन ने देश भर में तत्काल प्रणाली के तहत ऑनलाइन टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी के माध्यम से आधार सत्यापन को आधिकारिक तौर पर अनिवार्य कर दिया है। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक उचित सिंघल ने घोषणा की कि 15 जुलाई से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार ओटीपी सत्यापन अनिवार्य हो गया है। सिंघल ने इस बात जोर दिया कि ये संशोधन यात्रियों के लिए तत्काल टिकटों तक निष्पक्ष और पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित करने, उनके हितों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं कि वास्तविक उपयोगकर्ता इस प्रणाली का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा,''यात्री मोबाइल ओटीपी के माध्यम से सत्यापन के बिना तत्काल टिकट प्राप्त नहीं कर पाएंगे। नयी प्रणाली के तहत तत्काल टिकट आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप या भारतीय रेलवे के पीआरएस काउंटरों के माध्यम से बुकिंग के लिए उपलब्ध होंगे।'' अधिकारी का कहना है कि रेलवे आरक्षण प्रणाली द्वारा सृजित ओटीपी के प्रमाणीकरण के बाद ही अधिकृत एजेंटों के माध्यम से टिकट बुकिंग के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। यह ओटीपी बुकिंग के समय उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा। सिंघल ने बताया, ''तत्काल आरक्षण टिकट लेने वालों को अब टिकट बुक करते समय अपने आधार नंबर से जुड़ा सिम कार्ड वाला मोबाइल साथ रखना होगा।'' रेलवे ने यह भी कहा कि बुकिंग विंडो के पहले 30 मिनट के दौरान बड़ी संख्या में बुकिंग की अनुमति नहीं होगी।

ओडिशा में छात्रा की मौत: प्रदर्शन के दौरान बीजद नेता हुए घायल, पटनायक ने निंदा की

भुवनेश्वर : ओडिशा के बालासोर जिले में एक कॉलेज छात्रा के आत्मदाह को लेकर बुधवार को यहां विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) के विरोध प्रदर्शन के दौरान दो पूर्व मंत्रियों समेत विपक्षी दल के कई कार्यकर्ता और नेता घायल हो गए। एक अधिकारी ने कहा कि 'लोअर पीएमजी स्क्वायर' के पास बीजद का प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राज्य सचिवालय 'लोक सेवा भवन' की ओर मार्च करते हुए अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया और पुलिसकर्मियों से उनकी झड़प हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बीजद कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें डालीं और आंसूगैस के गोले छोड़े। हालांकि, घायल बीजद नेताओं ने दावा किया कि उन्हें रबर की गोलियां लगीं। पुलिस ने इस आरोप को खारिज कर दिया। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त जगमोहन मीणा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आरोप झूठ है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले दागे। रबर की गोलियों का इस्तेमाल नहीं किया गया जैसा आरोप लगाया गया है।'' दूसरी ओर, बीजद अध्यक्ष और विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने पुलिस की ''ज्यादती'' की कड़ी निंदा की और कार्रवाई को ''बर्बर और अमानवीय'' बताया। पटनायक ने 'एक्स' पर लिखा, ओडिशा में लोकतांत्रिक विरोध का अधिकार गंभीर खतरे में है।

ब्रिटेन में महात्मा गांधी के तैल चित्र की नीलामी में अनुमान से तीन गुना अधिक कीमत मिली

लंदन : महात्मा गांधी का एक दुर्लभ तैल चित्र लंदन में बोनहम्स नीलामी में अनुमानित कीमत से लगभग तीन गुना अधिक 1,52,800 पाउंड में बिका। इसके बारे में माना जाता है कि यह एकमात्र ऐसा चित्र है जिसे महात्मा गांधी ने कलाकार के सामने बैठकर बनवाया था। यह पेंटिंग, जिसे पहले कभी नीलामी में नहीं रखा गया था, ऑनलाइन नीलामी के लिए रखी गई थी। इसकी अनुमानित कीमत 50,000 से 70,000 पाउंड के बीच थी। यह 'ट्रैवल एंड एक्सप्लोरेशन सेल' की सबसे बड़ी बोली थी, जो मंगलवार को समाप्त हुई। चित्रकार क्लेयर लीटन का गांधी से परिचय तब हुआ जब वह 1931 में द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए लंदन गये थे। नीलामी घर 'बोनहम्स' के बिक्री विभाग की प्रमुख रियानोन डेमेरी ने कहा, ''माना जाता है कि यह महात्मा गांधी का एकमात्र तैल चित्र है, जिसे उन्होंने कलाकार के सामने बैठकर बनवाया था। यह एक बहुत ही विशेष कृति है, जिसे पहले कभी नीलामी में नहीं रखा गया था।'' यह चित्र 1989 में लीटन की मृत्यु तक कलाकार के संग्रह में रहा, जिसके बाद उनके परिवार ने इसे हस्तांतरित किया। डेमेरी ने कहा, ''इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इस कृति ने दुनिया भर में इतनी रुचि जगाई।''

मानसून सत्र में आठ नए विधेयक पेश करने की तैयारी में सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने आगामी सोमवार से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र में कुल आठ नए विधेयकों को पेश करने की योजना बनाई है जिनमें भू-विरासत स्थलों और भू-अवशेषों के संरक्षण और सुरक्षा से संबंधित एक विधेयक भी शामिल है। मानसून सत्र के लिए प्रस्तावित विधेयकों में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक शामिल हैं। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है और 21 अगस्त तक दोनों सदनों की कुल 21 बैठकें प्रस्तावित हैं। सत्र के दौरान 12 अगस्त से 18 अगस्त तक रक्षाबंधन और स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण अवकाश रहेगा। इस सत्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के बीच तीखी नोकझोंक होने की संभावना है। सरकार और विपक्ष के बीच संभावित टकराव के बिंदुओं में इस वर्ष के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला भी शामिल होगा। कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल 'ऑपरेशन सिंदूर' और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम की मध्यस्थता का दावा किए जाने के विषयों पर सरकार से जवाब मांगने की तैयारी में हैं। इस सत्र में चार अन्य नए विधेयक मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक और कराधान कानून (संशोधन) विधेयक हैं। सरकार द्वारा मानसून सत्र के दौरान आयकर विधेयक, 2025 भी पेश किए जाने की उम्मीद है। यह विधेयक फरवरी में लोकसभा में पेश किया गया था और इसे निचले सदन की प्रवर समिति को भेज दिया गया था। समिति ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट अंगीकार कर ली और सोमवार को इसे लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है।

पहलगाम हमले के आतंकवादियों की पहचान हुई, ज्यादा दिन जिंदा नहीं रहेंगे: जम्मू-कश्मीर उपराज्यपाल

नयी दिल्ली : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा। सिन्हा ने गांधी स्मृति में 'जम्मू-कश्मीर: शांति की ओर' विषय पर व्याख्यान देते हुए जोर देकर कहा कि कश्मीर घाटी में शांति भंग करने की कोई भी कोशिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान को कड़ी प्रतिक्रिया मिली। हमले को अंजाम देने वालों की पहचान कर ली गई है और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब उनका जिंदा रहना मुश्किल है। अच्छी खबरें जरूर आएंगी, लेकिन कोई निश्चित तारीख बताना उचित नहीं होगा। सिन्हा ने कहा कि पिछले पांच साल में विभिन्न आतंकवादी संगठनों के शीर्ष आका भी अब जिंदा नहीं रहे और उनका (आतंकियों का) भी यही हश्र होगा। कश्मीर घाटी के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए एक हमले में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमले में जान गंवाने वाले लोगों में अधिकतर पर्यटक थे। हमले के जवाब में भारत ने छह मई देर रात को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था।

उत्तराखंड में 'हरेला' की धूम, मुख्यमंत्री धामी ने लगाया रुद्राक्ष का पौधा

देहरादून : उत्तराखंड में बुधवार को 'हरेला' पर्व के मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए यहां रुद्राक्ष का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री धामी ने यहां 'गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज' परिसर में 'हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपण करने के बाद कहा कि 'हरेला' केवल एक पर्व नहीं बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि हरेला के मौके पर प्रदेश में लगभग पांच लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें सरकार के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों जैसे स्वयंसेवी संगठनों, छात्र-छात्राओं, महिला समूहों और पंचायतों ने रिकॉर्ड पौधारोपण करने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने इस लक्ष्य के पूरा होने की उम्मीद जाहिर करते हुए कहा, पौधे रोपे जाने का यह केवल एक आंकड़ा नहीं है बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ सामूहिक प्रयासों का एक जीवंत उदाहरण है। धामी ने कहा कि पौधारोपण करने के बाद असली जिम्मेदारी उसके पेड़ बनने तक देखभाल करना है।

लोकसभा अध्यक्ष की पहल; अब सांसदों, आगंतुकों को मिलेगा 'सेहतमंद आहार'

नयी दिल्ली : संसद में कामकाज की उत्पादकता बढ़ाने के बाद अब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों, अधिकारियों और आगंतुकों की सेहत का भी खास ख्याल रखने की योजना बनाई है। इसके तहत अब संसद में रागी बाजरा इडली और ज्वार उपमा से लेकर मूंग दाल का चीला और उबली सब्जियों के साथ ग्रिल्ड मछली तक कई सेहतमंद आहार उपलब्ध कराए जाएंगे। सेहतमंद आहार का मेन्यू लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कहने पर तैयार किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष का मानना है कि स्वास्थ्य से किसी तरह का समझौता किए बिना जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाना है। संसद की कैंटीन में सेहत को ध्यान में रखते हुए भोजन उपलब्ध कराने की पहल इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि सत्र के दौरान कार्यवाही लंबे समय तक और कई बार देर रात तक चलती है। स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए संसद की कैंटीन ने पोषण को अहमियत देते हुए विशेष मेन्यू की पहल की है। अब संसद में लज़ीज़ पकवानों के साथ ही बाजरे से बने पकवान, फाइबर युक्त सलाद और प्रोटीन-पैक सूप उपलब्ध होगा जो एक स्वस्थ आहार को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

आईआईटी-मद्रास ने बनाई भारत की 'सबसे हल्की' व्हीलचेयर

नयी दिल्ली : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मद्रास ने बुधवार को स्वदेशी रूप से बनाई गई भारत की सबसे हल्की व्हीलचेयर 'वाईडी वन' पेश की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 'वाईडी वन' देश की पहली स्वदेशी रूप से विकसित 'मोनो-ट्यूब रिजिड-फ्रेम' व्हीलचेयर है, जिसे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ व्हीलचेयर के तौर पर डिजाइन किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार निर्मित 'वाईडी वन' प्रत्येक उपयोगकर्ता के शरीर, मुद्रा और दैनिक गतिशीलता आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से अनुकूलित है। उन्होंने कहा कि केवल नौ किलोग्राम वजन वाली इस व्हीलचेयर को कार, ऑटो या सार्वजनिक वाहनों में रखकर ले जाना भी आसान है। आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि के अनुसार दुनिया भर में व्हीलचेयर को अक्सर दिव्यांगता के एक सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में देखा जाता है, लिहाजा इसका इस्तेमाल करने वालों को एक अलग नजर से देखा जाता है। उन्होंने कहा कि इस धारणा को बदलना होगा।

न्यायालय ने दोषी की मौत की सजा को 'आखिरी सांस तक' जेल की सजा में तब्दील किया

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने अपनी पत्नी और बच्चों सहित पांच परिजनों की हत्या के दोषी एक व्यक्ति की मौत की सजा को बुधवार को अंतिम सांस तक कारावास की सजा में तब्दील कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कर्नाटक के बल्लारी जिले के रहने वाले बायलुरू थिप्पैया को उसके परिवार के पांच सदस्यों की बर्बर और निर्मम हत्या के लिए दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता-दोषी को इस बेहद निंदनीय प्रकृति के अपराध को अंजाम देने के लिए प्रेरित करने वाली समग्र परिस्थितियों को देखते हुए मौत की सजा उचित नहीं हो सकती है। उसने कहा, उसे अपने अपराध के लिए पश्चाताप करने की कोशिश करते हुए जेल में अपने दिन बिताने चाहिए। इस तरह, इन अपीलों को आंशिक रूप से इस हद तक अनुमति दी जाती है कि उसे मौत की सजा से मुक्त कर दिया जाए। इसके बजाय, उसे बिना किसी छूट के जेल में अपनी अंतिम सांस का इंतजार करना होगा। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने पर्याप्त जानकारी होने के बावजूद शमन रिपोर्ट सहित विभिन्न रिपोर्ट पर उचित और पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया। उसने कहा कि परिवीक्षा रिपोर्ट से पता चलता है कि थिप्पैया का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और इस बात पर मिश्रित राय है कि वह सुधार के लिए उपयुक्त है या नहीं। पीठ ने कहा, कर्नाटक सरकार की कारागार एवं सुधार सेवाओं की ओर से पेश 'आचरण एवं व्यवहार रिपोर्ट' में दर्ज है कि उसका 'नैतिक चरित्र अच्छा' है और सह-कैदियों एवं जेल अधिकारियों के साथ उसका 'व्यवहार भी संतोषजनक' है। उसने कहा कि यह भी रिकार्ड में आया कि दोषी ने जिला लोक शिक्षा समिति की ओर से आयोजित बुनियादी साक्षरता कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अच्छे रैंक के साथ उत्तीर्ण हुआ।

खुद को 'राजा' समझते हैं हिमंत, लेकिन जनता उन्हें भ्रष्टाचार के लिए जेल पहुंचाएगी : राहुल गांधी

गुवाहाटी : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद को 'राजा' समझते हैं, लेकिन राज्य की जनता भ्रष्टाचार के लिए उन्हें जेल में पहुंचा देगी। असम के चायगांव में कांग्रेस की एक बैठक को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि शर्मा और उनके परिवार को भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''आपके मुख्यमंत्री में भय व्याप्त है, वह जानते हैं कि निडर कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें जेल में डाल देंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और भाजपा एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची संशोधन के जरिए ''धांधली'' करके महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीता है। गांधी ने कहा, ''वे बिहार में भी यही हथकंडे अपना रहे हैं और असम में भी यही करेंगे। हमें सावधान रहना होगा।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''मीडिया अब हमारा दोस्त नहीं रहा; वे सच नहीं दिखा रहे, केवल अदाणी, अंबानी, मुख्यमंत्री, मोदी और शाह को दिखा रहे हैं।'' हालांकि, गांधी ने दावा किया कि इससे कोई मदद नहीं मिलेगी क्योंकि कांग्रेस अगले साल असम में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करेगी।

कांग्रेस छोड़कर भागने वाला व्यक्ति अब असम का मुख्यमंत्री है: खरगे

चायगांव (असम) : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि पार्टी ने भाजपा को असम में सरकार बनाने के लिए अपना सदस्य उधार दिया था। खरगे ने राज्य की एक दिवसीय यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, जो व्यक्ति कांग्रेस छोड़कर भाग गया था, वह अब असम का मुख्यमंत्री है। शर्मा 2015 में भाजपा में शामिल होने से पहले असम की कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए खरगे ने कहा, लोगों से अन्याय करने वालों को जेल भेजा जाएगा।

अमृत भारत ट्रेन: आम आदमी की रेल यात्रा में सम्मान, सुविधा और रफ्तार का नया अध्याय

नयी दिल्ली : भारतीय रेलवे में आम और मध्यमवर्गीय यात्रियों के लिए एक नई शुरुआत हुई है- अमृत भारत ट्रेन योजना, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई है। यह योजना सिर्फ एक परिवहन सेवा नहीं, बल्कि देश के श्रमजीवी वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवारों को सस्ती, सुरक्षित और गरिमामयी यात्रा देने की दूरदर्शी पहल है। रेल यात्रा हर दिन लाखों लोगों के लिए आजीविका, शिक्षा और परिवार से जुड़ी जरूरतों का जरिया है। ऐसे में अमृत भारत ट्रेन उन यात्रियों के लिए समर्पित है जिनकी यात्रा का उद्देश्य केवल सफर नहीं, बल्कि जीवन की प्रगति है। खास बात यह है कि इन ट्रेनों में सामान्य और स्लीपर श्रेणी को भी अत्याधुनिक बनाया गया है। बेहतर वेंटिलेशन, आरामदायक सीटें, आधुनिक लाइटिंग, मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, फायर डिटेक्शन सिस्टम और टॉक-बैक यूनिट जैसी सुविधाएं यात्रियों को दी जा रही हैं। 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ये ट्रेनें पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' तकनीक पर आधारित हैं, जो यह दर्शाती हैं कि भारत अब तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और बंगाल जैसे राज्यों के यात्रियों के लिए यह योजना विशेष लाभकारी साबित हो रही है। दरभंगा-दिल्ली और सहरसा-मुंबई के बाद अब पटना-नई दिल्ली, दरभंगा-लखनऊ और मालदा टाउन-भागलपुर-लखनऊ के बीच नई अमृत भारत ट्रेनों की शुरुआत होने जा रही है। ये ट्रेनें उन रूटों पर चलाई जा रही हैं जहां बड़ी संख्या में मजदूर, छात्र और नौकरीपेशा लोग प्रतिदिन आवाजाही करते हैं। अब आम यात्रियों को महंगी ट्रेनों या भीड़भाड़ वाली सीमित विकल्पों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यात्रा अब केवल एक ज़रूरत नहीं रही, बल्कि यह सुविधा, गरिमा और सम्मान का अनुभव बन चुकी है। अमृत भारत ट्रेन सिर्फ लोहे की पटरियों पर दौड़ती हुई गाड़ी नहीं है, बल्कि यह आम आदमी की उम्मीदों, संघर्षों और सपनों को गति देने वाला प्रतीक है। यह ट्रेन दर्शाती है कि भारत का विकास अब बड़े शहरों तक सीमित नहीं, बल्कि गांव-कस्बों और मेहनतकश जनता तक पहुंच चुका है।

भारत में तुरंत स्टार बनने के बाद, सूर्यवंशी इंग्लैंड में आकर्षण का केंद्र बने

बेकेनहैम : रनों के प्रति अपनी बेतहाशा भूख और अद्भुत प्रतिभा के धनी वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड में ऑटोग्राफ दे रहे हैं, सेल्फी के लिए अनुरोध मान रहे हैं और उनकी झलक के लिए खेल प्रेमी घंटों गाड़ी चलाकर पहुंच रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने रिकॉर्ड तोड़ शतक के बाद भारत में घर घर चर्चित हो चुके बिहार के 14 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब अंडर-19 टीम के ब्रिटेन दौरे पर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्हें जानबूझकर मीडिया की नजरों से दूर रखा गया है लेकिन मैदान पर उनकी उपलब्धियां दुनिया के इस हिस्से में किसी की नजर से नहीं बची हैं। ब्रिटेन में रहने वाले एक बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय और स्थानीय लोगों की नजरें बेकेनहैम में पहले युवा टेस्ट के दौरान इस बाएं हाथ के बल्लेबाज पर टिकी थीं। लाल गेंद श्रृंखला के पहले मैच के आखिरी दिन केंट काउंटी क्रिकेट मैदान पर सूर्यवंशी से ऑटोग्राफ लेने के बाद बेकेनहम के एक स्थानीय बच्चे ने कहा, 'वह मेरे आदर्श हैं। मुझे उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली पसंद है।' सूर्यवंशी ने 10 दिन पहले वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ 50 ओवर के मैच में भारत अंडर-19 के लिए 78 गेंद में 143 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड अंडर-19 के बाएं हाथ के स्पिनर राल्फी अल्बर्ट वॉर्सेस्टर में सफेद गेंद के मैच और यहां युवा टेस्ट मैच का हिस्सा हैं। वह सभी प्रारूपों में इस भारतीय खिलाड़ी के आक्रामक रवैये से हैरान थे। अल्बर्ट ने चौथे दिन के बाद कहा, 'मैंने पूरी वनडे श्रृंखला में उन्हें (वैभव सूर्यवंशी) गेंदबाजी की। और फिर टेस्ट श्रृंखला के बाद आपको लगा होगा कि शायद वह थोड़ा धीमे हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने इसी लय में खेलना जारी रखा। वह सही में एक अच्छे खिलाड़ी हैं।' लंदन में रहने वाले भारतीय मूल के एक जोड़े ने इस शानदार सलामी बल्लेबाज को देखने के लिए ब्रिटिश राजधानी से दो घंटे का सफ़र तय किया।

भारतीय फुटबॉल की बदहाली: एआईएफएफ के पतन की दशा बताती एक नयी किताब

नयी दिल्ली : पिछले 24 महीनों में भारतीय फुटबॉल की दशा बद से बदतर हो गई है और हाल में आई एक नयी किताब में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और उसके अध्यक्ष कल्याण चौबे के कथित तौर पर राह से भटक जाने का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया गया है। भारतीय पुरुष टीम फीफा रैंकिंग में गिरकर 133वें स्थान पर आ गई है जो पिछले नौ साल में सबसे खराब रैंकिंग है। वहीं कुछ महीनों में शुरू होने वाली शीर्ष स्तरीय इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का आगामी सत्र भी अधर में लटका हुआ है क्योंकि इसके आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और एआईएफएफ ने अभी तक 'मास्टर्स राइट्स एग्रीमेंट' का नवीनीकरण नहीं किया है। खेल पत्रकार जयदीप बासु ने अपनी किताब 'ह् स्टोल माई फुटबॉल' में चौबे के नेतृत्व में भारतीय फुटबॉल के प्रणालीगत पतन का अंदरूनी विवरण दिया है जिसमें वित्तीय कुप्रबंधन भी शामिल है। बासु एआईएफएफ के मीडिया निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं और संगठन में होने वाले विकास से अवगत रहे हैं, जिसका उन्होंने विस्तार से वर्णन किया है।

आईएसएल स्थगित किए जाने पर छेत्री ने कहा, अनिश्चितता चिंताजनक, भारतीय फुटबॉल दहशत में है

नयी दिल्ली : पूर्व कप्तान और शीर्ष स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने बुधवार को कहा कि भारतीय फुटबॉल में अनिश्चितता की मौजूदा स्थिति काफी चिंताजनक है और शीर्ष स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किये जाने से खेल जगत चिंतित, आहत और डरा हुआ है। लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलने वाले छेत्री ने कहा कि उन्हें देश में इस खेल के भविष्य को लेकर आशंकाएं व्यक्त करने वाले फोन कॉल और संदेशों की बाढ़ आ गई है। इस 40 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर लिखा, 'मुझे सबसे पहले यह चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसको मैं कैसे बिताऊंगा। लेकिन विभिन्न क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मेरी समस्या उतनी महत्वपूर्ण नहीं है।' छेत्री ने कहा, 'भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। मुझे न केवल मेरे क्लब से, बल्कि अन्य क्लबों से भी खिलाड़ियों, स्टाफ सदस्यों, फिजियो, मालिश करने वालों से ढेर सारे संदेश मिले हैं।'

धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड के अंक कटे, डब्ल्यूटीसी तालिका में तीसरे स्थान पर खिसका

लंदन : इंग्लैंड की टीम बुधवार को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में एक पायदान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गई क्योंकि लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण उसके दो अंक काट दिए गए। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम पर टेस्ट के बाद मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रन से जीता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया क्योंकि उसकी टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम किए थे। भारत अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की न्यूनतम ओवर गति से जुड़ी धारा 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।' इसमें कहा गया है, 'इसके अलावा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम होने पर टीम का प्रत्येक ओवर के लिए एक अंक काट दिया गया है। इस तरह से इंग्लैंड के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के कुल अंकों में से दो अंक काट दिए गए हैं।' विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में इंग्लैंड के से 24 से घटकर 22 हो गए हैं। इस कारण उसका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 प्रतिशत से घटकर 61.11 प्रतिशत हो गया। श्रीलंका को इसका फायदा मिला जिसका प्रतिशत 66.67 है और वह इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया अब तक अपने तीनों मैच जीतकर 100 प्रतिशत अंकों के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारत का प्रतिशत 33.33 है।

आईसीसी एजीएम: दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली, टी20 विश्व कप के विस्तार पर होगी चर्चा

सिंगापुर : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रही चार दिवसीय वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान बहुचर्चित दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली, टी20 विश्व कप का विस्तार और नए सदस्यों को स्वीकृति देने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी। नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र (2025-27) शुरू हो चुका है और ऐसे में दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली पर चर्चा धन आवंटन और प्रमोशन (निचली से शीर्ष लीग में जाना) तथा रेलीगेशन (शीर्ष लीग से निचली में खिसकना) से संबंधित प्रावधानों के इर्द-गिर्द घूमने वाली है। हालांकि यह सामान्य रूप से स्वीकार किया गया है कि मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और नई प्रणाली संभावित रूप से 2027 के बाद लागू होगी। आईसीसी चेयरमैन जय शाह और नवनियुक्त सीईओ संजोग गुप्ता की अध्यक्षता में होनी वाली एजीएम में इस पद्धति पर गंभीरता से विचार होगा क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इसके प्रमुख समर्थक हैं। हालांकि 50 ओवर के विश्व कप में और टीम जोड़ने का कोई इरादा नहीं है लेकिन आईसीसी टी20 विश्व कप में और टीम शामिल करने पर विचार कर सकता है जिससे संभावित रूप से इसमें 24 प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। हालांकि अगले साल से पहले कोई ठोस निर्णय लिए जाने की उम्मीद नहीं है।

अभी कोई लक्ष्य नहीं, विश्व चैंपियनशिप से पहले चोट मुक्त रहना चाहता हूं: सात्विक

तोक्यो : शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी लगातार चोटों से जूझने के बावजूद कोर्ट पर सकारात्मक परिणाम से राहत महसूस कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले उनका ध्यान फिट रहने पर है और उनका कोई दीर्घकालिक लक्ष्य नहीं है।

सात्विक और चिराग शेट्टी मौजूदा सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे जबकि पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। जनवरी में मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद सात्विक की स्वास्थ्य समस्याओं और चिराग की पीठ की चोट के कारण भारतीय जोड़ी कई हफ्तों तक कोर्ट से बाहर रही। उन्होंने सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल और इंडोनेशिया में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर वापसी की। दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने जापान ओपन सुपर 750 के पहले दौर में आसान जीत के साथ

शुरुआती की जिसके बाद सात्विक ने कहा, 'हमें शत प्रतिशत फिट होना होगा। यह हमेशा उतार-चढ़ाव वाला होता है। एक बार जब वह ठीक हो जाता है तो मुझे कुछ छोटी-मोटी तकलीफ होती है। एक बार जब मैं ठीक हो जाता हूं तो उसे कुछ छोटी-मोटी तकलीफ होती है इसलिए हम पिछले एक साल से बिना चोट के नहीं खेले हैं। हम छोटी-मोटी चोट से जूझते रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'फिर भी, हम कुछ अच्छे मैच खेल पा रहे हैं। यह एक सकारात्मक पहलू है। लेकिन अभी हमारा लक्ष्य चोटों से मुक्त रहने और हमेशा स्वस्थ रहने पर है।' जापान ओपन के बाद चीन ओपन सुपर 1000 होगा जिसके बाद शीर्ष खिलाड़ी 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पेरिस रवाना होंगे। सात्विक ने कहा, 'अभी अधिक आगे के बारे में नहीं सोच रहा हूं। अभी कोई लक्ष्य नहीं है। जाहिर है, हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन साथ ही हम स्वस्थ भी रहना चाहते हैं।' चिराग ने सात्विक की बात दोहराई और कहा कि इंडोनेशिया ओपन के बाद का ब्रेक उबरने के लिए जरूरी था। चिराग ने कहा, 'यह वास्तव में जरूरी था। हमने अमेरिका और कनाडा के लिए भी प्रविष्टियां भेजी थी लेकिन सिंगापुर और इंडोनेशिया के बाद हमें उस ब्रेक की जरूरत थी क्योंकि मैं काफी फिट नहीं था।' मुंबई के इस खिलाड़ी ने कहा, 'आराम के लिए कुछ हफ्ते मिले इसलिए शरीर पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहा है।

रूट फिर बने दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज, गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

दुबई : इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने एक सप्ताह के अंदर फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा बुधवार को जारी नवीनतम सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गये। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट में रूट ने 104 और 40 रन बनाए थे, जिसे इंग्लैंड ने 22 रन से जीता। इस शानदार प्रदर्शन से वह अपने करियर में आठवीं बार दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने। रूट अभी 34 साल के हैं और वह दिसंबर 2014 में कुमार संगकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज हैं। श्रीलंका के खिलाड़ी ने 37 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। रूट ने अपना शीर्ष स्थान हमवतन हैरी ब्रुक से खो दिया था, जो अब केन विलियमसन से पीछे तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और उपकप्तान ऋषभ पंत एक-एक पायदान नीचे क्रमश: पांचवें और आठवें स्थान पर खिसक गए हैं।

कप्तान शुभमन गिल भी तीन पायदान गिरकर नौवें स्थान पर आ गए हैं। लॉर्ड्स में 72 और नाबाद 61 रन की पारी खेलने वाले जडेजा पांच पायदान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर आ गए हैं। इसी मैच में 100 और 39 रन की पारी खेलने वाले केएल राहुल भी पांच पायदान ऊपर चढ़कर जडेजा से एक पायदान पीछे 35वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लॉर्ड्स में 77 रन और पांच विकेट लेकर 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर 42वें और गेंदबाजों की सूची में एक स्थान ऊपर 45वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा पर 50 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने छह स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस तरह से वह अपने चार हमवतन गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क के साथ शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर गेंदबाजों की सूची में 58वें से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आरबीआई नीतिगत दर में और कटौती से पहले उभरती स्थिति पर रख रहा नजर: गवर्नर मल्होत्रा

नयी दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि केंद्रीय बैंक नीतिगत दर में आगे किसी भी कटौती का फैसला लेने से पहले उभरती स्थिति पर नजर रखते हुए 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक वृद्धि और मूल्य स्थिरता दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) मुद्रास्फीति में गिरावट के साथ मानक रेपो दर में कटौती कर रही है। साथ ही इसने तटस्थ रुख अपनाया है। तटस्थ रुख का मतलब है कि रिजर्व बैंक जरूरत के मुताबिक प्रमुख ब्याज दर में घट-बढ़ कर सकता है। केंद्रीय बैंक फरवरी से अबतक रेपो दर में कुल मिलाकर एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। मल्होत्रा ने एक टीवी चैनल दिए साक्षात्कार में कहा कि मुद्रास्फीति के अनुमान पर आंतरिक आकलन किया जा रहा है और उन्हें नहीं पता कि यह तीन प्रतिशत होगी या नहीं। इसका

कारण ये आकलन अभी चल रहा है। उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से अपना नवीनतम अनुमान जारी करेंगे और एमपीसी हमेशा की तरह, भविष्य के अनुमान को लेकर उभरती स्थिति को ध्यान में रखेगी। उसके आधार पर यह निर्णय लेगी कि अर्थव्यवस्था को वास्तव में किस प्रकार की नीतिगत दर की जरूरत है।' मल्होत्रा ने कहा, 'अगर मुद्रास्फीति कम है... या वृद्धि दर कम है, तो निश्चित रूप से नीतिगत दर में कटौती की जा सकती है, लेकिन हमें इस पर नजर रखनी होगी।'

देश में साधारण बीमा प्रीमियम जून में 5.2 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली : देश में साधारण बीमा उद्योग का प्रीमियम जून माह में साल-ाना आधार पर 5.2 प्रतिशत बढ़कर कुल 23,422.5 करोड़ रुपये हो गया। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। केयरएज रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि नियम में बदलाव होने से साधारण बीमा की वृद्धि की रफ्तार थोड़ी सुस्त पड़ी है। जून, 2024 में साधारण बीमा का प्रीमियम 8.4 प्रतिशत बढ़ा था। रिपोर्ट कहती है, 'नियम में बदलाव ने उद्योग के प्रदर्शन को प्रभावित किया है। इस वजह से स्वास्थ्य बीमा वृद्धि इकाई अंक में रही जबकि यात्री वाहन खंड में धीमी वृद्धि हुई है। हालांकि, व्यावसायिक बीमा के नवीनीकरण ने इसे कुछ हद तक संतुलित किया है।' प्रीमियम वृद्धि में कमी के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 में साधारण बीमा प्रीमियम तीन लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया। रिपोर्ट कहती है कि ऐसा मददगार नियमों, बीमा प्रौद्योगिकी को अपनाने की तेज रफ्तार, डिजिटलीकरण में तेजी और बढ़ते मध्यम वर्ग के कारण संभव हुआ। इसके अलावा, सरकार का 'बीमा तिकड़ी' का प्रयास भी साधारण बीमा क्षेत्र में वृद्धि को गति देने के लिए तैयार है। साथ ही, मुख्य तौर पर स्वास्थ्य बीमा करने वाली कंपनियों से खुदरा स्वास्थ्य क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए रखने की उम्मीद है।

मारुति ने अर्टिगा के दाम 1.4 प्रतिशत बढ़ाए, बलेनो 0.5 प्रतिशत महंगी हुई

नयी दिल्ली : देश की प्रमुख कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपनी अर्टिगा और बलेनो मॉडल की कीमतों में तत्काल प्रभाव से 1.4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि इन मॉडल में नए नियमों के तहत छह एयरबैग शामिल किए गए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि छह एयरबैग के मानकीकरण से अर्टिगा की औसत शोरूम कीमत में 1.4 प्रतिशत और बलेनो की कीमत में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कंपनी ने बताया कि यह मूल्यवृद्धि 16 जुलाई, 2025 से लागू होगी।

सरकार जन सेवा केंद्र संचालकों को कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में देगी मुफ्त प्रशिक्षण

नयी दिल्ली : केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि सरकार 'जन सेवा केंद्र' चलाने वाले 5.5 लाख से ज्यादा ग्रामीण उद्यमियों को कृत्रिम मेधा (एफआई) का मुफ्त प्रशिक्षण देगी। वैष्णव ने जन सेवा केंद्र विशेष उद्देश्यीय इकाई (सीएससी एस-पीवी) की 10वीं वर्षगांठ के मौके पर कहा कि इन्हें सरकार के भारत कृत्रिम मेधा मिशन के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें 10 लाख लोगों को एआई के क्षेत्र में प्रशिक्षण देने का प्रावधान है। उन्होंने कहा, 'आप सभी को मुफ्त में एआई प्रशिक्षण दिया जाएगा। हमने कृत्रिम मेधा मिशन के तहत लगभग 10 लाख लोगों को कुशल बनाने का लक्ष्य रखा है। सभी 5.5 लाख ग्रामीण स्तरीय

उद्यमियों को प्रशिक्षण में प्राथमिकता दी जाएगी।' इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने इस मौके पर सीएससी ग्रामीण उद्यमियों की राज्य-आधारित सरकारी सेवा केंद्रों को जन सेवा केंद्रों के साथ विलय करने की मांग को सामने रखा। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें अधिक आय सृजन के अवसर मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सीएससी ग्रामीण उद्यमी अपने केंद्र में आधार से संबंधित कार्य का आवंटन चाहते हैं। वैष्णव ने सीएससी एसपीवी को राज्य-आधारित सेवा केंद्रों के विलय पर विवरण तैयार करने को कहा और ग्रामीण उद्यमियों को आश्वासन दिया कि वह राज्य सरकारों के साथ उनके विलय की संभावना पर चर्चा करेंगे।

भारत के युवा दुनिया में परचम लहराने वाले, उनमें निवेश की जरूरत: वेदांता चेयरमैन

नयी दिल्ली : वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भारत की युवा आबादी को देश की सबसे बड़ी ताकत और प्रतिस्पर्धी बढ़त बताते हुए इसमें निवेश करने का आह्वान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की जनसंख्या सबसे युवा है। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू के अनुसार, एक औसत भारतीय की उम्र सिर्फ 28.7 वर्ष है और 50 प्रतिशत लोग इससे भी कम उम्र के हैं। यह भारत के लिए एक बहुत बड़ा लाभ है।' उन्होंने कहा, 'चीन में लोगों की औसत उम्र 38.4 वर्ष है जबकि ब्राजील, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया में यह क्रमश: 33.2, 38.5 और 37.5 वर्ष

है। वहीं भारत में यह सिर्फ 28.7 वर्ष है।' अग्रवाल ने युवाओं, लड़कियों और लड़कों, महिलाओं और पुरुषों में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा, 'वे दुनिया में परचम लहराएंगे।' खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता ने बयान में कहा कि कंपनी इस सोच को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए काम कर रही है। कंपनी के कौशल विकास कार्यक्रमों ने पिछले पांच वर्षों में पूरे देश में लगभग 15 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया है, जिनमें ग्रामीण और वंचित समुदायों से आने वाले युवा प्रमुख हैं। देशभर में फैले 200 से अधिक कौशल विकास केंद्र और 91 प्रतिशत नियोजन दर के साथ, यह पहल आकांक्षा और अवसर के बीच की खाई को पाटने का कार्य कर रही है। बयान के अनुसार, वेदांता 2030 तक 25 लाख लोगों को सशक्त बनाने के लक्ष्य के साथ युवा भारत को मजबूत बनाने के मिशन में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच सेंसेक्स, निफ्टी में मामूली तेजी

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। सीमित कारोबार में बीएसई सेंसेक्स मामूली 64 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 16 अंक का लाभ रहा। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख और शुल्क को लेकर अनिश्चितताओं के बीच निवेशक बाजार से दूर रहे। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 63.57 अंक यानी 0.08 प्रतिशत बढ़कर 82,634.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह ऊंचे में 82,784.75 अंक तक गया और नीचे में 82,342.94 अंक तक आया। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 16.25 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 25,212.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स और आईटीसी प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), सन फार्मा, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा, 'घरेलू शेयर बाजार शुरुआती गिरावट से उबरते हुए बुधवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव कम होने और आईटी शेयरों में खरीदारी को लेकर बढ़ती दिलचस्पी के साथ बाजार में तेजी रही।' टेक महिंद्रा का वित्तीय परिणाम जारी होने से पहले उसका शेयर 1.94 प्रतिशत चढ़ा। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की जून तिमाही में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 1,128.8 करोड़ रुपये रहा है।

न्यूज अपडेट

रिलायंस पावर के निदेशक मंडल ने 9,000 करोड़ रुपये तक जुटाने को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : रिलायंस पावर के निदेशक मंडल ने विभिन्न वित्तीय साधनों के माध्यम से 9,000 करोड़ रुपये तक जुटाने को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसके निदेशक मंडल ने बुधवार को आयोजित अपनी बैठक में 6,000 करोड़ रुपये तक की धनराशि जुटाने के लिए सदस्यों से अनुमति लेने को मंजूरी दी। धन जुटाने की कार्यवाही 'पात्र संस्थागत खरीद-ारों को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) और/या अनुवर्ती सार्वजनिक प्रस्ताव या इनके संयोजन के माध्यम से इक्विटी शेयरों और/या इक्विटी से संबद्ध साधनों और/या अन्य पात्र प्रतिभूतियों के जारी करने के माध्यम से की जाएगी। सूचना में कहा गया है कि इसने एक या एक से अधिक किस्तों में, निजी नियोजन के आधार पर या अन्यथा 3,000 करोड़ रुपये तक के सुरक्षित/असुरक्षित, विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करने को भी मंजूरी दी।

एसबीआई चालू वित्त वर्ष में शेयर, बॉन्ड जारी कर जुटाएगा 45,000 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शेयर और बॉन्ड जारी कर 45,000 करोड़ रुपये तक जुटाएगा। इसमें से 25,000 करोड़ रुपये की राशि पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये जुटाई जाएगी। एसबीआई का क्यूआईपी बुधवार को खुल गया है। एसबीआई ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह चालू वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान घरेलू निवेशकों को बॉन्ड जारी करके 20,000 करोड़ रुपये तक जुटाएगा। इसके अलावा, एसबीआई ने बुधवार को क्यूआईपी के ज़रिये संस्थागत खरीदारों को 811.05 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर शेयर बेचने की शुरुआत की। बैंक ने कहा कि वह न्यूनतम मूल्य पर पांच प्रतिशत तक की छूट दे सकता है। बैंक क्यूआईपी के ज़रिये 25,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रहा है। यह न्यूनतम मूल्य बैंक के बुधवार को बंद हुए शेयर भाव 831.55 रुपये से 2.46 प्रतिशत कम है।

दुरुपयोग रोकने के लिए मृतकों के 'आधार' को निष्क्रिय कर रहा यूआईडीएआई

नयी दिल्ली : भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने मृतक व्यक्तियों के पहचान प्रमाण के दुरुपयोग को रोकने के लिए उनके आधार को निष्क्रिय करना शुरू कर दिया है। अब तक 1.17 करोड़ से ज्यादा 12 अंकों वाल आधार संख्या को निष्क्रिय किया गया है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। यूआईडीएआई ने इस पहल के तहत 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पंजीकृत मृत्यु के लिए 'माय आधार पोर्टल' पर एक नई सेवा... परिवार के सदस्य की मृत्यु की सूचना... शुरू की है, ताकि लोग अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु की सूचना दे सकें। बयान में कहा गया, ''आधार डेटाबेस को निरंतर सटीक बनाए रखने के लिए, यूआईडीएआई ने विभिन्न स्रोतों से मृत्यु रिकॉर्ड प्राप्त करने और उचित सत्यापन के बाद संबंधित आधार संख्याओं को निष्क्रिय करने के लिए कदम उठाये हैं।'' यूआईडीएआई ने कहा कि उसने भारत के महापंजीयक से आधार संख्या से जुड़े मृत्यु रिकॉर्ड साझा करने का अनुरोध किया और नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआर-ारएस) का उपयोग करके 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 1.55 करोड़ मृत्यु रिकॉर्ड प्राप्त किए हैं। बयान में कहा गया, ''उचित सत्यापन के बाद, लगभग 1.17 करोड़ आधार संख्याएं निष्क्रिय कर दी गई हैं।

वर्ष 10, पूर्णांक 3299 अंक 109, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in